दैनिक

नव प्रदेश

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

बिलासपुर, शुक्रवार, 20 मार्च 2026 कृष्ण पक्ष-द्वितीय, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-11 अंक- 328 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

जमीनी स्तर पर केंद्रीय बलों का सराहनीय योगदान, प्रशासनिक और कैरियर लाभों में रखा जा रहा पीछे!

प्रसाद नायडू/जगदलपुर

नव प्रदेश विशेष

सीएपीएफ यानी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में शामिल सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी में इन दिनों कैडर अधिकारियों और आईपीएस अधिकारियों का डेपुटेशन पर आकर बल पर काबिज होने का मामला गर्माया हुआ है। छत्तीसगढ़ में नक्सल क्षेत्रों में इन 5 सीएपीएफ के अफसर और कर्मचारी तैनात हैं। सुप्रीम कोर्ट के पहले आदेश के बाद इनमें प्रमोशन की उम्मीद जागी थी, लेकिन पदोन्नति में ठहराव से मायूस भी हैं।

सीएपीएफ बलों के अधिकारियों का कहना है कि सीएपीएफ में भर्ती होने वाले डायरेक्ट असिस्टेंट कमांडेंट अधिकारियों को पहला प्रमोशन मिलने में 16 साल से अधिक का वक्त लग रहा है। जबकि यहीं आईपीएस अधिकारी इतने सालों में डीआईजी

■ शेष पृष्ठ 8 पर

नक्सल क्षेत्र बस्तर में जमीनी हकीकत

- छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियानों में जमीनी स्तर पर लड़ाई का नेतृत्व मुख्यत: सीआरपीएफ के अधिकारी और जवान ही करते हैं। अग्रिम मोर्चे पर तैनाती और ऑपरेशन केंद्रीय सुरक्षा बल द्वारा किया जाता है।
- जंगलों और दुर्गम इलाकों में वास्तविक जोखिम उठाने वाले भी यही बल हैं। केंद्रीय उपक्रमों की सुरक्षा का भार सीआईएसएफ और सरहदों पर केंद्रीय बल तैनात हैं। कई अभियानों में नेतृत्व, रणनीति और कार्रवाई का केंद्रीय बल के अधिकारी ही होते हैं
- सुकमा और दंतेवाड़ा जैसे क्षेत्रों में बड़े ऑपरेशनों के दौरान सीआरपीएफ ने अग्रिम पंक्ति में रहकर नक्सलियों का मुकाबला किया है। कई बार उच्च जोखिम वाले एम्बुश और सर्च ऑपरेशन केंद्रीय पुलिस बल की टीमों द्वारा संचालित किए जाते हैं।

- **जो मैदान में लड़ रहा है, वही ठहर गया है और जो नीति बना रहा है वह मैदान में नहीं**
- **सीएपीएफ अफसरों की पदोन्नति पर संकट, 16 साल बाद भी नहीं मिला पहला प्रमोशन**
- **केंद्रीय बलों के जवानों को ओल्ड पेंशन की बात भी कोर्ट तक पहुंची**

एआई इमेज

16 साल बाद भी पहला प्रमोशन नहीं

सीआरपीएफ के पूर्व सहायक कमांडेंट व सुप्रीम कोर्ट के वकील सर्वेश त्रिपाठी का कहना है कि यहां सीएपीएफ बलों में कैडर अधिकारियों के प्रमोशन की स्थिति बहुत खराब है। हालत यह है कि यहां 16 साल की सेवा पूरी करने के बाद भी असिस्टेंट कमांडेंट के रूप में भर्ती हुए अधिकारियों को उनका पहला प्रमोशन तक नहीं मिल सका है। जिससे की वह डिप्टी कमांडेंट बन सकें। जबकि, यहीं 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी, जिनकी सेवा अवधि लगभग 14 वर्ष है। वह डीआईजी तक बन गए और सीएपीएफ में सीधे डीआईजी के पद पर तैनात किए जा रहे हैं। हाल यह हो रहा है कि सीएपीएफ के करीब 13 हजार कैडर अधिकारी विभिन्न रैंकों पर गंभीर पदोन्नति ठहराव का सामना कर रहे हैं। विशेषकर सीआरपीएफ और बीएसएफ में स्थिति और भी गंभीर है। यह स्थिति कैडर अधिकारियों के लिए अत्यंत निराशाजनक और मनोबल तोड़ने वाली है। सरकार को चाहिए कि वह सीएपीएफ को भी वही ऑरिजनल ग्रुप-ए सर्विस का दर्जा दे। जो की अन्य 57 समूह-'ए' सेवाओं को प्राप्त है, लेकिन इन 5 सीएपीएफ को यह अभी तक नहीं मिला है। केंद्रीय बलों के जवानों को ओल्ड पेंशन मिलना चाहिए। गृहमंत्री ने 2019 में जवानों को 100 दिन छुट्टी देने का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक पूरा नहीं हुआ है।

आज बेबाक

ये बढ़िया है। गधे पालो और लाखों में खेलो। वैसे हमारे देश में दो पैर वाले गधों की कमी नहीं है। एक ढूंढो हजार मिलते हैं, नगद ढूंढो उधार मिलते हैं। ऐसे गधे पालने वाले बड़े फक्र से गाते हैं - मेरा गधा गधों का लीडर कहता है दिल्ली जाकर अपनी मांगें मनवाऊंगा नहीं तो घास नहीं खाऊंगा..। इसके चलते चार पैर वाले गधों की पूछ परख कम होने से उनकी संख्या घट रही है। नतीजतन सरकार ने राष्ट्रीय पशुधन योजना अंतर्गत गधा पालने के लिए पचास लाख सब्सिडी देने का निर्णय लिया है। मतलब अब गधे भी जमकर खीर खाएंगे।

विधानसभा सत्र : छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंर्त्य विधेयक-2026 विधानसभा में पेश, विपक्ष ने किया कार्यवाही का बहिष्कार

छत्तीसगढ़ में जबरन और प्रलोभन से धर्मांतरण पर अब सजा और जुर्माना

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में लंबे समय से धर्मान्तरण को लेकर लगातार चल रहे आरोप-प्रत्यारोप, वाद-विवाद के बीच गुरुवार को साय सरकार ने विधानसभा में छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंर्त्य विधेयक- 2026 पेश कर दिया। संभावना है कि बजट सत्र के अंतिम दिन इसे सदन द्वारा पारित भी कर दिया जाएगा, इससे पहले लल्लूराम डॉट कॉम आपको विधेयक के संबंध में अहम जानकारी दे रहा है।

छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंर्त्य विधेयक 2026 छत्तीसगढ़ राज्य में वर्तमान में लागू छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्रय अधिनियम 1968 का स्थान लेगा। छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्रय

■ शेष पृष्ठ 8 पर

31 बिंदुओं में धर्मांतरण को परिभाषित किया गया

छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंर्त्य विधेयक- 2026 में छह अध्यायों में 31 बिंदुओं में वैध-अवैध धर्मांतरण को परिभाषित करते हुए निहित सजा और जुर्माने का प्रावधान रखा गया है। विधेयक में अवैध तरीके से धर्मांतरण कराने पर 7 से 10 साल तक की जेल और कम से कम 5 लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान है। यदि पीड़ित नाबालिग, महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित है, तो सजा 10 से 20 साल तक की जेल और कम से कम 10 लाख रुपये जुर्माना का प्रावधान है।

विधेयक 20 साल तक बिल लंबित क्यों रखा: दीपक

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने रायपुर में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि धर्म स्वातंर्त्य विधेयक को लेकर बैज ने सवाल उठाते हुए कहा कि यह बिल बीजेपी की सरकार ने 2006 में लाया था और 2006 से 2018 तक बीजेपी की सरकार रही। उन्होंने पूछा कि '20 साल तक बिल लंबित क्यों रखा गया और अब राज्यपाल द्वारा वापस भेजे जाने का क्या कारण है? सरकार को इसका जवाब देना चाहिए।'

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने सदन में रखा

छत्तीसगढ़ बहुप्रतीक्षित विधेयक आखिरकार विधानसभा में पेश किया गया। गुरुवार को डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने धर्म स्वातंर्त्य विधेयक विधेयक पेश किया। जिस पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने विधेयक पर आपत्ति जताते हुए कहा कि मध्यप्रदेश समेत 11 राज्यों में यह विधेयक सुप्रीम कोर्ट में है। इन मामलों में अब तक कोई फैसला नहीं हुआ है। इसलिए सदन में इस पर चर्चा नहीं होनी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के जवाब पर विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष कन्फ्यूज हैं। बिना तथ्यों के आधार पर सुप्रीम कोर्ट को बीच में ला रहे हैं।

आसंदी ने विपक्ष की आपत्तियों को किया खारिज

विपक्ष की आपत्तियों पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने जवाब देते हुए कहा कि, सुप्रीम कोर्ट ने कोई स्टे नहीं दिया है और नए कानून बनाने पर भी कोई मनाही नहीं है। इस विषय पर सदन में चर्चा की जाएगी, जब सभी पक्ष आएंगे। डिप्टी सीएम के जवाब के बाद आसंदी ने विपक्ष की आपत्तियों को खारिज कर दिया। आसंदी की अनुमति के बाद विजय शर्मा ने विधेयक का पुन:स्थापन किया। जिसके बाद विपक्ष ने धर्म स्वातंर्त्य विधेयक पर चर्चा का बहिष्कार करते हुए दिनभर सदन की कार्यवाही का बहिष्कार कर दिया।

शेयर बाजार में 22 महीने की सबसे बड़ी गिरावट

- **सेंसेक्स 2497 अंक गिरकर 74,207 पर आया, निफ्टी 776 अंक टूटा**
- **क्रूड की कीमतें 6% बढ़कर 114 डॉलर प्रति बैरल के पार**

मुंबई (ए.)। शेयर बाजार में आज यानी 19 मार्च को 22 महीने की सबसे बड़ी गिरावट रही। सेंसेक्स 2497 अंक (3.26%) गिरकर 74,207 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 776 अंक (3.26%) की गिरावट रही, यह 23,002 पर आ गया है। बैंकिंग-ऑटो शेयर्स में आज सबसे ज्यादा बिकवाली रही। इससे पहले 4 जून 2024 को सेंसेक्स 5.74% गिरा था।

जियोपॉलिटिकल तनाव और जंग जैसी स्थिति में महंगाई बढ़ने का खतरा रहता है। इससे कंपनियों का मुनाफा कम हो सकता है। ऐसे में निवेशक उनके शेयर बेचना शुरू कर देते हैं और इसे सुरक्षित जगह निवेश करते हैं। इससे बाजार में गिरावट आती है।

चांदी में 20 और सोने में 8 हजार की गिरावट

नई दिल्ली/ए.। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 19 मार्च को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी की कीमत 20 हजार रुपए घटकर 2.30 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2.50 लाख रुपए किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 8 हजार रुपए गिरकर 1.48 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले 18 मार्च को सोना 1.56 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम था। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना 5 कारोबारी दिन में 13 हजार और चांदी 38 हजार सस्ती हुई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 24 घंटे में 5 राष्ट्राध्यक्षों से बातचीत

नई दिल्ली/ए.। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 घंटे के दौरान 5 देशों के राष्ट्राध्यक्षों से फोन पर बात की। पीएम ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि उन्होंने फोन पर बातचीत के दौरान क्षेत्र में तनाव कम करने, संवाद बढ़ाने और शांति बहाली की जरूरत पर जोर दिया। पीएम ने बताया कि उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और जॉर्डन के राजा किंग अब्दुल्ला II से बातचीत की। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने बताया कि पीएम ने कुवैत के क्राउन प्रिंस से भी बात की थी।

आरोपी एक छात्र, आगे परीक्षा, कोई आपराधिक पृष्ठभूमि भी नहीं, हाईकोर्ट ने दी सशर्त जमानत

- **40 लीटर महुआ शराब रखने के जुर्म में पुलिस ने किया था गिरफ्तार**

बिलासपुर/नवप्रदेश। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने 12वीं कक्षा के एक छात्र को सशर्त जमानत दी। 40 लीटर महुआ शराब रखने के जुर्म में पुलिस ने 12वीं कक्षा के एक छात्र के खिलाफ मामला बनाया और उसे जेल में डाल दिया। छात्र बीते 22 फरवरी से जेल में बंद था। स्टूडेंट ने अपने आपको निर्दोष बताने के साथ ही बोर्ड परीक्षा का हवाला देते हुए जमानत की गुहार हाई कोर्ट में लगाई थी।

जमानत याचिका की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा के सिंगल बेंच में हुई। मामले की सुनवाई के बाद चीफ जस्टिस ने छात्र को सशर्त जमानत दे दी है। छत्तीसगढ़ सरायपाली क्षेत्र की पुलिस ने सूचना के आधार पर छात्र के घर छापामार कार्रवाई की। छापे के दौरान पुलिस ने छात्र से 40 लीटर महुआ शराब जब्त करने का दावा किया और छात्रा के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया। आरोपी के अधिवक्ता ने हाईकोर्ट से

■ शेष पृष्ठ 8 पर

ओडिशा अस्पताल अग्निकांड में चार अफसर सस्पेंड

कटक/ए.। कटक के श्रीराम चंद्र भंज मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आग लगने की घटना के दो दिन बाद ओडिशा सरकार ने 4 अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इनमें अग्निशमन सेवा के 3 और विद्युत विभाग का एक अफसर शामिल है। इस बीच, विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल ने चार जूनियर अधिकारियों के निलंबन को सिर्फ दिखावा बताया। लेनिन मोहंती ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार का रवैया लापरवाही भरा है।

भाजपा की पहली लिस्ट में 88 नाम, सीएम हिमंता 7वीं बार जालुकबारी से लड़ेंगे चुनाव

- **असम चुनाव के लिए एक दिन पहले कांग्रेस से आए सांसद बोरदोलोई को भाजपा ने दिया टिकट**

नई दिल्ली/ए.। असम विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने गुरुवार को अपने कैंडिडेट्स की पहली लिस्ट जारी की। इसमें सीएम हिमंता बिस्व सरमा सहित 88 नाम हैं। हिमंता अपनी परंपरागत सीट जालुकबारी से चुनाव लड़ेंगे। वे सातवीं बार इस सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

25 दिन पहले भाजपा में आए पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा को भी टिकट दिया गया है। भाजपा ने एक दिन कांग्रेस छोड़कर पार्टी जॉइन करने वाले सांसद प्रद्युत बोरदोलोई को दिसपुर से उम्मीदवार बनाया गया है। इधर, प्रद्युत बोरदोलोई के भाजपा में शामिल होने के बाद उनके बेटे प्रतीक बोरदोलोई ने विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। प्रतीक ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे पत्र में कहा कि अब उनका कांग्रेस उम्मीदवार बने रहना सही नहीं होगा। प्रतीक ने कहा- मैं पूरी जिम्मेदारी और सम्मान के

■ शेष पृष्ठ 8 पर

गरमा-गरम

चार कंधों पर सिस्टम : गरियाबंद जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं की खुली पोल, अफसर कह रहे जांच की बात

मरीज को अस्पताल पहुंचाने खाट पर लादकर 17 किमी चले परिजन

जीवन एस साहू

- **दुर्गम गांव भालूडिग्गी में नहीं पहुंचती एम्बुलेंस**
- **इलाज के लिए ग्रामीणों को उठाना पड़ रहा जोखिम**

गरियाबंद/नवप्रदेश। गरियाबंद जिले में एक बार फिर स्वास्थ्य व्यवस्था की जमीनी हकीकत सामने आई है, जिसने सरकारी दावों की पोल खोलकर रख दी है। मैनपुर क्षेत्र के दूरस्थ ग्राम भालूडिग्गी में स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव के चलते एक गंभीर मरीज को ग्रामीणों ने बांस की खाट पर करीब 17 किलोमीटर तक पहाड़ी और घने जंगलों के रास्ते ढोकर अस्पताल तक पहुंचाया।

जानकारी के मुताबिक, राजीव गांधी गोद ग्राम कुल्हाड़ीघाट के आश्रित ग्राम भालूडिग्गी निवासी मन्नू राम की तबीयत अचानक बिगड़ गई। गांव में स्वास्थ्य सुविधा नहीं होने के कारण ग्रामीणों ने मजबूरी में खाट को कांवर की तरह तैयार किया और दुर्गम रास्तों से पैदल चलते हुए उसे कुल्हाड़ीघाट तक लाए। आरोप है कि यहां भी समय पर सरकारी एम्बुलेंस की सुविधा नहीं मिलने पर इसके बाद निजी वाहन से पहले मैनपुर स्वास्थ्य केंद्र और फिर हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल गरियाबंद रेफर किया गया। अब सबसे

■ शेष पृष्ठ 8 पर

मूलभुत सुविधाएं मिलनी चाहिए

गरियाबंद जिले में सड़क, शिक्षा, पानी और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को लेकर कई बार मांग और प्रदर्शन किए गए, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

- **जनकराम ध्रुव**, विधायक

वनांचल में सड़क और नेटवर्क की समस्या

संबंधित गांव बेहद दुर्गम क्षेत्र में स्थित है, जहां सड़क और नेटवर्क की समस्या है। यदि पीड़ितों ने 108 एम्बुलेंस को कॉल किया है और उन्हें किसी तरह से रिस्पांस नहीं देते हुए सेवा में लापरवाही बरती गई है, तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए उच्च स्तर पर मांग भी की गई है।

- **यूएस नवरत्न**, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, गरियाबंद

छत्तीसगढ़ के आईएएस रवि मित्तल की पीएमओ में मिली बड़ी जिम्मेदारी

- **डिप्टी सेक्रेटरी बनाए गए, अभी छत्तीसगढ़ में जनसंपर्क आयुक्त की जिम्मेदारी संभाल रहे**

रायपुर/नवप्रदेश। केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ कैडर के 2016 बैच के आईएएस अधिकारी रवि मित्तल को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में डिप्टी सेक्रेटरी पद पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति कैबिनेट की नियुक्ति समिति की मंजूरी के बाद की गई है।

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, रवि मित्तल का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तारीख से चार वर्ष का होगा या अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। प्रशासनिक हलकों में इस नियुक्ति को अहम माना जा रहा है, क्योंकि प्रधानमंत्री कार्यालय में डिप्टी सेक्रेटरी का पद नीतिगत समन्वय और उच्चस्तरीय निर्णय प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रवि मित्तल वर्तमान में छत्तीसगढ़ जनसंपर्क आयुक्त की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इससे पहले वे जशपुर कलेक्टर के रूप में काम कर चुके हैं।

संक्षिप्त खबरें

चैत्र नवरात्रि पर्व के प्रथम दिवस पर देवी भक्तों में विशेष उत्साह एवं श्रद्धा का माहौल देखने को मिला

कुरूद / नवप्रदेश। नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में चैत्र नवरात्रि पर्व के प्रथम दिवस पर देवी भक्तों में विशेष उत्साह एवं श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। नगर की अधिष्ठात्री देवी माँ चंडी, माँ काली एवं छत्तीसगढ़ महतारी के मंदिरों में शुभ मुहूर्त में दीप प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना की तैयारी की गई है। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर विभिन्न मंदिरों में सेवा, जस गीतों एवं भजन-कीर्तन की मधुर ध्वनि से वातावरण भक्तिमय बना हुआ। श्रद्धालु बड़ी संख्या में मंदिरों में पहुंचकर माता रानी के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। नगर के प्रमुख देवी मंदिरों को आकर्षक लाइट डेकोरेशन से सजाया गया है, जिससे रात्रि में मंदिरों की छटा और भी मनमोहक दिखाई दे रही है। वहीं शीतला मंदिर में भी विधि-विधान से ज्योत प्रज्वलित कर माता की आराधना की गई। नवरात्रि के दौरान पूरे नगर में आस्था, भक्ति एवं उल्लास का वातावरण बना हुआ है, और आगामी दिनों में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।

कुरूद में बन रहे एमपी थिएटर का काम रुका, लोगों में नाराजगी

कुरूद / नवप्रदेश। नगर में लंबे समय से बन रहे एमपी थिएटर का निर्माण कार्य इन दिनों पूरी तरह से रुका हुआ है। निर्माण कार्य ठप पड़ने से नगरवासियों में नाराज़गी और निराशा देखने को मिल रही है। बताया जा रहा है कि लगभग दो माह से अचानक काम बंद कर दिया गया है, जिसके कारण थिएटर का निर्माण अधूरा पड़ा हुआ है।स्थानीय लोगों का कहना है कि एमपी थिएटर बन जाने से क्षेत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, फिल्मों के प्रदर्शन और विभिन्न सामाजिक आयोजनों के लिए एक बेहतर मंच उपलब्ध होता। नगर के युवाओं और कलाकारों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता। लेकिन अचानक निर्माण कार्य रुक जाने से यह विषय नगर में चर्चा का केंद्र बना हुआ है। नगर व आसपास क्षेत्र के कलाकारों एवं नागरिकों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य को जल्द से जल्द फिर से शुरू कराया जाए और अधूरे पड़े एमपी थिएटर को शीघ्र पूरा किया जाए, ताकि नगर वह क्षेत्र के साथ-साथ बाहर से आने वाले कलाकारों को भी इसकी सुविधा मिल सके।

मीना धुर्वे ने वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में रजत पदक जीत कर विभाग को किया गौरवान्वित

कवर्धा/नवप्रदेश। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, कवर्धा वनमंडल, जिला कबीरधाम में पदस्थ श्रीमती मीना धुर्वे, उप वनक्षेत्रपाल द्वारा रजत पदक प्राप्त कर न केवल वन विभाग अपितु पूरे प्रदेश को गौरवान्वित किया गया है।केन्द्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक एवं खेल बोर्ड, नई दिल्ली के तत्वाधान में आयोजित अखिल भारतीय सिविल सेवा वेटलिफ्टिंग (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन खेल विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा दिनांक 05 से 07 मार्च 2026 तक किया गया। उक्त प्रतियोगिता में कवर्धा वनमंडल अंतर्गत कार्यरत श्रीमती मीना धुर्वे, उप वनक्षेत्रपाल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अर्जित किया।श्रीमती धुर्वे ने 77 किलोग्राम वर्ग में 42 किलोग्राम (स्नेच) एवं 55 किलोग्राम (क्लीन एंड जर्क) सहित कुल 97 किलोग्राम भार उठाकर प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इससे पूर्व भी उन्होंने वन विभाग द्वारा आयोजित अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त कर विभाग का गौरव बढ़ाया है।वनमंडलाधिकारी श्री निखिल अग्रवाल द्वारा श्रीमती धुर्वे को इस उपलब्धि हेतु बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई तथा भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही, वनमंडल परिवार द्वारा भी उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

सिंधी समाज ने भव्य दोपहिया वाहन रैली निकाली

भाटापारा / नवप्रदेश। सिंधी समाज के इष्टदेव साईं झूलेलाल के जन्मोत्सव चेट्रीचंड्र महोत्सव पर शहर में सामाजिक एकता, सांस्कृतिक गौरव का अनूठा संगम दिखा।चेट्रीचंड्र महोत्सव के अवसर पर सिंधी समाज की नारी शक्ति एवं पुरुष प्रधान ने शहर में भव्य बाइक रैली निकाली इस दौरान 'आयोलाल झूलेलालज् जय जय झूलेलाल' के नारे लगातार लगते रहे। कुलदेवी हिंगलाज माता एवं भगवान झूलेलाल के समक्ष दीप प्रज्वलित करने के पश्चात बाइक रैली को नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा एवं सिंधी पंचायत अध्यक्ष इंदरलाल थारानी द्वारा झंडी दिखाकर महासती वार्ड स्थित झूलेलाल मंदिर से रवाना किया।

45 दिनों बाद ग्रामीणों को गैस बुकिंग ग्रामीणों के खिलाफ निर्णय उधोराम

धरसींवां / नवप्रदेश। ईरान -इजराईयल अमेरिका युद्ध से उत्पन्न पेट्रोलियम गैस एवं अन्य उत्पाद का दुष्प्रभाव भारत की नीतियों के कारण हो रहा है जिस प्रकार से भारत अमेरिकी दबाव में आकर युद्ध पर भारत की नीति स्पष्ट नहीं कर रहा है जिसके परिणाम स्वरूप भारत में आने वाले कच्चे पेट्रोलियम उत्पाद पर पड रहा है जिस होमुर्ज डमरू जलमध्य मार्ग के रास्ते से अधिकार जल मार्ग से परिवहन होता है जिसमें आवागमन लगभग बंद है। गैस नहीं मिलने से हाहाकार मचा हुआ है इसके आड़ में आपदा को अवसर में बदलने का काम कर रहे है गैस एजेंसियों में लंबी कतार लगने लगी है। ग्रामीण क्षेत्रों में 45दिनों बाद बुकिंग सरकार की तुगलकी फरमान है। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने मांग की है कि ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 45दिनों के बाद गैस की बुकिंग का आदेश वापस ले साथ ही खाद्य विभाग का सघन निरीक्षण हो ताकि गैस उपभोक्ता लूट के शिकार से बच सके ।

हिंदू नववर्ष शोभायात्रा को लेकर आयोजन समितियों की संयुक्त बैठक, पुलिस रहेगी तैनात

■ पुलिस प्रशासन ने की व्यापक तैयारियां, हर स्तर पर निगरानी

कवर्धा/नवप्रदेश। हिंदू नववर्ष के पावन अवसर पर कवर्धा शहर में भव्य झांकी एवं शोभायात्रा (रैली) का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में कवर्धा शहर सहित पूरे जिले से बड़ी संख्या में नागरिकों की सहभागिता अपेक्षित है। कार्यक्रम की सुचारू एवं सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु पुलिस और प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियाँ की जा रही हैं।इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेंद्र सिंह के निर्देशानुसार तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पुष्पेंद्र बघेल एवं श्री अमित पटेल के मार्गदर्शन में सभी आयोजन समितियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में रैली के मार्ग (रूट) निर्धारण, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, पार्किंग व्यवस्था सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

बैठक के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्री चंद्र प्रकाश चंद्रवंशी, एसडीओपी श्री आशीष शुक्ला, तहसीलदार श्री परमेश्वर मांडवी, श्री विकास जैन एवं कोतवाली थाना प्रभारी श्री योगेश कश्यप ने आयोजन समिति के पदाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक सुझाव एवं दिशा-निर्देश साझा किए। आयोजन समिति के सदस्यों से भी सुझाव प्राप्त कर व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया।

पुलिस प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे रैली के दौरान यातायात नियमों का पालन करें, निर्धारित मार्गों का उपयोग करें तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का सहयोगपूर्वक पालन करें, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।पुलिस प्रशासन ने यह भी आश्वस्त किया है कि सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी तथा हर स्तर पर निगरानी रखी जाएगी।

ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अथर्व शर्मा के सफल नेतृत्व में शिक्षा गुणवत्ता का परिणाम

80 में से 48 सीटें धमधा ब्लॉक के नाम नवोदय चयन में ग्रामीण प्रतिभा का जलवा

धमधा/नवप्रदेश। दुर्ग जिले के धमधा लिए गर्व का क्षण सामने आया है। जवाहर नवोदय विद्यालय नगपुरा बोराई में इस वर्ष 80 सीटों के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में से 48 सीटों पर केवल धमधा ब्लॉक के बच्चों ने सफलता हासिल की है। यानी कुल चयन का 60 प्रतिशत हिस्सा अकेले धमधा के नाम रहा।

ग्रामीण क्षेत्र होने के बावजूद धमधा के विद्यार्थियों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। साधारण सरकारी स्कूलों में पढ़ाई करने वाले इन बच्चों ने कड़ी मेहनत और लगन के दम पर यह उपलब्धि हासिल की है। अक्सर यह धारणा बनाई जाती है कि सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं होती, लेकिन इस परिणाम ने उन सभी धारणाओं को आईना दिखा दिया है।

चयनित विद्यार्थियों के अधिकांश माता-पिता कृषक हैं और सामान्य परिवारों से ताल्लुक रखते हैं। सीमित संसाधनों और चुनौतियों के बीच बच्चों ने अपने सपनों को पंख दिए और पूरे ब्लॉक का नाम रोशन किया। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवारों के लिए, बल्कि पूरे धमधा क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बन गई है।

धमधा ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अथर्व शर्मा ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता दर्शाती है कि यदि सही मार्गदर्शन और मेहनत हो तो सरकारी स्कूलों के बच्चे भी किसी से कम नहीं हैं।

इस ऐतिहासिक सफलता ने धमधा ब्लॉक को शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान दी है। एक बार फिर यह सिद्ध हो गया है कि सच्ची लगन, समर्पण और आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य को जरूर हासिल किया जा सकता है चाहे मंच गांव का हो या शहर का।

समाधान योजना शिविर का आयोजन

धमतरी/नवप्रदेश। कुरूद संभाग के अंतर्गत कुरूद में समाधान योजना से सम्बन्धित शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रायपुर ग्रामीण क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री संजीव सिंह , कार्यपालन अभियंता , सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता एवं सम्माननीय उपभोक्तागण उपस्थित हुए । कार्यक्रम में मुख्य अभियंता द्वारा योजना से सम्बन्धित उपभोक्ताओं को बकाया राशि में मूलधन तथा अधिभार राशि में मिलने वाली राहत के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर में लगभग 33 उपभोक्ता उपस्थित रहे जिनमें से 10 उपभोक्ताओं की 1,21,920 रुपए की बकाया राशि के विरुद्ध 82950 रूपये की राहत की जानकारी दी गई तथा मुख्य अभियंता द्वारा सभी को सम्मानित किया गया ।

बड़े बकायादारों का सूची जारी

राजनांदगांव /नवप्रदेश। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर सत प्रतिशत वसूली के लिये नगर निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने कडा रूख अपनाते हुये लंबे समय से करों का भुगतान नहीं करने वाले 1 लाख रूपये से उपर के बड़े बकायादारों की सूची जारी कर नगर पालिक निगम अधिनियम की धारा 173 के अंतर्गत बिल प्रेषित करने के निर्देश दिये थे। निर्देश के परिपालन में राजस्व विभाग द्वारा धारा 173 के तहत बिल प्रेषित किया गया, किन्तु करदाताओं द्वारा करो का भुगतान नहीं करने पर 15 दिवस उपरांत अधिनियम की धारा 174 के अधीन मांग की सूचना पत्र 61 करदाताओं को प्रेषित किया गया। जिनके द्वारा बकाया करों का भुगतान नहीं करने पर कुर्की की कार्यवाही की जावेगी। पूर्व में भी इन्हें अनेको बार करो का भुगतान करने समझाईस देने के साथ साथ पत्र भी दिया गया था।

ग्रामीण साहू समाज ने धूमधाम से मनाई भक्त मां कर्मा जयंती

कुरूद / नवप्रदेश। ग्राम खैरा में ग्रामीण साहू समाज द्वारा समाज की आराध्य देवी भक्त माता कर्मा की 1010वीं जयंती बड़े हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर साहू समाज भवन में समाज के सभी स्वजातीय जन एकत्रित हुए और भक्त मां कर्मा एवं भगवान जगन्नाथ स्वामी की विधिवत पूजा-अर्चना कर आरती की गई। जयंती के अवसर पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग सहित समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। बाजे-गाजे के साथ निकली यह कलश यात्रा गांव की प्रमुख गलियों में भ्रमण किया। जिससे पूरे गांव का वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों का समाज के पदाधिकारियों द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। इसके पश्चात भक्त मां कर्मा एवं भगवान जगन्नाथ को भोग अर्पित किया गया। कार्यक्रम के अतिथि बानगर परिक्षेत्र अध्यक्ष प्रेमचंद साहू, सचिव दीपेश साहू, मनोज साहू, पत्रकार गणेश साहू, देवल राम, प्रेमा साहू, गिरधर साहू, चिंता राम, बिसहत राम, गणेश साहू के आतिथ्य में किया गया।

प्रेमचंद साहू ने भक्त माता कर्मा त्याग, सेवा और भक्ति की अद्भुत मिसाल हैं। उनका जीवन हमें समाज सेवा, सद्भाव और मानवता का संदेश देता है। कर्मा माता की प्रेरणा से साहू समाज आज भी एकता और संस्कारों के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

गणगौर महोत्सव पर बुजुर्ग दंपत्तियों का सम्मान

भाटापारा / नवप्रदेश। विप्र फाउंडेशन जिला अध्यक्षा श्रीमती उमा रेखू शर्मा के नेतृत्व में कुंदन भवन में गणगौर महोत्सव का आयोजन किया गया,जिसमें विवाह के 50 वर्ष पूर्ण कर चुके दंपतियों को सम्मान कर उनका आशीर्वचन लिया गया।

राजस्थानी त्योहारों में प्रमुख अखंड सौभाग्य का पर्व गणगौर का अपना अलग महत्व है।जिसे सभी सुहागिनें अपने सुहाग की रक्षा हेतु एवम् कुंवारी कन्या मनपसंद सुयोग्य वर प्राप्ति हेतु पूजती है । इसी परिप्रेक्ष्य में जिला बलौदाबाजार भाटापारा विप्र फाउन्डेशन महिला प्रकोष्ठ द्वारा अखंड सौभाग्यवती सम्मान का आयोजन किया गया। जिसमें अपनी पचासवीं विवाह वर्षगांठ पूरे कर चुके समाज के तेरह जोड़ों कार्तिक लाल श्रीमती कृष्णा शर्मा, घनश्याम सरोज शर्मा, श्री श्रीलाल प्रमिला शर्मा, ओमप्रकाश श्रीमती उमा शर्मा,सीताराम श्रीमती चंपा पटाक,ओमप्रकाश श्रीमती शकुंतला ओझा , तोलाराम जी कमला देवी तिवारी, छगनलाल कांता शर्मा, मुरारी लाल कृष्णादेवी शर्मा, रमेश सुशीला तिवारी, पुरूषोत्तम द्वारिका देवी तिवारी, मोहनलाल विमला देवी शर्मा का सम्मान बड़ी आत्मीयता से करते हुए उन्हें शॉल, श्रीफल ,माला पहनाकर एवं महिलाओं को चुनरी ओढ़ाकर सुहाग सामग्री भेंट की गयी। इस अवसर पर लालसोट समाज अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी,डॉ बसंत भृगु,आदिगौड़ ब्राह्मण समाज अध्यक्ष शरद भृगु ,तथा विप्र फाउन्डेशन जिला अध्यक्ष सोनू पटाक,समाजसेवी राजकुमार शर्मा, धनजी जोशी,नंदकिशोर सेवाका, प्रमेन्द्र तिवारी,बिहारी जोशी, आशीष पुरोहित सहित अन्य पदाधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अंजू भृगु,सीमा शिवरतन शर्मा , शिवानी शर्मा,किरण जोशी,मोहिनी चौबे,ऊषा भृगु ,किरण तिवारी ,मणि शर्मा,सुशीला तिवारी,लता शर्मा,बबिता भृगु,आशा पुरोहित,उमा पटाक,मीता शर्मा,वंदना शर्मा,चंद्रकिरण शर्मा,सुलेखा शर्मा ,सुनिता हट्टीका ,रीता चौबे ,साक्षी शर्मा,शशि पांडे,ज्योति शर्मा,पिंकी शर्मा,ममता मादु,योगिता शर्मा,प्रियंका शर्मा चंदा शर्मा, स्नेहिल ओझा सहित विप्र समाज की महिलाएं उपस्थित थी। जिला अध्यक्षा उमा रेखू शर्मा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई व शुभकामनाएं देकर आभार व्यक्त किया है।

संलग्नीकरण खत्म करने की मांग तेज

कवर्धा/नवप्रदेश। स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ छत्तीसगढ़ (कबीरधाम) ने जिले में स्वास्थ्य विभाग में संलग्नीकरण को समाप्त करने की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है।जिला अध्यक्ष गोलू सोनवानी के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया है कि छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत स्वास्थ्य मंत्री द्वारा 12 मार्च 2026 को विधानसभा में यह घोषणा की गई थी कि संचालनालय स्वास्थ्य सेवाओं के तहत मूल पदस्थ संस्थाओं से अन्यत्र संलग्न एवं कार्य व्यवस्था पर कार्यरत चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मियों का संलग्नीकरण समाप्त किया जाएगा।

शिशु संरक्षण माह का विकासखंड स्तरीय शुभारंभ

धरसींवां / कूंरा/नवप्रदेश। 17 मार्च 2026 को, जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मिथिलेश चौधरी जी के निर्देशन में, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धरसींवा में , शिशु संरक्षण माह का विकासखंड स्तरीय शुभारंभ माननीय जनपद अध्यक्षशकुंतला ढिलेंद्र सेन के द्वारा विटामिन ए की सिरप पिलाकर किया गया साथ में जनपद उपाध्यक्ष दिनेश खूंटे , पूजा अश्वनी वर्मा जनपद सदस्य व साहिल खान जी सरपंच ग्राम पंचायत धरसींवा उपस्थित रहे ! इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी , डॉ. विजय कुमार एक्का , डॉक्टर मंजुला भारती चिकित्सा अधिकारी धरसींवा बी के वर्मा , पर्यवेक्षक ,इला सरकार , शकुंतला यादव सेक्टर पर्यवेक्षक सेक्टर धरसींवा व सी एच सी धरसींवा से सभी स्टाफ उपस्थित रहे । शिशु संरक्षण माह का आयोजन 17 मार्च से 21 अप्रैल 2026 तक किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य बच्चों में कुपोषण, एनीमिया और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को रोकना है। इस दौरान 9 माह से 59 माह तक के 20529 बच्चों को विटामिन-ए सिरप और 6 माह से 59 माह तक के 21737 बच्चों को आयरन-फोलिक एसिड सिरप पिलाया जाएगा। इस अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं शिक्षा विभाग के समन्वय से विस्तृत माइक्रोप्लान तैयार किया गया है।

महासमुंद पुलिस ने शुरू किया संवाद व्हाट्सऐप हेल्प डेस्क

■ अब घर बैठे दर्ज करें शिकायत, गुप्त सूचना भी सीधे एसपी तक

महासमुंद/नवप्रदेश। पुलिस और आम जनता के बीच संवाद को सरल और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से महासमुंद जिला पुलिस ने संवाद नाम से एक नई पहल शुरू की है। यह पहल कांकेर पुलिस के शिकायत हेल्प डेस्क अभियान की तर्ज पर लागू की गई है।अब जिले के नागरिक व्हाट्सऐप के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कर सकेंगे या किसी भी अवैध गतिविधि की गुप्त सूचना सीधे पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक पहुंचा सकेंगे। इसके लिए महासमुंद पुलिस ने मोबाइल नंबर 9479229939 जारी किया है। इस नंबर पर Hi, Hello, नमस्ते या Help लिखकर भेजने पर स्वत: एक मैसेज प्राप्त होगा, जिसमें दो विकल्प मिलेंगे। शिकायत दर्ज करें

अवैध गतिविधियों की गुप्त सूचना दें शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया यदि शिकायतकर्ता 2 विकल्प चुनता है, तो उसे अपनी शिकायत की फोटो, पीडीएफ या टाइप करके भेजने का विकल्प दिया जाएगा। शिकायत पूरी होने पर उसे एक शिकायत क्रमांक प्रदान किया जाएगा, जिससे वह अपनी शिकायत की स्थिति भी व्हाट्सऐप पर ट्रैक कर सकेगा।

गुप्त सूचना देने की सुविधा

1 विकल्प चुनने पर उपयोगकर्ता अवैध शराब, गांजा, जुआ, नशे के कारोबार या अन्य आपराधिक गतिविधियों से संबंधित जानकारी साझा कर सकता है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

एआई आधारित चैटबॉट की खासियत

संवाद व्हाट्सऐप हेल्प डेस्क पूरी तरह AI आधारित ऑटोमैटिक सिस्टम पर काम करेगा। शिकायतों को स्वत: 10 श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा। संबंधित थानों को स्वत: भेजा जाएगा। डैशबोर्ड के माध्यम से रियल-टाइम मॉनिटरिंग होगी।

स्टेशन रोड सौंदर्यीकरण के लिए नगर निगम ने हटाया अतिक्रमण

राजनांदगांव/नवप्रदेश। शहर को साफ सुंदर एवं व्यवस्थित रखने अतिक्रमण मुक्त करने एवं सुगम आवागमन के लिए नगर निगम द्वारा शहर में निरीक्षण कर अवैध रूप से कब्जा करने तथा अतिक्रमण कर ठेला खोमचा व पसरा लगाने, नाली के उपर अतिक्रमण करने तथा मलमा रखने वालो को स्वयं अतिक्रमण हटाने समझाईस देने व हटाने निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा द्वारा गठित दस्ता शहर में सुनियोजित अभियान चलाकर कार्यवाही कर रही है। आज की कार्यवाही में स्टेशन रोड सौदर्यीकरण के लिए अभियान चलाकर चबूतरा, शेड, जेसीबी से तोड ठेला गुमटी हटाया गया। आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए शहर को स्वच्छ, साफ एवं सुंदर रखने तथा सौदर्यीकरण करने निगम का अतिक्रमण दस्ता शहर के विभिन्न स्थानों में निरीक्षण कर एवं शिकायत के आधार पर अतिक्रमण स्थल मे जाकर हटाने समझाईस देने के साथ साथ नही हटाने पर कार्यवाही कर रही है।

हिंदू नववर्ष पर भगवामय हुआ शहर, श्रीराम व हनुमान की निकली शोभायात्रा

बिलासपुर/नवप्रदेश। नवरात्रि पर्व के पहले दिन गुरुवार को शक्ति की भक्ती के साथ ही हिंदू नववर्ष को लेकर खासा उत्साह है। हिंदवादी संगठनों और सनातनियों ने पूरे शहर को राममय और भगवा रंग में सजाया है। शाम करीब 4 बजे पुलिस ग्राउंड से शोभायात्रा निकली, जिसमें 17 फीट भगवान श्रीराम, बनारस के हनुमानजी, 10 बग्घियों में सवार देवी मां नजर आई।

वहीं रामधुन मंडली, चलित ऑर्केस्ट्रा, ढोल-बैंड, रामपुर का कर्मा नृत्य, पंथी नृत्य और रावत नाचा से माहौल भक्तिमय रहा। नव विक्रम संवत्सर का 2083 का शुभारंभ 19 मार्च गुरुवार से हुआ। 19 मार्च को शाम 4 बजे पुलिस मैदान से भव्य शोभायात्रा निकली, जो शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए तिलक नगर हनुमान मंदिर पहुंची। यहां महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। पुलिस मैदान से निकलकर सत्यम चौक, अग्रसेन चौक, सीएमडी चौक, राजीव गांधी चौक, शिव टॉकीज चौक, गांधी चौक, जूना बिलासपुर, गोलबाजार, सदर बाजार और देवकी नंदन चौक होते हुए तिलक नगर हनुमान मंदिर पहुंची। यहां महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को 21 क्विंटल प्रसाद वितरित किया गया।

150 वालेंटियर रहे मौजूद

शोभायात्रा की व्यवस्था 150 वालंटियर वॉकी-टॉकी से किए। शोभायात्रा की खास बात यह रही कि इसमें खाटू श्याम की भव्य झांकी भी निकाली गई। इसे फूलों से सजाने के लिए कोलकाता से विशेष कारीगर बुलाए गए थे। खाटू श्याम के साथ निशान लेकर भक्त शोभायात्रा में शामिल हुए, जिन्हें तिलक नगर हनुमान मंदिर में अर्पित किया गया।

भगवा रंग से सजा चौक-चौराहा

शोभायात्रा को लेकर चौक-चौराहों को हिंदूवादी संगठन, सनातनियों के साथ ही डॉक्टर व समाज के लोगों ने भगवा कपड़े से सजाया है। शोभायात्रा की शुरुआत में 20 से अधिक पंडित श्रद्धालुओं को तिलक लगाए। इस वर्ष शोभायात्रा में 17 फीट ऊंची भगवान श्रीराम की प्रतिमा अगुवानी की, वहीं 12 फीट के भगवान गणेश भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहे। इसके अलावा बनारस से भगवान हनुमान की विशेष झांकी लाई गई। शोभायात्रा के साथ 10 बग्घियों में जीवंत झांकियां भी शामिल हुए। कार्यक्रम में तखतपुर का अखाड़ा, रामधुन मंडली, चलित ऑर्केस्ट्रा, ढोल-बैंड, रामपुर का कर्मा नृत्य, पंथी नृत्य और रावत नाचा भी शामिल हुए। साथ ही शोभायात्रा में महारानी लक्ष्मीबाई और महाराणा प्रताप घोड़े पर सवार होकर चलते हुए दिखाई देंगे, जो ऐतिहासिक झांकी का हिस्सा बने।

न्यूज गैलरी

हाइवा की टक्कर से उछलकर पहिए के नीचे आई नाबालिग, मौत

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले में सड़क हादसे में एक नाबालिग लड़की की मौत हो गई। तखतपुर क्षेत्र के पड़रिया के पास दोपहर में तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक में बैठी 16 साल की लड़की उछलकर गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। ग्राम पड़रिया निवासी दिनेश कैवर्त्य का बेटा, बहू और बेटी मानसी कैवर्त्य 16 वर्ष बैंक के काम से तखतपुर आए थे। दोपहर करीब 2 बजे तीनों बाइक से वापस गांव लौट रहे थे। बाइक मानसी का भाई चला रहा था। पड़रिया मोड़ के पास तखतपुर की ओर जा रही हाईवा ने लापरवाही से बाइक को टक्कर मार दी, जिससे तीनों गिर गए। हादसे में मानसी गंभीर रूप से घायल हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने उसे तत्काल तखतपुर स्वास्थ्य केंद्र ले जाने के लिए रवाना किया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हाईवा को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने का केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

बकरी-बकरा चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। सेवार व ग्राम सारधा में 37 नग बकरी-बकरा चोरी करने वाले 2 आरोपियों को चकरभाठा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों द्वारा चोरी की गई संपत्ति - 16 नग बकरा, 15 नग बकरी, 6 नग पीठी सहित 37 नग है जिसकी कीमत 77 हजार रुपए बताई जा रही है। प्रकरण के अन्य आरोपी फरार हैं जिनकी पतासाजी की जा रही है। आरोपियों में हेमराज उर्फ हेमू उर्फ राहुल साहू पिता परस राम साहू उम्र 18 वर्ष निवासी ग्राम चिलहाटी धनुहार पारा स्कूल के पीछे वर्तमान निवास चिंगराजपारा बजरंगबली मंदिर के पास थाना सरकंडा व नजीर खान उर्फ मजीद खान पिता शहीद खान उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम चिलहाटी थाना सरकंडा हैं। पुलिस के अनुसार थाना चकरभाठा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि थाना चकरभाठा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सेवार एवं ग्राम सारधा में कुल 37 नग बकरी बकरा को किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गाया है कि प्रार्थी के उक्त रिपोर्ट पर तत्काल थाना स्तर पर टीम गठित कर आरोपी चोर का पतासाजी किया गया। पतासाजी दौरान घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज चेक कर हुलिए के आधार पर दोनो आरोपी को पृथक पृथक अभिरक्षा में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ किया गया। पूछताछ पर दोनों आरोपी के द्वारा उक्त घटना को अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर अंजाम देना करना स्वीकार किए। प्रकरण में आरोपियों के कब्जे से बकरे को दुकान में काटकर रखे बिक्री रकम 4000 रुपए को जप्त किया गया है। दोनो आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय भेजा जा रहा है।

कलेक्टर ने जनगणना की तैयारियों का लिया जायजा

पहली चरण में 1 मई से शुरू होगी मकानों की गणना, तैयारियां शुरु

बिलासपुर/नवप्रदेश। जनगणना 2026-27 के तहत जिले में मकान गणना का कार्य 01 मई से शुरू होने जा रहा है, जिसके लिए जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। इसी सिलसिले में कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज जिले के सकरी, नेवसा, रतनपुर एवं रानीगांव क्षेत्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जमीनी स्तर पर जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

दौरे के दौरान कलेक्टर ने हाउस लिस्टिंग एवं जनसंख्या गणना से संबंधित की जा रही तैयारियों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। कलेक्टर ने डिजिटल माध्यम से किए जाने वाले डेटा संकलन की तैयारियों की भी जानकारी ली। उन्होंने फील्ड स्तर पर तैनात कर्मचारियों के प्रशिक्षण, तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता तथा कार्य की निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उन्हें जनगणना के महत्व के बारे में अवगत कराया और इसमें सक्रिय सहयोग की अपील की।

जनजागरुकता गतिविधियों में तेजी लाने निर्देश

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनजागरूकता गतिविधियों को और तेज किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इस प्रक्रिया में सहभागिता निभा सकें। साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि नागरिकों की निजी जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखी जाए। जिले में 1 मई से 30 मई तक हाउस लिस्टिंग का कार्य किया जाएगा, जबकि जनसंख्या गणना का कार्य सितंबर 2026 से प्रारंभ होकर मार्च 2027 तक संचालित होगा। जनगणना की तैयारियों के तहत जिला स्तरीय अधिकारियों एवं तहसीलदारों का प्रशिक्षण पूर्ण हो चुका है, जबकि फील्ड स्तरीय अधिकारियों का प्रशिक्षण 23 मार्च से शुरू हो रहा है।

पीएम सूर्यघर योजना में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: कलेक्टर

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन एवं प्रगति की समीक्षा बैठक मंथन सभाकक्ष बिलासपुर में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। इस बैठक में क्रेडाई, कालोनाईजर्स एवं आवासीय वेलफेयर सोसायटी के प्रतिनिधी, बैंकर्स तथा विद्युत कंपनी के अधिकारीगण उपस्थित थे। समीक्षा बैठक में कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि देश में सौर उर्जा के क्षेत्र में तकनीकी क्रांति आ रही है। नई उच्च-दक्षता वाले पैनलों की बदौलत अब कम जगह में ज्यादा बिजली उत्पादन संभव है, जिससे आम नागरिकों के लिए सौर उर्जा अपनाना आसान हो गया है। सोलर पैनल अब न केवल पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि किफायती भी बन गए हैं जो उर्जा स्वतंत्रता की ओर एक मजबूत कदम है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा अधिकतम राशि 1 लाख 8 हजार रूपये तक की भारी सब्सिडी दे रही है, जिससे रूफटॉप पैनल स्थापना की लागत बहुत कम हो गई है। श्री अग्रवाल ने उपस्थित सभी प्रतिनिधियों को उपने-अपने घरों, सोयायटी एवं कॉलोनियों में प्राकृतिक उर्जा का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील की है। उन्होने बताया कि बिलासपुर जिले में 24 हजार सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसके विरूद्ध लगभग 8 हजार लोगों ने रजिस्ट्रेशन भी करा लिया है। वर्तमान में 2500 लोगों के घरों में पीएम सूर्यघर योजना अतंर्गत सोलर पैनल स्थापित कर दिया गया है तथा अन्य आवासों में अतिशीघ्र लगाने के निर्देश भी दिये गये हैं। श्री अग्रवाल ने बैंक प्रतिनिधियों को सहजता के साथ बैंक लोन उपलब्ध कराने तथा उपस्थित अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं।

न्यायिक अधिकारियों का तबादला आदेश जारी

बिलासपुर/नवप्रदेश। चीफ जस्टिस के अनुशंसा पर रजिस्टार जनरल ने प्रदेश के न्यायिक अधिकारियों का तबादला आदेश जारी किया है। जारी सूची के अनुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जांजगीर -चाम्पा शक्ति सिंह राजपूत का अम्बिकापुर सरगुजा, रजिस्टार न्यायिक हाई कोर्ट खिलावन राम रिगरी का प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोंडागाँव, प्रधान जिला एवं सत्र परिवार न्यायालय जांजगीर संघरत्ना भटपहरी का कबीरधाम कवर्धा, जयदीप गर्ग विशेष न्यायाधीश एससी, एसटी कोरबा से जांजगीर चाम्पा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सुमित कपूर एडिशनल रजिस्टार न्यायिक हाई कोर्ट को रजिस्टार न्यायिक स्थापना, द्वितीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमित कुमार कोहली जगदलपुर से एडिशनल डारेक्टर छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी बिलासपुर, सप्तम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिग्विजय सिंह रायपुर से एडिशनल डारेक्टर न्यायिक अकादमी बिलासपुर, अष्टम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमेश कुमार उपाध्याय रायपुर से एडिशनल रजिस्टार न्यायिक हाई कोर्ट, परिवार न्यायाधीश लीलाधर सारथी कवर्धा से विशेष न्यायाधीश एससी, एसटी कोरबा तबादला

किया गया है। इसी प्रकार सिविल जज जूनियर अंकिता अग्रवाल भाटापारा से महासमुंद, कुमारी दिव्या गोयल सक्ती से जशपुर, शैलेश कुमार वशिष्ठ बलरामपुर से दुर्ग, हरषी अग्रवाल राजनांदगांव से जगदलपुर, कुमारी मीनू नंद धमतरी से दंतेवाड़ा, श्रीमती काम्या घरघोड़ा से बलौदाबाजार, सिद्धार्थ आनन्द सोनी कटघोरा से नावगढ़ जांजगीर, तन्मय ब्रहम्म महासमुंद से बिलासपुर, कु श्वेता ठाकुर बचेली से रायपुर, विनय कुमार साहू सरायपाली से धमतरी, कु प्रेरणा वर्मा बिलाईगढ़ से कटघोरा, कु पारुल साय अम्बिकापुर से महासमुंद, कु मिनी ठाकुर रायपुर से घरघोड़ा, कु रिद्धि बुरड़ रायपुर से भाठापारा, ओम चौहान रायपुर से बैकुंठपुर, सिद्धार्थ देवांगन रायपुर से बिलाईगढ़, अंकिता देवदास रायपुर से सक्ती, माला यादव बलौदाबाजार से बेमेतरा, प्रगति गुर्दे रायपुर से महासमुंद एवं सीमा लकड़ा का कोंडागांव से रायपुर तबादला किया गया है।

डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत

गोबरीपाट स्कूल का परीक्षा परिणाम घोषित

- **छात्र-छात्राएं व अभिभावक प्रसन्न नजर आए**

करगी रोड (कोटा)/नवप्रदेश। डीएवी बोर्ड कक्षा आठवीं के लिए बोर्ड परीक्षा का आयोजन करती है। जिसमें डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल गोबरीपाट से 100 प्रतिशत छात्र छात्राओं ने भाग लिया था। जिसका परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में अभिभावक एवं छात्र-छात्राओं ने अपना परीक्षा परिणाम प्राप्त किया। जिसमे प्रथम स्थान पर शुभी पाठक, द्वितीय स्थान पर दामिनी प्रजापति और तृतीय स्थान पर कनिष्का मशराम रहे। अपना प्रगति पत्र प्राप्त करने के बाद अभिभावक एवं विद्यार्थी प्रसन्न नजर आए। अप्रैल 2026 से उन छात्र-छात्राओं की कक्षाएं शुरू होगी। प्राचार्य अमित कुमार ने कक्षा आठवीं का परीक्षा परिणाम देखकर खुशी प्रकट करते हुए कहा कि आकाश की कोई सीमा नहीं होती, आने वाले वर्ष में और भी उत्कृष्टतम परिणाम देने के लिए हमें परिश्रम करते रहना होगा। अन्य कक्षाओं विशेष कर 10वीं,11वीं और 12वीं कक्षा के लिए शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को लगातार उन बच्चों के साथ लगा रहना होगा। अधिक अंक प्राप्त कराने के लिए उन्हें परिश्रम के साथ-साथ दिशा निर्देश देते रहना होगा। यह हम लोगों का पहला उद्देश्य होना चाहिए। साथ ही यह भी कहा कि हमारे विद्यालय में 2026-27 नए प्रवेश प्रारंभ हो चुकी है ।

सुखा नशा और अपराध पर अटल ने मांगा मंत्री से जवाब

बिलासपुर/नवप्रदेश। कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव ने विधानसभा सत्र में प्रदेश में होने वाले सूखे नशे के अवैध कारोबार और किए गए करवाई की जानकारी मांगी । अटल श्रीवास्तव ने गृह मंत्री से प्रसन्न के माध्यम से जानकारी मांगी कि। जनवरी 2024 से 15 फरवरी 2026 तक प्रदेश में ब्राउन शुगर गांजा कप सिरप नशीले इंजेक्शन का होने वाले अवैध कारोबार पर कितने प्रकरण दर्ज किए गए कितने आरोपी गिरफ्तार किए गए और अपराध में कितने नाबालिक एवं महिला शामिल है। अटल श्रीवास्तव के प्रसन्न पर गृह मंत्री ने उत्तर दिया कि प्रदेश में कुल 2876 सुखा नशा का प्रकरण दर्ज किया गया है जिसमें अवैध कारोबार करने वाले 5048 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया जिसमें 85 नाबालिग एवं 326 महिला अपराधी शामिल है।

167.7 एमटी पर पहुंचा एसईसीएल का उत्पादन, पिछले वर्ष के आंकड़े को पीछे छोड़ा

बिलासपुर/नवप्रदेश। साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने वित्त वर्ष 2025-26 में सतत प्रयासों के बल पर उत्पादन, ऑफटेक एवं ओवरबर्डन रिमूवल (ओबीआर तीनों प्रमुख मानकों पर सकारात्मक प्रगति दर्ज की है। उल्लेखनीय है कि एसईसीएल, कोल इंडिया लिमिटेड की सभी अनुषंगी कंपनियों में एकमात्र कंपनी है जिसने पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में इन तीनों मानकों में वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने 18 मार्च को पिछले वित्त वर्ष के कुल कोयला उत्पादन को पार कर लिया है। कुल उत्पादन 167.7 मिलियन टन (एमटी) तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 6 प्रतिशत अधिक है। इस उपलब्धि में एसईसीएल के मेगाप्रोजेक्ट्स का प्रमुख योगदान रहा है। मेगाप्रोजेक्ट्स में गेवरा

परियोजनाः 51.7 एमटी, दीपका परियोजनाः 36.5 एमटी, कुसमुंडा परियोजनाः 30.7 एमटी। अन्य क्षेत्रों का योगदान भी उल्लेखनीय रहा है सेंट्रल इंडिया कोलफील्ड्सः 25.6 एमटी, रायगढ़ क्षेत्रः 15.8 एमटी, कोरबा क्षेत्रः 7.2 एमटी। ओवरबर्डन रिमूवल के क्षेत्र में भी कंपनी ने अब तक 350 मिलियन क्यूबिक मीटर का स्तर हासिल किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि को दर्शाता है जिससे आने वाले समय में कोयला खनन गतिविधियों को गति मिलेगी। ऑफटेक के मोर्चे पर भी एसईसीएल ने प्रगति दर्ज करते हुए दिनांक 17 मार्च 2026 तक 171.3 मिलियन टन का आंकड़ा हासिल कर लिया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 4.5 प्रतिशत अधिक है। इस अवसर पर एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरीश दुहन ने कहा कि एसईसीएल देश की ऊर्जा सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। हमारी प्राथमिकता है कि कोयले की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए राष्ट्र की ऊर्जा आवश्यकताओं को हर परिस्थिति में पूरा किया जाए। हम अपने निर्धारित लक्ष्यों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और शेष अवधि में उत्पादन एवं आपूर्ति को और गति देने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

परीक्षा परिणामः मस्तूरी विकासखंड के सरकारी स्कूलों के बच्चों ने लहराया परचम, नवोदय परीक्षा में मिली बड़ी सफलता

मेहनत और सही मार्गदर्शन से बच्चे भी रचते हैं इतिहासः बीईओ

सीपत/नवप्रदेश। जवाहर नवोदय विद्यालय द्वारा आयोजित कक्षा 6वीं प्रवेश चयन परीक्षा के घोषित परिणाम में विकासखंड मस्तूरी के शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता का परचम लहराया है। सीमित संसाधनों के बावजूद इन विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, लगन और शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह उपलब्धि हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी मस्तूरी शिवराम टंडन के निर्देशन और सतत मार्गदर्शन में विद्यार्थियों की व्यवस्थित तैयारी कराई गई, जिसका सकारात्मक परिणाम अब सामने आया है। इस वर्ष चयनित विद्यार्थियों में शासकीय प्राथमिक शाला भाटापारा लोहरसी से समीर रजक, प्राथमिक शाला अदराली से निवेदिता, प्राथमिक शाला उसलापुर से चंचल बिंझवार, शासकीय प्राथमिक शाला लोढ़ाबोर से आकाश भैना, शासकीय प्राथमिक शाला चिसदा से अमन कुमार पटेल एवं भागवत पैकरा का चयन नवोदय विद्यालय में हुआ है। इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए बीईओ शिवराम टंडन ने कहा कि यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि बच्चों को सही दिशा, समर्पित शिक्षक और सतत मार्गदर्शन मिले, तो शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थी भी किसी से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल की प्रतिभाएं अपार हैं, जरूरत सिर्फ उन्हें तराशने की होती है। उन्होंने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा बनेगी। विद्यार्थियों की इस सफलता पर उनके पालकों, शिक्षकों, प्रधान पाठकों, संकुल शैक्षिक समन्वयकों एवं संकुल प्राचार्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मस्तूरी विकासखंड के शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की यह सफलता न केवल शिक्षा व्यवस्था की मजबूती को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि मेहनत और सही मार्गदर्शन से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की पादुका पूजन कर शुक्ला दंपती ने लिया आशीर्वाद

बिल्हा/नवप्रदेश। परमाराध्य' परमधर्माचार्य उत्तराम्नाय ज्योतिष पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य 'स्वामिश्रीः' अविमुक्तेश्वरानंदः सरस्वती 1008 जी का आज बेमेतरा जिले के ग्राम सलधा स्थित सपाद लक्षेश्वर धाम से नगर पालिका बोदरी (चकरभाठा) एयरपोर्ट से प्रयागराज प्रस्थान पर अल्प समय के लिए भगवान श्री परशुराम भवन मे आगमन हुआ, जंहा समग्र ब्राम्हण समाज एवं समस्त सनातनी जन बोदरी (बिल्हा) के द्वारा आरती - पूजन किया गया। वंही कांग्रेस नेता राजेन्द्र शुक्ला व उनकी पत्नी अनिता शुक्ला ने पादुका पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किये।

सुविचार

खुशी उन्हें नहीं मिलती जो अपनी शर्तों पर जीते हैं, खुशी उन्हें मिलती है जो दूसरों की खुशी के लिए अपनी शर्तें बदल लेते हैं।

दो पाटों के बीच फंसा पाकिस्तान

अमेरिका और ईजराइल ने मिलकर ईरान के खिलाफ जो जंग छेड़ रखी है उसका दुष्परिणाम खाड़ी देशों को भी भुगतना पड़ रहा है। जिसे ईरान अब निशाना बनाना लगा है। सउदी अरब सहित इन खाड़ी देशों मे अमेरिका ने अपने सैनिक अड्डे बना रखे हैं। जिन्हें इरान एक एक करके तबाह कर रहा है और मिडिल ईस्ट से अमेरिका के सैन्य अड्डो को नेस्तनाबूत करने के लिए कसम खाये बैठा है किन्तु अभी तक ईरान ने पाकिस्तान को बख्श रखा है जो अमेरिका का सबसे बड़ा पिट्ठू है। इसके बावजूद ईरान ने अब तक पाकिस्तान के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की है। किन्तु देर सवेर पाकिस्तान को भी ईरान के कहर का सामना करना पड़ सकता है। इसकी वजह यह है कि पाकिस्तान ने दो नावों पर सवारी कर रखी है। वह अमेरिका के हाथों की भी कठपुतली बना हुआ है और खाड़ी देशों का भी हमदर्द बनने का नाट कर रहा है। पाकिस्तान ने हाल ही में सउदी अरब के साथ एक रक्षा समझौता किया था जिसके मुताबिक यदि सउदी अरब पर कोई देश हमला करता है तो उसे पाकिस्तान पर भी हमला माना जाएगा और यदि कोई देश पाकिस्तान पर आक्रमण करता है तो उसे सउदी अरब पर भी आक्रमण माना जाएगा और ये दोनों देश मिलका उसका मुकाबला करेंगे। ईरान ने अब सउदी अरब पर भी बमबारी शुरू कर दी है लेकिन पाकिस्तान उस रक्षा समझौते को रद्दी की टोकरी के हवाले कर चुका है और उसने ईरान के हमले से सउदी अरब को बचाने के लिए कुछ भी नहीं किया। इस बीच अब सउदी अरब ने पाकिस्तान का नाम लेकर ईरान को धमकी दे दी है कि यदि ईरान ने सउदी अरब पर हमले बंद नहीं किये तो वह पाकिस्तान के परमाणु बम का इस्तेमाल करने पर बाध्य हो जाएगा। सउदी अरब के इस बयान से पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ असीम मुनीर के होश उड़ गये हैं। उन्हें लग रहा है कि सउदी अरब के इस बयान के बाद ईरान कहीं पाकिस्तान को भी निशाने पर न ले ले। वैसे भी पाकिस्तान और ईरान के बीच सीमा विवाद को लेकर पुरानी तनातनी चलती आ रही है। कुछ माह पहले जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमला किया था तब अमेरिका ने पाकिस्तान के एयरबेस का इस्तेमाल किया था। यह बात भी ईरान भूला नहीं है। पाकिस्तान के खिलाफ यदि ईरान ने अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की है तो इसकी सबसे बड़ी वजह चीन है क्योंकि चीन का अरबों डॉलर रूपये पाकिस्तान में लगा हुआ है और यदि ईरान पाकिस्तान पर बम बरसाएगा तो चीन को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। यही नहीं बल्कि चीन ईरान को जो सैन्य मदद दे रहा है वही भी पाकिस्तान के रास्ते ही ईरान तक पहुंच रहा है। इसलिए भी ईरान पाकिस्तान के प्रति नरम रूख अपनाए हुए हैं लेकिन कभी भी उसका प्रकोप पाकिस्तान पर भी टूट सकता है और पाकिस्तान दो पाटों के बीच पीस सकता है।

राज्यसभा में एनडीए की बढ़ गई ताकत

राज्यसभा की रिक्त हुई 37 सीटों की चुनाव में एनडीए ने 22 सीटें जीतर राज्यसभा में अपनी ताकत बढ़ा ली है। 245 सदस्यों वाली राज्यसभा में 233 सदस्य चुनकर आते हैं जबकि 12 सदस्यों को राष्ट्रपति मनोनित करते हैं। राज्यसभा में सबसे ज्यादा 103 सदस्य भाजपा के हैं और वह राज्यसभा में सबसे बड़ी पार्टी बनी हुई है। राज्यसभा के चुनाव होने के बाद उसके सदस्यों की संख्या और बढ़ गई है वहीं एनडीए के सदस्यों की संख्या बढ़कर 135 हो गई है। इस तरह अब राज्यसभा में एनडीए को पूर्ण बहुमत मिल गया है। अभी बंगाल और असम सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं उसमें भी यदि भाजपा को सफलता मिलती है तो निकट भविष्य में राज्यसभा की जो सीटें खाली होंगे उसमें भी भाजपा के ज्यादा राज्यसभा सदस्य बनेंगे और कोई बड़ी बात नहीं कि भाजपा अकेले अपने दम पर राज्यसभा में बहुमत प्राप्त कर ले। बहरहाल एनडीए को अब राज्यसभा में स्पष्ट बहुमत मिल जाने के बाद सरकार को अपने उन सभी लंबित बिलों को पास कराने में असानी हो जाएगा जो लंबे समय से लटके हुए थे। लोकसभा में तो एनडीए को पूर्ण बहुमत प्राप्त है किन्तु राज्यसभा में किसी विधेयक को पारित कराने के लिए उसे आईएनडीआईए से बाहर के अन्य दलों का सहयोग लेना पड़ता था। लेकिन अब एनडीए अपने बलबूते पर ही राज्यसभा में ऐसे बिलों को पास कराने में सक्षम हो जाएगा।

एलओपी विरुद्ध एलपीजी: देश में घमासान 'कौन' मचा रहा है?

16 मार्च 2026 को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी विभिन्न मुद्दों को लेकर हंगामा मचाते रहे। भारत अमेरिका व्यापार समझौता, संवैधानिक संस्थाओं पर बार-बार हमले एलपीजी संकट पर आदि मुद्दों पर राहुल के रवैया को अराजक बतलाया है। निश्चित रूप से उनके कुछ मुद्दे विचारणीय हैं जिन पर देशव्यापी विचार-विमर्श व चर्चा होनी चाहिए। राहुल द्वारा लगाए गए आरोपों पर निष्पक्ष जांच की जरूरत है, भले ही राहुल के तरीकों से असहमति क्यों न हो। लेकिन लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि ''असहमति'' को ''सहमति'' के साथ ''संतुलित'' किया जाए, न कि कुतर्क, व्यक्तिगत हमले या ''इतिहास'' के सहारे दबाया जाए।

राजीव खंडेलवाल

दुर्भाग्यवश वर्तमान राजनीति में ''गुण-दोष'' और ''तर्क'' का स्थान ''कुतर्क'' ने ले लिया है।इसी बीच अचानक एक नया 'घमासान' शुरू हो गया। मीडिया में बहस का केंद्र ''एलओपी'' की जगह ''एलपीजी'' ने ले ली।

''वैश्विक संकट का असर: ईरान-अमेरिका-इजराइल''

ईरान-अमेरिका-इजराइल युद्ध के कारण खाड़ी क्षेत्र में तेल और गैस आपूर्ति निश्चित रूप से बाधित हुई है। ''स्ट्रेट ऑफ होर्मुज'' प्रभावित होने से भारत की एलपीजी आयात पर गंभीर असर पड़ा है। भारत अपनी कुल एलपीजी खपत का लगभग 60त्न आयात करता है, जिसमें 85-90 प्रतिशत मध्य पूर्व से आता है। युद्ध के चलते शिपमेंट्स प्रभावित हुई, जिससे कीमतों में बढ़ोतरी हुई और कुछ क्षेत्रों में वितरण में देरी की खबरें भी आईं। एटीएफका बेस प्राइस बढ़ा है। विमानन कंपनियों ने फ्यूल सरचार्ज लगा दिया है।

'' सरकार की त्वरित प्रतिक्रिया और उपाय''

यद्यपि सरकार ने त्वरित कदम उठाए। पेट्रोलियम मंत्रालय ने 8 मार्च 2026 को एलपीजी कंट्रोल ऑर्डर जारी किया, जिसमें सभी रिफाइनरियों को अधिकतम एलपीजी उत्पादन के निर्देश दिए गए। परिणामस्वरूप घरेलू उत्पादन में 30त्न से 35त्न तक की वृद्धि हुई। घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी गई, जबकि व्यावसायिक उपयोगकर्ताओं के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस की ओर बदलने की अपील की गई। सरकार ने स्पष्ट कहा घरेलू स्तर पर कोई कमी नहीं है। आपूर्ति वैकल्पिक स्रोतो से बढ़ाई जा रही है और काला बाजारी-होर्डिंग पर सख्ती से नकेल कसी जा रही है।

'' ई-केवाईसी संशोधन: बुकिंग में नई व्यवस्था ''

सरकार ने एलपीजी बुकिंग को और पारदर्शी बनाने के लिए ई-केवाईसी को अनिवार्य किया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह केवल उन उपभोक्ताओं के लिए है जिन्होंने पहले ई-केवाईसी नहीं

किया है। यदि आप पहले कर चुके हैं, तो दोबारा नहीं करना है। जिन उपभोक्ताओं का अंतिम रिफिल जून 2025 से पहले का है, उन्हें ई-केवाईसी पूरा करने तक सिलेंडर नहीं मिलेगा। ये उपाय डुप्लिकेट कनेक्शन रोकने, सब्सिडी लीकेज रोकने और ब्लैक मार्केटिंग पर अंकुश लगाने के लिए है। ऑनलाइन बुकिंग को बढ़ावा दिया जा रहा है, और डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड कवरेज 53% से बढ़ाकर 72% किया गया है।

'' होर्डिंग पर सख्त कार्रवाई ''

प्रशासन एवं गैस एजेंसी कंपनियों ने देश के विभिन्न हिस्सों में बड़े पैमाने पर छापेमारी की। 16 मार्च 2026 तक 12,000 से अधिक छापे मारे गए और 15,000 से ज्यादा एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, केरल, गोवा, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश आदि राज्यों में प्रमुख कार्रवाई हुई। ये कार्रवाईयां आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत हो रही है, ताकि पैनिक बाइंग और ब्लैक मार्केटिंग रोकी जा सके।

'' संकट की वास्तविकता: अफवाहें या पैनिक बाइंग' '?

मुख्यधारा का मीडिया जो अब तथाकथित 'गोदी मीडिया' के नाम से जाना जाता है, आश्चर्यजनक रूप से लंबी-चौड़ी लाइनों की तस्वीरें दिखा रहा है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, पुणे, बेंगलुरु और गोवा जैसे शहरों में गैस एजेंसियों के बाहर भीड़ दिखाई दे रही है। परंतु सवाल उठता है, यह संकट कितना वास्तविक है? या अफवाहों और पैनिक बाइंग का? सामान्य प्रक्रिया यही है कि जब सिलेंडर खाली होता है, तभी रिफिल कराया जाता है। दो-तीन सिलेंडर रखने वाले उपभोक्ता भी तभी जाते हैं जब जरूरत पड़ती है। इसलिए लंबी लाइनों के बावजूद 'संकट' को ''अफवाह'' बताना तथ्यों से ''अनाचार'' है। सरकार का सूचना तंत्र लगातार आश्वासन दे रहा है कि निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। सवाल यह है कि आपूर्ति श्रृंखला टूट कहां रही है? सरकार को स्थानीय वितरण नेटवर्क, ट्रांसपोर्ट और एजेंटों की भूमिका की जांच करनी चाहिए।

एलपीजी संकट वि. एलओपी मुद्दे: मीडिया और संसद में बदलाव

''एलपीजी'' का यह संकट ''एलओपी'' के मुद्दों से कहीं बड़ा घमासान मचा रहा है। राहुल गांधी और विपक्ष के अन्य मुद्दे मीडिया से ''गायब'' होकर ''नैपथत्य'' मे चले गए हैं। अब संसद में भी एलपीजी मूल्यवृद्धि और आपूर्ति पर ही हंगामा हो रहा है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन जब वैश्विक संकट रसोई तक पहुंच जाता है, तो प्राथमिकता बदल जाती है।

'' निष्कर्ष और सुझाव' '

देश के 33 करोड़ से अधिक घरेलू उपभोक्ताओं की रसोई को कोई संकट नहीं पहुंचना चाहिए यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पैनिक बाइंग रोकने, काला बाजारी पर अंकुश लगाने और वैकल्पिक ऊर्जा को बढ़ावा देने की जरूरत है। मीडिया को जिम्मेदारी दिखानी चाहिए। तथ्यों पर आधारित रिपोर्टिंग करनी चाहिए। आखिर भाजपा के लाखों कार्यकर्ता आज हैं कहां? वे क्यों नहीं जनता के बीच जाकर समस्या का समाधान निकालने में सहायक हो रहे हैं? सरकार को आपूर्ति श्रृंखला मजबूत करने के साथ-साथ जनता को सही जानकारी देकर भ्रम दूर करना चाहिए। तभी ''एलपीजी बनाम एलओपी'' का यह घमासान शांत होगा और देश की प्रगति पर ध्यान केंद्रित रहेगा।

रियाद बैठक के बाद के सवाल और मध्य-पूर्व का भू-राजनीतिक परिदृश्य

महेन्द्र तिवारी

मध्य-पूर्व का भू-राजनीतिक परिदृश्य आज एक ऐसे नाजुक मोड़ पर खड़ा है, जहाँ शांति की आशाएँ धुंधली पड़ती जा रही हैं और बारूद की गंध हवाओं में घुलने लगी है। 18 और 19 मार्च 2026 को रियाद की धरती पर आयोजित अरब और इस्लामी देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक केवल एक औपचारिक राजनयिक आयोजन नहीं थी, बल्कि यह उस गहरे असंतोष और आसन्न खतरे की गूँज थी, जिसने पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया है। इस बैठक का आयोजन उस समय हुआ जब खाड़ी के आसमान में मिसाइलों की गर्जना और ड्रोन की सायरन जैसी आवाजें सामान्य होती जा रही हैं। सऊदी अरब के विदेश मंत्री द्वारा दिया गया यह बयान कि अब ईरान पर भरोसा करने का समय समाप्त हो चुका है, वैश्विक राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है।

यह केवल एक कड़ा शब्द नहीं था, बल्कि दशकों से चली आ रही उस छद्म कूटनीति के अंत की घोषणा थी, जिसमें ऊपर से सुलह के प्रयास होते थे और भीतर ही भीतर अविश्वास की खाई गहरी होती जा रही थी। सऊदी नेतृत्व का अब यह खुलकर कहना कि वे सैन्य विकल्प अपनाने से पीछे नहीं हटेंगे, यह दर्शाता है कि अब धैर्य की सीमाएँ टूट चुकी हैं और मध्य-पूर्व एक ऐसे सक्रिय ज्वालामुखी के मुहाने पर है, जिसका विस्फोट पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को तहस-नहस कर सकता है।

इस तनाव की तात्कालिक जड़ें 28 फरवरी 2026 की उस घटना में निहित हैं, जिसने आधुनिक विश्व इतिहास के एक नए और भयावह अध्याय की शुरुआत की। जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का मोर्चा खोला, तो उसके प्रतिघात में ईरान ने जिस आक्रामकता का परिचय दिया, उसने सुरक्षा के तमाम दावों को खोखला साबित कर दिया। ईरान की जवाबी कार्रवाई केवल सैन्य ठिकानों तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे देशों को भी अपनी चपेट में ले लिया। 18 मार्च की शाम रियाद की ओर दागी गई चार बैलिस्टिक मिसाइलें, जिन्हें सऊदी एयर डिफेंस ने सफलतापूर्वक नष्ट तो कर दिया, इस बात का जीवंत प्रमाण थीं कि अब युद्ध किसी दूर देश की सीमा पर नहीं, बल्कि राजधानी के दरवाजे पर खड़ा है। यह घटना कोई संयोग मात्र नहीं थी, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा थी, जिसका उद्देश्य खाड़ी देशों की सुरक्षा संप्रभुता को चुनौती देना और वैश्विक ऊर्जा बाजार में डर का माहौल पैदा करना था। रियाद में जुटी 12 से अधिक देशों की मंडली ने जिस तरह से एक सुर में ईरान की निंदा की, वह इस बात का संकेत है कि अब क्षेत्रीय समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। अब यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच का नहीं रह गया है, बल्कि यह एक सामूहिक क्षेत्रीय संकट में तब्दील हो चुका है। ईरान द्वारा कतर के रास लाफन जैसे महत्वपूर्ण ऊर्जा संयंत्रों और अन्य नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाना एक ऐसा कृत्य है, जिसे न केवल सैन्य हमला माना

जा रहा है, बल्कि इसे एक 'आर्थिक आतंकवाद' के रूप में देखा जा रहा है। खाड़ी क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा की जीवन रेखा है और इस जीवन रेखा पर किया गया हर प्रहार वैश्विक अर्थव्यवस्था के हृदय की धड़कन को अस्थिर कर देता है। ब्रेंट क्रूड की कीमतों का 110 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुँच जाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि दुनिया अब एक भीषण महंगाई और आर्थिक मंदी के दौर की ओर बढ़ रही है। विकासशील देशों के लिए यह स्थिति और भी चिंताजनक है, क्योंकि उनकी पूरी अर्थव्यवस्था तेल के आयात और ऊर्जा की स्थिरता पर टिकी होती है। सबसे खतरनाक पहलू यह है कि यह संकट अब केवल स्थल और आकाश तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समुद्र की लहरों पर भी इसका गहरा साया है। होर्मुज जलडमरूमध्य, जिसे दुनिया के तेल परिवहन का गला माना जाता है, अब युद्ध का मुख्य केंद्र बनता जा रहा है। दुनिया के कुल तेल परिवहन का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा इसी संकरे मार्ग से होकर गुजरता है। यहाँ जहाजों की आवाजाही में आई भारी गिरावट और जहाजों को हटाने के देशों के फैसलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक व्यापारिक सुरक्षा अब दांव पर है। यदि यह मार्ग लंबे समय तक बाधित रहता है, तो इसकी परिणति केवल ऊँची कीमतों में नहीं, बल्कि आपूर्ति श्रृंखला के पूरी तरह से टूट जाने में होगी, जिसका प्रभाव दवाओं से लेकर खाद्य पदार्थों तक हर जरूरी वस्तु पर पड़ेगा। यह एक ऐसा मानवीय संकट पैदा कर सकता है, जिसकी कल्पना भी डरावनी है। सऊदी अरब का बदलता रुख इस पूरे परिदृश्य का सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक मोड़ है। पिछले कुछ वर्षों में, विशेषकर चीन की मध्यस्थता के बाद, सऊदी अरब और ईरान के बीच संबंधों में सुधार की जो धीमी बयार चली थी, वह अब तूफानी अविश्वास में बदल चुकी है। सऊदी नेतृत्व, जो कभी रक्षात्मक रुख अपनाने और कूटनीति के माध्यम से मुद्दों को सुलझाने का पक्षधर था, अब आक्रामक रणनीति की बात कर रहा है। यह बदलाव केवल नेतृत्व की इच्छाशक्ति का परिणाम नहीं है, बल्कि यह उन सुरक्षा चुनौतियों का जवाब है जो सीधे तौर पर उनकी संप्रभुता को चुनौती दे रही हैं। दूसरी ओर, ईरान की रहस्यमयी चुप्पी भी कम खतरनाक नहीं है। कूटनीति में 'मौन' का अर्थ अक्सर अगले बड़े प्रहार की तैयारी माना जाता है। क्या ईरान अंतरराष्ट्रीय दबाव के सामने झुकने को तैयार है, या वह अपनी 'प्रॉक्सि' सेनाओं के माध्यम से इस युद्ध को और अधिक विस्तृत करने की योजना बना रहा है, यह आने वाले कुछ ही दिनों में स्पष्ट हो जाएगा।

वैश्विक शक्तियों की भूमिका ने इस स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया है। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन का स्पष्ट रूप से इजरायल के पक्ष में खड़ा होना और सऊदी अरब के साथ रक्षा सहयोग को नया विस्तार देना, एक ओर जहाँ क्षेत्रीय देशों को सुरक्षा का आश्वासन देता है, वहीं दूसरी ओर संघर्ष के दायरे को और अधिक खींच देता है। अमेरिका की यह नीति कि वह संघर्ष को नियंत्रित करने के बजाय रणनीतिक रूप से संतुलित करने की कोशिश कर रहा है, आग को बुझाने के बजाय उसे एक निश्चित दिशा में मोड़ने जैसा है।

सद्गुरू बोधामृतम्

सदगुरू ऋतेश्वर

◆ तुम जब तक दूसरों के मन को अपने पक्ष में करने का प्रयत्न करते रहोगे तब तक तुम भिखारी की तरह दु:खी रहोगे और जिस दिन तुम्हें यह समझ में आ गया मैं अपने मन की बात करता हूं, लोग अपने मन की बात करते हैं, मुझे मौज में रहना है, उन्हें अपनी मौज में रहना है, तो आप सु:खी हो जाओगे।

आज का इतिहास

नई दिल्ली वार्ता। 1739 नादिरशाह ने दिल्ली सल्तनत पर कब्ज़ा किया। मयूर सिंहासन के गहने चोरी किये और उन्होंने दो महीने तक दिल्ली में लूटमार की थी। 1800 : अलेसांद्रों वोल्टा ने इलेक्ट्रिक बैटरी की खोज के बारे में सूचना दी। 1970 संविधान सभा के सदस्य और प्रसिद्ध हॉकी खिलाड़ी जयपाल सिंह मुंडा का निधन। 1990 अर्धरात्रि में नामीबिया की स्वतंत्रता की घोषणा। 1991 बेगम ख़ालिदा जिया बांग्लादेश की राष्ट्रपति निर्वाचित। 1999 प्रख्यात ब्रिटिश अमूर्त चित्रकार पैट्रिक हेरोन का निधन। 2002 नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा 6 दिवसीय यात्रा पर भारत पहुँचे, जिम्बाब्वे राष्ट्रमंडल से निलम्बित। 2003 इराक पर अमेरिकी हमला शुरू। 2006 - अफ़ग़ानिस्तान के विदेश मंत्री ने दावा किया कि ओसामा बिन लादेन पाकिस्तान में है। 2009 न्यायमूर्ति चन्द्रमौली कुमार प्रसाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मूख्य न्यायधीश नियुक्त हुए। 1966 अलका याग्निक, भारतीय गायक। 2006 अफ़ग़ानिस्तान के विदेश मंत्री ने दावा किया कि ओसामा बिन लादेन पाकिस्तान में है।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

हमारे अयोध्या धाम में इस वक्त खाने की चीजें मंहगी कर दी हैं कोई बीस रुपए में चार पानी के बतासे दे रहा है वो भी छोटे छोटे आटे वाले, कोई समोसे पंद्रह रुपए में तो गुझिया तीस रुपए में।थाली भोजन में भी क्वालिटी नहीं और मात्रा भी कम।ऊपर से आटो वालों का मनमाना किराया अलग। आज आते समय कुछ यात्रियों को ऐसे बातें करते सुना, परेशान देखा।दुख हुआ। बहुत दूर दूर से लोग आते हैं ध्यान रखना चाहिए। प्रशासन ध्यान दें। सादर निवेदन। - **रिता पांडेय**

ज़िन्दगी हँसे किसी पे, किसी पे रोती है, विश्वास हो तो हर बाज़ी भी होती है सोच में उलझे रहो तो ये छलावा लगे, हर मोड़ पे बस एक नया बहाना लगे, जो दिल से इसे छू ले, वही जान पाए– ये कभी हँसी, तो कभी ज़ख्मों का साया लगे पर जो थामे रहे भरोसे का हाथ, उसी के लिए ये जीत की होती है ज़िन्दगी हँसे किसी पे, किसी पे रोती है।

- **चिन्मय शुक्ल**

कई कई बार मुझे वो आश्चर्यचकित कर जाता है चुप रहकर ,खामोशी से शिद्दत से प्यार निभाता है कभी मल्लिका तो कभी मुझे शहजादी समझता है मेरे कदम रखने से पहले रास्ता फूलों से भर जाता है।

- **मीता खुराना**

खोया अपना रंग है, बनी नही पहचान। दूजों की करके नकल, ढूंढ रहा था मान। ढूंढ रहा था मान, दिखावा तुझको भाया। मौलिकता को छोड़, रंग अपना बिसराया। माया में फंस नील, रहा हरदम ही सोया। अंदर जाना छोड़, रहा बाहर ही खोया।।

- **सुनिल शर्मा नील**

बात बिगड़ी सँवारता है कोई बीते कल को बुहारता है कोई आजकल हैं सुकून की नींदें ख़्वाब में आ दुलारता है कोई बिन कहे ही समझ वो जाते हैं दो दिलों की जो वार्ता है कोई कैसे कब ठेस दिल को लगती है कब कहाँ ये विचारता है कोई जिसके बूते चढ़ा था सर पे ये इश्क़ वो ही उतारता है कोई ये हुनर है मेरी क़लम का नहीं मेरा लिक्खा सँवारता है कोई पूछिये मत सबब इबादत का 'पुष्प' को क्यों निहारता है कोई।

- **पुष्प सैनी 'पुष्प'**

थक गई मैं खुद को बदलते बदलते। मायके ने चाहा चंचल और जिम्मेवार हो बिटिया, ससुराल ने चाहा चुप सहनशील कामवाली बहुरिया ,बच्चों ने चाहा लविंग केयरिंग और स्मार्ट हो मम्मा, सहेलियों ने मुझे दबंग,मुखर, हंसमुख ही अपनाया नहीं होती वो तो भुला देती क्या हूं सच में मैं।

- **इंदु वत्स**

उम्र भर की बेबसी से थक गया है ज़िन्दगी से कौन अपना है पराया पूछ लो तुम भी खुदी से उसके मन पर क्या है गुजरी तुमने पूछा आदमी से फीस बेटे की गयी थी ब्याज पर लाया किसी से अपना उसको कहके देखो मर वो जाएगा खुशी से।

- **मित्र ग़ाज़ियाबादी**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज के दिन आपके साथ किसी अन्य के भरोसे रहने के कारण धोखा हो सकता है। आवश्यक कार्यो में ही लापरवाही करने से हानि होगी। घर एवं बाहर का वातावरण विपरीत रहेगा।

वृष: आपका आज का दिन भी शुभफलदायक रहेगा। सेहत उत्तम बनी रहेगी। कार्यो को पूर्ण निष्ठा से करेंगे थोडी बहुत लापरवाही भी कर सकते है फिर भी लाभ के अवसर हाथ से नहीं निकलने देंगे।

मिथुन: आज का दिन आपके लिये सफलता दायक रहेगा। नौकरी अथवा व्यवसाय में आशा के अनुकूल कार्य होने से अन्य लोगो से बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

कर्क: आज का दिन बीते कुछ समय से बेहतर रहेगा। स्वास्थ्य अनुकूल बने रहने से कार्यो के प्रति अधिक गंभीर रहेंगे। प्रातः काल से ही अधूरे पड़े कार्यो को पूर्ण करने में जुट जाएंगे। आर्थिक रूप से भी आज का दिन सहायक रहेगा।

सिंह: स्वास्थ्य सम्बंधित विषयो को छोड़ आज का दिन सामान्य रहेगा। शारीरिक रूप से शिथिल रहने के कारण कार्य व्यवसाय में मन कम ही लगेगा फिर भी मध्यान के आस-पास आकस्मिक धन आगम होने से खुशी मिलेगी।

कन्या: आज का दिन कार्य व्यवसाय के लिए उत्तम रहेगा फिर भी उधारी के व्यवहार यथा संभव ना ही करे अन्यथा धन निश्चित रूप से फंसेगा। परिजनों का सहयोग मिलेगा।

तुला: आज का दिन उतार चढ़ाव वाला रहेगा। स्वभाव में थोड़ा क्रोध रह सकता है फिर भी दैनिक कार्यो में इसका असर नहीं पड़ेगा। आज आप यथार्थ पर कम अमल करेंगे।

वृश्चिक: आज परिस्थितियां बदलने से दिनचर्या में भाग-दौड़ लगी रहेगी। पूर्वनियोजित कार्यक्रमो में भी बदलाव करना पड़ सकता है। विवेक से कार्य करें।

धनु: आपका आज का दिन सामान्य रहेगा। प्रातः काल के समय किसी प्रियजन से विवाद होने के कारण दिन भर की क्रियाएं अस्त-व्यस्त रहेंगी। मानसिक रूप से भी अशान्त रहेंगे। मन की दुविधा कार्यो में बाधा डालेगी।

मकर: आज के दिन भी आपकी इच्छाओ के विपरीत कार्य होने से निराश रहेंगे। घर एवं कार्य क्षेत्र के अंदरूनी मामलो को लेकर दुविधा में फंस सकते है। व्यर्थ की बहस से बचें।

कुंभ: आज के दिन आप धैर्य धारण करेंगे। संतोषी वृति रहने के कारण भाग-दौड़ से दूर रहेंगे। आपके विचार उच्च कोटि के रहेंगे परन्तु स्वयं के ऊपर इन्हें लागू करने में असमर्थ होंगे।

मीन: आज के दिन आपके मस्तिष्क में विचारो की भरमार रहेगी स्वभाव में भी पल पल में परिवर्तन आएगा जिस कारण अन्य व्यक्ति आपके बारे में गलत धारणा रख सकते है।

QUIZ TIME

1) कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड डी. देवराज उर्स को पीछे छोड़कर किसने बनाया?

2) रौलाने उत्सव मुख्य रूप से किस राज्य में मनाया जाता है?

3) किस राज्य सरकार ने हाथियों की निगरानी और मानव-हाथी संघर्ष रोकने के लिए गज रक्षक ऐप लॉन्च किया है?

4) किस राज्य ने पहला नॉर्थईस्ट इंडिया ऑर्गेनिक वीक आयोजित किया था?

5) भारतीय सेना की पहली महिला पायलट कौन बनी जिन्हें रुद्र सशस्त्र हेलीकॉप्टर उड़ाने की योग्यता मिली?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) सिद्धारमैया (2) हिमाचल प्रदेश (3) मध्य प्रदेश (4) मेघालय (5) हंसजा शर्मा

पहेली

शब्द सामर्थ्य -347

रायपुर रेलवे का 'ऑपरेशन क्लीन', रातभर चला सीक्रेट मिशन

■ 5 अवैध वेंडर गिरफ्तार, नकली पानी का जखीरा और क्विंटल भर माल जब्त

रायपुर/नवप्रदेश। रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में यात्रियों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले अवैध वेंडरों के खिलाफ रायपुर रेल मंडल ने स्ट्राइक की है। सीनियर डीसीएम अवधेश कुमार त्रिवेदी के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग ने 'सीक्रेट अभियान' चलाकर स्टेशन पर दबिश दी। 18 घंटे तक चली इस ताबड़तोड़ छापेमारी में 5 वेंडरों को गिरफ्तार किया गया है।

किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं होगी अनियमितता: सीनियर डीसीएम

सीनियर डीसीएम अवधेश कुमार त्रिवेदी ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण खानपान रेलवे की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध वेंडिंग और अनुशासनहीनता के खिलाफ यह गोपनीय अभियान आगे भी जारी रहेगा। स्टेशनों पर केवल अधिकृत वेंडरों को ही सामान बेचने की अनुमति है। बिना बुकिंग के पार्सल या लगेज ले जाने वालों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है।

यह अभियान 17 मार्च की दोपहर 2:00 बजे शुरू हुआ और 18 मार्च की सुबह 8:00 बजे तक लगातार चला। टीम ने विशेष रूप से रात के समय गुजरने वाली ट्रेनों को टारगेट किया, जहां अक्सर अवैध वेंडरों की सक्रियता बढ़ जाती है।

अभियान के बड़े नतीजे

5 वेंडर गिरफ्तारः अवैध रूप से सामान बेच रहे 5 वेंडरों को पकड़कर [illegible] के हवाले किया गया। इन पर रेलवे एक्ट की धारा 144 और 147 के तहत केस दर्ज किया गया है। ट्रेनों की जांच के दौरान अनधिकृत ब्रांड की 456 रेल नीर की बोतलें मिलीं। इन्हें जब्त कर पार्सल विभाग को सौंप दिया गया है। बिना बुक सामान पर जुर्मानाः चेकिंग के दौरान 2 क्विंटल ऐसा सामान पकड़ा गया जिसकी बुकिंग (लगेज बुकिंग) नहीं कराई गई थी।

न्यूज गैलरी

दुकान में घुसकर महिला से गैंगरेप की धमकी, 3 पर केस

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में महिला दुकानदार के साथ मारपीट और गंभीर धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने डेयरी संचालक और उसके दो कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गांधी नगर शंकर नगर सेक्टर-2 निवासी इंद्राणी साहू अपने पति के साथ अंडे की दुकान संचालित करती हैं। आरोप है कि पास की डेयरी के संचालक नावेद और उसके कर्मचारी आए दिन महिलाओं से दुर्व्यवहार करते थे। 11 मार्च की रात करीब 8 बजे आरोपी नावेद अपने कर्मचारियों फाजील और शुक्ला के साथ दुकान पहुंचा और महिला से बदतमीजी करने लगा। विरोध करने पर दोनों कर्मचारी दुकान के भीतर घुस गए और मारपीट की, जिससे महिला के कपड़े फट गए। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने उसे जान से मारने और गैंगरेप कराने की धमकी भी दी। घटना के समय उसका पति दुकान पर मौजूद नहीं था। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

3 माह का चावल साथ मिलेगा, 31 तक चावल दुकानों में पहुंचाना होगा

रायपुर/नवप्रदेश। इस साल राज्य सरकार की ओर से लगातार राशन कार्डधारियों को कई महीनों का चावल एक साथ बांटा जा रहा है। फरवरी-मार्च का चावल एक साथ बांटने के बाद अब खाद्य संचालनालय ने अप्रैल, मई व जून का चावल एक साथ बांटने का आदेश जारी किया है। राज्य के सभी कलेक्टरों और नागरिक आपूर्ति निगम के अफसरों से कहा गया है कि वे तीन माह का चावल एक साथ राशन दुकानों में हर हाल में 31 मार्च तक पहुंचा दें। 1 अप्रैल से राशन कार्ड वालों को तीन माह का चावल एक साथ बांटा जाएगा। आदेश में यह भी कहा गया है कि सभी लोगों को राशन 30 अप्रैल तक बांट दिया जाए। जिन लोगों को तय तारीख तक राशन नहीं मिल पाएगा उन पर फैसला बाद में राज्य सरकार लेगी। खाद्य संचालनालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार प्रदेश के सभी अन्त्योदय, प्राथमिकता निराश्रित, निशक्तजन राशन कार्डधारियों को अप्रैल से जून 2026 तक का चावल एक साथ बांटा जाएगा। लेकिन एपीएल परिवारों यानी सामान्य राशन कार्ड वालों को केवल अप्रैल माह का चावल दिया जाएगा। सामान्य राशन कार्ड वालों को चावल तथा अन्य राशन सामग्री शक्कर, नमक आदि का वितरण नागरिक आपूर्ति निगम में स्टॉक की उपलब्धता के आधार पर अप्रैल से जून के दौरान अलग-अलग माह में होता रहेगा। सभी राशन दुकानदारों से सख्ती से कहा गया है कि वे अंत्योदय प्राथमिकता, निराश्रित, निशक्तजन राशन कार्ड वालों को सूचना देने के साथ ही राशन दुकानों के बाहर सूचना चस्पा करेंगे कि उन्हें तीन माह का चावल एक साथ मिलेगा।

नशे में ड्यूटी करते जीआरपी जवान का वीडियो वायरल, निलंबित

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी के दौरान शराब के नशे में पाए गए जीआरपी जवान मोहित मरकाम को निलंबित कर दिया गया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जांच शुरू की है। जानकारी के अनुसार, जवान नशे की हालत में स्टेशन परिसर में एक ई-रिक्शा में बैठा था। इसी दौरान एक वाहन के रिवर्स होने पर ई-रिक्शा से हल्की टक्कर हो गई। इसके बाद जवान ने मौके पर मौजूद यात्रियों के साथ बदतमीजी की। वहां मौजूद लोगों ने पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। जीआरपी आरआई रामप्रसाद पैकरा के मुताबिक, मोहित मरकाम 3 से 16 मार्च तक बिना सूचना के अनुपस्थित था और मंगलवार को ड्यूटी पर लौटा था। उसे स्टेशन ड्यूटी पर तैनात किया गया था। वीडियो सामने आने के बाद प्रारंभिक जांच में उसे दोषी पाते हुए निलंबित कर दिया गया है।

रायपुर स्टेशन पर पानी की अवैध बिक्री, पांच वेंडर गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर रेलवे स्टेशन पर अवैध पानी बिक्री और अनधिकृत वेंडरों के खिलाफ रेलवे ने बड़ा अभियान चलाया। 18 घंटे तक चली कार्रवाई में 5 वेंडरों को पकड़कर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के हवाले किया गया, जबकि 456 अवैध ब्रांड की पानी की बोतलें जब्त की गईं। रेलवे प्रशासन ने 17 मार्च दोपहर 2 बजे से 18 मार्च सुबह 8 बजे तक विशेष जांच अभियान चलाया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी के मार्गदर्शन में टीम ने स्टेशन के साथ-साथ गुजरने वाली ट्रेनों में सघन जांच की। खासतौर पर रात की ट्रेनों पर फोकस रखा गया, जहां ऐसे वेंडर अधिक सक्रिय पाए गए। कार्रवाई के दौरान पकड़े गए वेंडरों के खिलाफ रेलवे एक्ट की धारा 144 और 147 के तहत केस दर्ज किया गया है। इसके अलावा करीब 2 क्विंटल बिना बुक किया गया सामान भी मिला, जिस पर 2500 रुपए का जुर्माना लगाया गया। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों को सुरक्षित और मानक गुणवत्ता का खानपान उपलब्ध कराने के लिए ऐसे अभियान जरूरी हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी को आजीवन कारावास

रायपुर/नवप्रदेश। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में विशेष पॉक्सो कोर्ट ने आरोपी मो. रहमत अंसारी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। प्रथम फास्ट ट्रैक विशेष न्यायाधीश अच्छेलाल काछी की अदालत ने सुनवाई पूरी होने के बाद यह फैसला दिया। विशेष लोक अभियोजक डालेश्वर प्रसाद साहू के अनुसार, पीड़िता 26 दिसंबर 2022 को रायपुर आई थी। आरोपी ने मोबाइल पर संपर्क कर उसे मिलने के लिए बुलाया और घुमाने के बहाने रेलवे स्टेशन ले गया।

रायपुर में नहीं मिल रहे कमर्शियल सिलेंडर

■ मंदिर समितियों की बढ़ी चिंता, नवरात्रि में कैसे होगा भंडारे का आयोजन

रायपुर/नवप्रदेश। गैस एजेंसियों में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की मारामारी अभी भी बनी हुई है। होटल, रेस्टोरेंट सहित अन्य व्यावसायिक सहित विविध कार्यक्रमों में उपयोग के लिए कमर्शियल सिलेंडर नहीं दिए जा रहे हैं, जिसके कारण नवरात्रि में भंडारा कराने वाली मंदिर समितियों की चिंता बढ़ गई है। हालांकि कई मंदिर समितियां कमर्शियल सिलेंडरों की किल्लत को देखते हुए इलेक्ट्रानिक चूल्हा या लकड़ी चूल्हा से भंडारा के लिए भोजन बनाने की तैयारियों में जुट गई हैं।

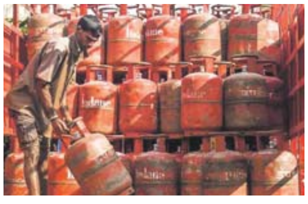

घरेलू गैस सिलेंडरों की भी मारामारी, लग रही लंबी कतारें

घरेलू गैस सिलेंडर के लिए भी गैस एजेंसियों में मारामारी जारी है। बुकिंग के आधार पर ही उपभोक्ताओं को सिलेंडर दिए जा रहे हैं, लेकिन बुकिंग कराने में ही उपभोक्ताओं के पसीने छूट रहे हैं। ऑनलाइन बुकिंग नहीं होने के कारण गैस एजेंसियों के दफ्तरों में उपभोक्ताओं की लंबी कतारें लग रही हैं। ज्यादातर गैस एजेंसियों के दफ्तर में लोग खाली सिलेंडर लेकर पहुंच रहे हैं, ताकि पर्ची कटते ही वे भरा सिलेंडर ले सकें।

अभी नहीं पहुंची कमर्शियल सिलेंडरों की खेप

केंद्र सरकार और ऑयल कंपनियों के दिशा-निर्देश के तहत छत्तीसगढ़ में उपभोक्ताओं की खपत के अनुसार कमर्शियल गैस सिलेंडरों का 20 प्रतिशत होटल, रेस्टोरेंट सहित अन्य व्यवसाय तथा आम लोगों को प्रदान करने पर सहमति बनी है, लेकिन राजधानी रायपुर में संचालित गैस एजेंसियों में अब तक को भी आम उपभोक्ताओं को कमर्शियल गैस सिलेंडर प्रदाय नहीं किए गए। एजेंसियों में कार्यरत कर्मचारियों का यहीं कहना है कि उपभोक्ताओं को प्रदाय करने के लिए कमर्शियल गैस सिलेंडरों का स्टॉक नहीं पहुंचा है। स्टॉक आने पर ही वे प्रदाय कर पाएंगे।

इलेक्ट्रानिक चूल्हा या लकड़ी से बनेगा भंडारे का भोजन

चैत्र नवरात्रि गुरुवार से प्रारंभ हो रही है। नवरात्रि में अष्टमी से जगह-जगह मंदिरों में भंडारा आयोजन का सिलसिला शुरू हो जाएगा। भंडारा के लिए भोजन बनाने के लिए गैस सिलेंडरों का उपयोग किया जाता है, लेकिन इस बार सिलेंडरों की किल्लत ने समितियों की चिंता बढ़ा रखी है। कई मंदिर समितियां तो गैस सिलेंडरों की जगह इलेक्ट्रानिक चूल्हा या फिर लकड़ी चूल्हा से भोजन कराने की तैयारियों में जुट गए हैं। टिकरापारा नंदी चौक स्थित मां काली मंदिर समिति के विकास साहू ने बताया कि सिलेंडर नहीं मिलेगा, तो लकड़ी चूल्हा से भंडारा के लिए भोजन तैयार कराएंगे।

सदन में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल विधेयक-2026 पारित

आवास और अधोसंरचना विकास को मिलेगी नई गति

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य में आवासीय और शहरी अधोसंरचना विकास को व्यापक स्वरूप देने के उद्देश्य से वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल अधिनियम, 1972 (संशोधन) विधेयक 2026 को विधानसभा में ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। यह संशोधन मंडल की भूमिका को विस्तार देते हुए उसे एक आधुनिक और बहुआयामी इंफ्रास्ट्रक्चर एजेंसी के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सदन में जानकारी देते हुए वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने बताया कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल का गठन मूलतः मध्यप्रदेश गृह निर्माण मंडल अधिनियम, 1972 के तहत किया गया था। राज्य गठन के बाद यह संस्था प्रदेश में आवासीय योजनाओं, नगरीय अधोसंरचना और किफायती आवास उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में मंडल द्वारा लगभग 3,050 करोड़ रुपये की लागत से 78 नई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। राज्य शासन द्वारा 735 करोड़ रुपये का ऋण भुगतान कर मंडल को ऋणमुक्त किया गया है। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 2,000 ईडब्ल्यूएस आवासों के निर्माण को स्वीकृति मिली है। मंत्री श्री चौधरी ने बताया कि 650 करोड़ रुपये से अधिक की 6 रिडेवलपमेंट परियोजनाओं की डीपीआर तैयार हो चुकी है। नवंबर 2025 में आयोजित राज्य स्तरीय आवास मेले में 2,060 करोड़ रुपये की 56 नई परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया, जिसमें 2,517 संपत्तियों की बुकिंग और 1,477 का आवंटन किया जा चुका है।

घर बनाने के नाम पर 1.86 करोड़ हड़पे

■ पैसे लिए लेकिन मकान की जगह खाली जमीन मिली, 26 साल बाद आरोपी पकड़ाए

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर में घर बनाने के नाम पर 1.86 करोड़ हड़पने वाले आरोपी 26 साल बाद पकड़ाए हैं। आरोपियों ने 186 लोगों के नाम पर 1-1 लाख रुपए का लोन पास कराया था, लेकिन जमीन पर एक भी मकान नहीं बना। जब जांच टीम मौके पर पहुंची, तो जिन जगहों पर मकान निर्माण दिखाया गया था, वहां कुछ भी नहीं मिला।

दरअसल ये मामला सरकारी आवास योजना से जुड़ा है। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने गृह निर्माण सहकारी समिति के तत्कालीन अध्यक्ष थावरदास माधवानी और आवास पर्यवेक्षक बसंत कुमार साहू को गिरफ्तार किया है। जांच में ये भी खुलासा हुआ है कि जिन लोगों के नाम पर दोनों ने लोन लिया गया, वे वहां मौजूद तक नहीं थे। पूरे मामले में फर्जी दस्तावेज तैयार कर लोन निकाला गया था। मकान निर्माण के फर्जी प्रमाण पत्र भी जारी किए गए और पूरी राशि आपस में बांट ली गई। दोनों आरोपियों को कई बार नोटिस भेजा गया, लेकिव वे छिपते रहे। दरअसल, साल 1995 से 1998 के बीच शासन की आवासीय योजना के तहत जरूरतमंद लोगों को मकान बनाने के लिए लोन दिया जाना था। गृह निर्माण सहकारी समिति के तत्कालीन अध्यक्ष थावरदास माधवानी और आवास पर्यवेक्षक बसंत कुमार साहू ने अपनी समिति के 186 सदस्यों के नाम पर एक-एक लाख रुपए का लोन मंजूर करवा लिया। इस तरह दोनों ने कुल 1 करोड़ 86 लाख रुपए निकाल लिए गए।

रिकॉर्ड में रायपुरा और पंडरीकांचा क्षेत्र में मकान बनना दिखाया गया, लेकिन जांच में वहां न तो मकान मिले और न ही लाभार्थी मौजूद थे। जांच में सामने आया कि इस पूरे मामले में फर्जी दस्तावेज और नकली प्रमाण पत्रों का इस्तेमाल किया गया।

ट्रांसपोर्ट बुकिंगः प्रमुख पहुंच मार्गों पर मालवाहक वाहनों के प्रतिबंध के संदर्भ में व्यापारियों का संयुक्त निरीक्षण, देंगे सुझाव

रायपुर/नवप्रदेश। देश के सबसे बड़े व्यापारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य श्री अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन श्री जितेंद्र दोशी, श्री विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष श्री परमानंद जैन, महामंत्री श्री सुरिन्दर सिंह, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, श्री राम मंधान, वासु मखीजा, श्री भरत जैन, राकेश ओचवानी, शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि ट्रांसपोर्ट व्यवस्था एवं ट्रैफिक समस्या के समाधान को लेकर प्रशासन एवं व्यापारिक संगठनों के बीच संवाद की प्रक्रिया निरंतर जारी है। इसी क्रम में आदरणीय पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला द्वारा व्यापारियों से बेहतर एवं व्यवहारिक सुझाव आमंत्रित किए जाने के परिप्रेक्ष्य में आज विभिन्न व्यापारी संघों के प्रतिनिधियों ने संबंधित क्षेत्रों का संयुक्त रूप से स्थल निरीक्षण (भ्रमण) किया।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य श्री अमर पारवानी ने बताया कि इस दौरान व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने स्टेशन रोड, तेलघानी नाका, भैंसथान, गुढियारी, अग्रसेन चौक, प्रभात टॉकीज, संजय गांधी चौक, नहरपारा सहित प्रमुख ट्रांसपोर्ट एवं बाजार क्षेत्रों का निरीक्षण कर ट्रैफिक व्यवस्था, माल बुकिंग, लोडिंग-अनलोडिंग एवं आवागमन की वास्तविक स्थिति का गहन अवलोकन किया।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन

रायपुर/नवप्रदेश। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव 2026 रायपुर नगर में भव्य रूप से मनाया जा रहा है। भगवान महावीर स्वामी का संदेश देने 12 मार्च से महोत्सव का आयोजन किया गया है, जो महावीर जयंती यानी 31 मार्च तक चलेगा। महोत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रेश शाह, महासचिव गोल्डी लूनिया, कोषाध्यक्ष विकास सेठिया, कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत बैद और सचिव आनंद जेन ने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों की भव्य श्रृंखला जारी है। महोत्सव समिति, समता युवा संघ और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से महोत्सव में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन आयोजनों में बड़ी संख्या में लोग शामिल होकर आस्था के साथ सेवा कार्य कर रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को डीडी नगर में प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें बच्चों और महिलाओं ने भगवान महावीर का संदेश देते हुए, लोगों से अपील की, कि वे शादियों में दहेज की मांग न करें, सड़क पर नाच-गाना न करें। साथ ही शादी में सादगीपूर्ण निमंत्रण, संगीत संध्या का आयोजन नहीं करने, भोजन के दौरान 31 से ज्यादा खाद्य पदार्थों का उपयोग नहीं करने, महिला वेटर को नहीं बुलाने, नॉनवेज नहीं खाना, पशु-पक्षियों के आकार में सलाद नहीं काटने, शादी में पटाखों का उपयोग न करने का संदेश दिया गया। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव 2026 में सेवाकार्य अंतर्गत 16 से 30 मार्च तक 15 दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। इसी क्रम में डीडी नगर के श्री 1008 वासुपूज्य जैन मंदिर में बुधवार को 21 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं ने बताया कि हमारा रक्त किसी जरूरतमंद का जीवन संवार सकता है, इससे बड़ा दान कुछ नहीं हो सकता है।

ई-सिम बदलते ही खाते से 1.30 लाख पार, युवक ठगी का शिकार

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी में ई-सिम को फिजिकल सिम में बदलते ही एक युवक के बैंक खातों से 1.30 लाख रुपए पार हो गए। मामले में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक सेक्टर-1 शिवानंदनगर निवासी देवाशीष नाग 17 जनवरी की शाम पुराना मोबाइल बेचकर नया फोन लेने जयस्तंभ चौक स्थित एक मोबाइल दुकान गया था। उसके मोबाइल में जियो का ई-सिम था। दुकान के कर्मचारी ने उसे एक सिम विक्रेता के पास ले जाकर ई-केवाईसी कराई और फिजिकल सिम दिलवाया।

इस दौरान बताया गया कि 24 घंटे तक सिम में ओटीपी बंद रहेगा। इसके बाद युवक ने नया मोबाइल लेकर उसी सिम का उपयोग शुरू किया।

लाल आतंक का अंत करीब: कांकेर जिले में सक्रिय है परतापुर एरिया कमेटी और कंपनी नंबर-5

डेडलाइन के 13 दिन शेष, 18 नक्सलियों की तलाश तेज

रायपुर-कांकेर। कांकेर जिले के घने जंगलों में इन दिनों सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच एक अलग ही रणनीतिक उटापटक चल रही है। यह लड़ाई गोलीबारी की नहीं, बल्कि समर्पण की है। कांकेर जिला में सक्रिय परतापुर एरिया कमेटी एवं कंपनी नंबर 05 के 18 सक्रिय नक्सलियों को आत्मसमर्पण के लिए तैयार करने में जुटा है, लेकिन लगातार प्रयासों के बावजूद अभी तक सफलता हाथ नहीं लगी है। समय तेजी से बीत रहा है और डेडलाइन के लिए अब महज 13 दिन ही शेष रह गए हैं, जिससे संबंधितों की चिंता भी बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, कांकेर जिले में सक्रिय परतापुर एरिया कमेटी और कंपनी नंबर 05 में 20 नक्सली है, इनमें से दो नक्सली मंगेश परचापी और उसकी पत्नी मनीषा हाल ही में आरकेबी डिवीजन की ओर निकल गए थे। दोनों नक्सली आरकेबी डिवीजन की नक्सली सदस्य हिड़मे के साथ कोहकाटोला क्षेत्र में एक लाड़ी में रुके हुए थे। इसकी जानकारी जिला मानपुर पुलिस को मिली। मानपुर के पुलिस अधीक्षक वायपी सिंह ने एक टीम रवाना किया। वहीं कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल राखेखा ने भी एक टीम रवाना किया था। तीनों नक्सलियों का फोर्स के आने की आहट मिलते ही नक्सली हड़ड़ाते हुए अपने हथियार और सामान छोड़कर जंगल की ओर भाग निकले। दोनो जिलों की पुलिस इन तीनों नक्सलियों का मूवमेंट अब किधर है, उसकी तलाश करने में लगी हुई है। मंगेश और मनीषा के इस तरह भाग निकलने के बाद कांकेर जिला में सक्रिय परतापुर एरिया कमेटी और कंपनी नंबर 05 के शेष 18 नक्सलियों के कांकेर और अबूझमाड़ के दुर्गम पहाड़ी इलाकों में छिपे होने की चर्चाएं चल रही है।

समर्पण के लिए पुलिस की 18 पर नजर

कांकेर जिले में सक्रिय 18 नक्सलियों परतापुर एरिया कमेटी से चंदर, रूपी, कुमारी माली, मंगलू पद्दा, राधिका, जिला मरकाम, को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से तीन अलग-अलग टीमें सक्रिय है। इनमें एक टीम जगदलपुर से, दूसरी नारायणपुर से और तीसरी स्थानीय स्तर के लोग शामिल है। यह सभी टीमें लगातार अंदरूनी जंगलों में सक्रिय हैं और संपर्क स्थापित करने की कोशिश कर रही है। यह कयास लगाए जा रहे है कि यदि एक-दो दिन में कोई सकारात्मक परिणाम नहीं मिलता है, तो सुरक्षा बल फिर से सर्च ऑपरेशन तेज कर सकते हैं।

छग में कई इलाकों में बारिश की चेतावनी

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में मौसम का मिज़ाज अचानक बदला हुआ नजर आ रहा है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ते तापमान के बीच अब हल्की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे मौसम सुहावना हो गया है। मौसम विभाग ने पहले ही तापमान में कमी और मौसम बदलने के संकेत दिए थे, जो अब सच साबित होते दिख रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के कई जिलों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। दुर्ग में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस रहा, वहीं बलरामपुर और राजनांदगांव में 34 डिग्री, सुकमा में 33.7 डिग्री, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 33.6 डिग्री और राजधानी रायपुर में 33.5 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

न्यूज़ गैलरी

मुदलियार को मिला प्रदेश कार्यसमिति में स्थान

बीजापुर / नवप्रदेश। विकास खंड भोपालपटनम के छोटे से ग्राम पंचायत - तिमेड़ से निकलकर मेहनत, कर्तव्य निष्ठा,लगन, कार्य कौशल के दम पर राजनैतिक छाप छोड़ने वाले श्रीनिवास मुदलियार ने प्रदेश कार्यसमिति में निसंदेह जगह बना ली। सेवा और समर्पण का लाभ मिला। कानून की पढ़ाई करने के बाद सन 2000में वकालत प्रारंभ करते हुए उन्होंने निर्धन , गरीब और असहाय लोगों की निस्वार्थ भाव से सहायता की। न्यायालयीन मामलों में जरुरतमंदों को निःशुल्क सेवा देने के साथ साथ स्वयं खर्च उठाकर आने- जाने का किराया देते हैं। गरीबों की सेवा और मदद की इसी भावना ने उन्हें राजनीति की ओर प्रेरित किया। वर्ष 2008मे सक्रिय राजनीति में प्रवेश करने के बाद उन्होंने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन के विस्तार में विषम परिस्थितियों अर्थात अतिसंवेदनशील क्षेत्र में कार्य किया। इनके संगठन के प्रति जागरूकता को देखते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी नवाजा गया। जिलाध्यक्ष रहते हुए उन्होंने संगठन विस्तार और मजबूती पर विशेष ध्यान दिया। जिसका परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उनके निरंतर प्रयासों और समर्पण के चलते उन्हें प्रदेश कार्यसमिति में स्थान मिला है। क्षेत्र के लोग भी उन्हें भाजपा में निष्पक्ष, योग्य और समर्पित कार्यकर्ता के रूप में जानते हैं। उनकी उपलब्धि से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

कलेक्टर एवं एसपी ने फरसगांव में स्वास्थ्य केंद्र और निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

कोंडागांव/ नवप्रदेश।कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने पुलिस अधीक्षक श्री पंकज चंद्रा के साथ बुधवार को फरसगांव में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शासकीय महाविद्यालय में निर्माणाधीन ग्रंथालय भवन का जायजा लेते हुए कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।इसके पश्चात उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण कर वहां भर्ती बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी

दो दिवसीय जिला स्तरीय जयपुर फुट कैंप का सफल समापन

दंतेवाड़ा/ नवप्रदेश । कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण एवं पुनर्वास हेतु आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय जयपुर फुट कैंप का विगत दिवस सफल समापन हुआ। इस कैंप में कुल 133 दिव्यांगजनों ने पंजीयन कराया, जिनमें से अनेक हितग्राहियों को आवश्यक सहायक उपकरण एवं सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। कैम्प के दौरान 13 हितग्राहियों को नया दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किया गया। वहीं 14 लाभार्थियों को सामान्य ट्रायसायकल, 9 को व्हील चेयर, 86 को श्रवण यंत्र, 7 को कैलीपर्स, 7 को बैसाखी तथा 12 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग प्रदान किए गए। इस पहल से लाभान्वित व्यक्तियों के जीवन में आत्मनिर्भरता एवं आत्मविश्वास का संचार हुआ है। कैम्प के प्रथम दिवस में जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री अरविन्द कुंजाम, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री रमेश गावड़े,, सहित ग्राम पंचायत गमावाड़ा एवं छोटे तुमनार के सरपंच उपस्थित रहे। कलेक्टर के मार्गदर्शन में आयोजित इस कैम्प को जनप्रतिनिधियों एवं आमजनों ने सराहनीय पहल बताया तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजन निरंतर किए जाने की अपेक्षा जताई।

विशेषज्ञ समिति ने किया उपजेल का निरीक्षण

बीजापुर 19 मार्च 2026- महिला बाल विकास विभाग नया रायपुर एवं कलेक्टर श्री संबित मिश्रा के निर्देशानुसार जिला बीजापुर में उपजेल निरीक्षण हेतु विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है। विशेषज्ञ निरीक्षण समिति द्वारा दिनाँक 18 मार्च को उपजेल जिला बीजापुर का निरीक्षण किया गया। विशेषज्ञ निरीक्षण समिति द्वारा प्रत्येक बैरक में जाकर बंदीयों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया गया। जिसमें निरीक्षण के दौरान उपजेल बीजापुर के बैरक में कुल 194 निरुद्ध बंदी पाये गये एवं सभी बंदियों से पूछताछ की गई।

राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के प्रतिनिधिमण्डल ने जिले में संचालित गतिविधियों का किया अवलोकन

कोण्डागांव / नवप्रदेश। राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय (एनडीसी), केंद्रीय रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली के 16 सदस्यीय अधिकारियों के प्रतिनिधिमण्डल ने आज जिले में संचालित विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया। प्रतिनिधिमण्डल में सेना, सिविल सेवा तथा मित्र देशों के अधिकारी शामिल थे, जो राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रणनीतिक अध्ययन के अंतर्गत अध्ययन भ्रमण पर पहुंचे थे।

कलेक्टर श्रीमती नुपुर राशि पन्ना एवं पुलिस अधीक्षक श्री पंकज चन्द्रा ने प्रतिनिधिमण्डल को जिले की भौगोलिक एवं प्राकृतिक संरचना, निर्माण कार्यों तथा विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही 'पूना मारगेम' के तहत संचालित पुनर्वास केन्द्र में पुनर्वासित व्यक्तियों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

प्रतिनिधिमण्डल ने जिला मुख्यालय स्थित शबरी एंपोरियम का भ्रमण कर स्थानीय शिल्पकारों द्वारा बनाए गए कलाकृतियों का अवलोकन किया। इसके साथ ही 'मोर स्वाद-दीदी की रसोई' में मां लक्ष्मी स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित आजीविका गतिविधियों को देखा और पारंपरिक व्यंजनों के स्वाद भी चखे। इसके पश्चात दल ने कोण्डानार गारमेंट फैक्ट्री का निरीक्षण किया, जहां महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों को देखकर प्रतिनिधिमण्डल ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।

प्रतिनिधिमण्डल ने फरसगांव विकासखण्ड के ग्राम जुगानी कलार में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से लाभान्वित मत्स्य पालक के कार्यों का अवलोकन किया तथा मत्स्य बीज उत्पादन की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। प्रतिनिमंडल के सभी सदस्यों को जिला प्रशासन की ओर से साल श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट की गई।

इस अवसर पर एसडीएम कोण्डागांव श्री अजय उरांव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कपिल चन्द्रा, एसडीएम फरसगांव श्री अश्वन पुसाम, डीएसपी श्री सतीश भार्गव एवं श्री अभिनव उपाध्याय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

रावघाट माइंस क्षेत्र में बढ़ा असंतोष

अधूरे वादों, कम दरों और अनदेखी से नाराज़ ग्रामीणों की सरकार-बीएसपी को खुली चेतावनी

स्कूल-अस्पताल अब तक अधूरे, डीएमएफ और सीएसआर खर्च पर सवाल, 478 रु. परिवहन दर को बताया अव्यवहारिक – 31 मार्च तक कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तय

कांकेर (उ. बस्तर)/ नवप्रदेश। रावघाट माइंस परियोजना से प्रभावित क्षेत्रों में विकास के दावों और जमीनी हकीकत के बीच बढ़ती खाई अब खुलकर सामने आ रही है। राजाराव ग्राम माइंस श्रमिक विकास समिति द्वारा मुख्यमंत्री और भिलाई स्टील प्लांट प्रबंधन को सौंपे गए विस्तृत ज्ञापन में प्रशासनिक उदासीनता, अधूरे वादे और आर्थिक शोषण जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

ज्ञापन से साफ संकेत मिलता है कि जिस विकास मॉडल के नाम पर खनन परियोजना चलाई जा रही है, उसमें स्थानीय लोगों की मूलभूत जरूरतें और अधिकार लगातार हाशिए पर हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य–सिर्फ कागजों तक सीमित?

सबसे बड़ा सवाल डीएवी स्कूल और अस्पताल निर्माण को लेकर उठाया गया है। बीएसपीद्वारा पूर्व में स्वीकृति दिए जाने के बावजूद अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं होना, सीधे तौर पर प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है। स्थानीय समिति का आरोप है कि इस देरी का खामियाजा बच्चों की शिक्षा और आम लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। एक ओर सरकार ÷विकास÷ के दावे करती है, वहीं दूसरी ओर बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं कराया जा रही–यह विरोधाभास अब लोगों के गुस्से में बदल रहा है।

डीएमएफ और सीएसआर फंड: पारदर्शिता पर सवाल

ज्ञापन में डीएमएफ (District Mineral Foundation) और सीएसआर फंड के उपयोग पर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं। समिति के अनुसार, इन फंड्स का 70% हिस्सा प्रभावित क्षेत्रों में खर्च ही नहीं हो रहा है। इसका सीधा असर सड़क मरम्मत, जल संरक्षण, वन संरक्षण और स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ रहा है। सवाल यह है कि जब खनन से सबसे अधिक प्रभावित यही क्षेत्र हैं, तो फिर फंड का उपयोग कहीं और क्यों और कैसे किया जा रहा है?

मंदिरों में मनोकामना ज्योति कलश के साथ चैत्र नवरात्र प्रारम्भ

अंतागढ़ /नवप्रदेश। इस वर्ष भी चैत्र नवरात्र श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जायेगा । नगर अंतागढ़ मे स्थित आमाबुदीन शीतला माता मंदिर सहित देवनी डोकरी मंदिर, गायत्री मंदिर मे चैत्र नवरात्र के अवसर पर श्रद्धालु बड़ी संख्या मे पहुंच पूजा अर्चना करते है वही नगर के शीतला माता मंदिर, गायत्री माता मंदिर, देवनी डोकरी मंदिर मे श्रद्धालुओं द्वारा मनोकामना ज्योति कलश स्थापना की जाती है जिससे माता से अपनी मनोकामना पूर्ण होने की कामना की जाती है ! नगर मे नौ दिन माता की जयकारा के साथ माहौल भक्तिमय बना रहता है वही मंदिरो मे विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-अर्चना किया जाता है और अस्टमी दिन हवन का कार्यक्रम होगा

'नानो ली नानो वैया' गोंडी सॉन्ग इन दिनों काफ़ी सुर्खियां बटोर रही

आदिवासी संस्कृति की खूबसूरत प्रस्तुति

किरंदुल/दंतेवाड़ा / नवप्रदेश । । आदिवासी संस्कृति और परंपराओं को सुंदर तरीके से प्रस्तुत करने वाला गोंडी गीत ÷नानो ली नानो वैया÷ इन दिनों दर्शकों के बीच खासा लोकप्रिय हो रहा है। इस गीत में हीरो विक्रम कोर्राम और हीरोइन शबनम पोयाम ने अपने शानदार अभिनय और आकर्षक नृत्य से दर्शकों का दिल जीत लिया है। इस सॉन्ग की खास बात यह है कि इसमें आदिवासी

जीवनशैली, परंपराएं और सांस्कृतिक भावनाओं को बेहद प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। कलाकारों ने अपने अभिनय और भाव-भंगिमाओं के माध्यम से गोंडी संस्कृति की सुंदरता को जीवंत कर दिया है।

गीत की वीडियोग्राफी (कैमरामेन) जस्सी कुमार, कोरियोग्राफी संतोषी महानंद ने की है, जिन्होंने पारंपरिक आदिवासी नृत्य शैली को बेहद आकर्षक तरीके से मंच पर उतारा। वहीं डांसर कोमल सोढ़ी, बामन पोडियम, पिंडे पोडियम और पांडे पोडियम ने अपनी शानदार प्रस्तुति से गीत को और भी जीवंत बना दिया। इस गोंडी सॉन्ग के माध्यम से कलाकारों ने आदिवासी संस्कृति के संरक्षण और प्रचार-प्रसार का सराहनीय प्रयास किया है। रिलीज के बाद से ही यह गीत दर्शकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है और लोगों द्वारा इसे खूब सराहा जा रहा है।

बस्तर हेरिटेज मैराथन के लिए प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

युवाओं को भागीदारी हेतु किया जा रहा प्रेरित

दंतेवाड़ा / नवप्रदेश । जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग दंतेवाड़ा के संयुक्त तत्वावधान में कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के कुशल मार्गदर्शन में आज लाइवलीहुड कॉलेज कारली से बस्तर हेरिटेज मैराथन दौड़ के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह प्रचार रथ दंतेवाड़ा, कटेकल्याण, बचेली, किरंदुल, गीदम एवं बारसूर क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए जगदलपुर में आयोजित होने वाली बस्तर हेरिटेज मैराथन दौड़ में भाग लेने के लिए युवाओं को प्रेरित करेगा। यह प्रचार अभियान 22 मार्च 2026 तक जारी रहेगा।

बिहान मिशन में लेखा सह एमआईएस सहायक पद के लिए आवेदन 10 अप्रैल तक आमंत्रित

दंतेवाड़ा / नवप्रदेश। कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ÷बिहान÷ के अंतर्गत जिला एवं विकासखंड स्तर पर (संविदा नियुक्ति) हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। मिशन संचालक, विकास आयुक्त कार्यालय, नया रायपुर अटल नगर द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार ÷लेखा सह एमआईएस सहायक÷ पद के लिए योग्य अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन मांगे गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन केवल रजिस्टर्ड डाक या स्पीड पोस्ट के माध्यम से मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (पिन कोड 494449) के पते पर भेज सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 10 अप्रैल 2026, सायं 5 बजे निर्धारित की गई है। इस संबंध में विभाग द्वारा सूचित किया है कि व्यक्तिगत रूप से, ई-मेल अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

कुपोषण पर बीजापुर में दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

बीजापुर/ नवप्रदेश। कुपोषण की समस्या के प्रभावी समाधान के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा संचालित कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत जिले में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण 16 एवं 17 मार्च 2026 को आयोजित किया गया जिसमें सुपोषण दूतों एवं महिला स्व-सहायता समूहों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा 15 दिसंबर 2025 से बस्तर एवं सरगुजा संभाग के आठ जिलों में इस विशेष अभियान की शुरुआत की गई है। बस्तर संभाग के बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर एवं दंतेवाड़ा जिलों में इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया गया है, ताकि कुपोषित बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं की बेहतर देखभाल और नियमित निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

अभियान के तहत प्रत्येक सुपोषण दूत को 10 बच्चों तथा प्रत्येक महिला स्व-सहायता समूह को 25 बच्चों की जिम्मेदारी दी गई है। ये सभी मिलकर बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते हुए परिवारों को संतुलित आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करेंगे। राज्य शासन द्वारा प्रत्येक कुपोषित बच्चे के लिए 1800 रुपये मानदेय निर्धारित किया गया है, जिसमें से 10 प्रतिशत राशि प्रारंभ में तथा शेष 90 प्रतिशत राशि छह माह की नियमित देखभाल और विभागीय मूल्यांकन के बाद प्रदान की जाएगी। कलेक्टर श्री संबित मिश्रा के नेतृत्व एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को आगामी छह माह की कार्ययोजना से अवगत कराया गया।

अर्थवर्क का 60 प्रतिशत भुगतान लेकर काम अधूरा छोड़ने का आरोप, मानकहीन सामग्री से गुणवत्ता पर सवाल....

आधे-अधूरे डब्लूबीएम सड़क पर चलने को मजबूर ग्रामीण

ठेकेदार की लापरवाही से बढ़ी परेशानी

सुकमा /नवप्रदेश । जिला के पेंदलनार क्षेत्र के ग्रामीण इन दिनों अधूरी और बदहाल WBM सड़क पर जान जोखिम में डालकर आवागमन करने को मजबूर हैं। सड़क निर्माण में कथित अनियमितताओं और ठेकेदार की लापरवाही ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जानकारी के अनुसार वर्ष 2022-23 में डीएमएफ मद से 78.74 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत पेंदलनार से रासावया सड़क निर्माण कार्य का

क्रियान्वयन जिला निर्माण समिति के माध्यम से किया जा रहा है। ठेका राजेश मिश्रा को दिया गया था, लेकिन आरोप है कि ठेकेदार ने अर्थवर्क का लगभग 60 प्रतिशत भुगतान लेने के बाद कार्य अधूरा छोड़ दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण वर्षों से ठप पड़ा है। जगह-जगह गड्ढे, उखड़ी सतह और अधूरा बेस लेयर दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं। बारिश के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जब सड़क पूरी तरह कीचड़ में तब्दील होकर आवागमन बाधित कर देती है।

ग्रामीणों में आक्रोश, आंदोलन की चेतावनी - सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही निर्माण कार्य पूरा नहीं किया गया और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क क्षेत्र की जीवनरेखा है, जिसकी दुर्दशा से शिक्षा, स्वास्थ्य और दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

मानकहीन सामग्री से गुणवत्ता पर सवाल

स्थानीय ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में घटिया और मानकहीन सामग्री के उपयोग का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पत्थरों की गुणवत्ता खराब होने के कारण सड़क की परत टिक नहीं पा रही और कुछ ही समय में उखड़ जा रही है। इससे निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी साफ़नज़र आ रही है।

भुगतान के बावजूद कार्य अधूरा

सबसे गंभीर बात यह है कि कार्य पूर्ण हुए बिना ही ठेकेदार द्वारा अर्थवर्क का करीब 60 प्रतिशत भुगतान प्राप्त कर लिया गया। इसके बावजूद काम अधूरा छोड़ दिया गया, जिससे प्रशासनिक निगरानी और भुगतान प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

तेंदूपत्ता श्रमिकों के लिए बड़ा अभियान पारदर्शी भुगतान की दिशा में कदम

हर संग्राहक का होगा अपना बैंक खाता

बीजापुर/ नवप्रदेश। जिले में तेंदूपत्ता संग्राहकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। जिन संग्राहकों के पास अब तक बैंक खाता नहीं है, उनके लिए विशेष अभियान चलाकर खाते खुलवाए जा रहे हैं। यह कार्य जिला प्रशासन और वन विभाग के संयुक्त प्रयासों से तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आगामी तेंदूपत्ता सीजन में सभी संग्राहकों को उनका पारिश्रमिक सीधे बैंक खाते के माध्यम से पारदर्शी और सुरक्षित तरीके से मिल सके। प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है ताकि कोई भी हितग्राही इस व्यवस्था से वंचित न रह जाए।

अभियान के तहत गांव-गांव पहुंचकर पात्र संग्राहकों की पहचान की जा रही है और बैंकिंग प्रक्रिया को सरल बनाते हुए उनके खाते खुलवाए जा रहे हैं। इससे न केवल भुगतान प्रणाली में पारदर्शिता आएगी, बल्कि बिचौलियों की भूमिका भी समाप्त होगी और संग्राहकों को उनका पूरा हक सीधे प्राप्त होगा।

प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि आज के समय में बैंक खाता केवल भुगतान प्राप्त करने का माध्यम ही नहीं, बल्कि केंद्र और राज्य शासन की अधिकांश जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए भी अनिवार्य है। ऐसे में यह अभियान संग्राहकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो रहा है।ग्रामीण क्षेत्रों में इस पहल को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। संग्राहकों का कहना है कि बैंक खाता खुलने से उन्हें भविष्य में कई योजनाओं का लाभ मिलेगा और उनकी आय सुरक्षित रहेगी।

पीवीटीजी बसाहट डुमरडूगु में लगी चौपाल, अधिकारियों को जल्द निराकरण के दिए गए निर्देश

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। कलेक्टर अजीत वसंत ने बुधवार को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय अग्रवाल के साथ मैनपाट विकासखण्ड का दौरा किया। उन्होंने यहां विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनबाड़ी केंद्रों, आश्रम छात्रावास सहित निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान वे प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से मिले। उन्होंने विकासखण्ड में पीएम जनमन अंतर्गत निर्माणाधीन सड़कों का भी अवलोकन किया। शासकीय योजनाओं का लाभ पीवीटीजी समुदायों तक पहुंच सुनिश्चित करने कलेक्टर वसंत ग्राम कलजीवा के पीवीटीजी बसाहट डुमरडूगु पहुंचे और जनचौपाल लगाकर लोगों की समस्याएं सुनीं। कलेक्टर वसंत ग्राम कलजीवा के पीवीटीजी पहाड़ी कोरवा बसाहट डुमरडूगु पहुंचे। उन्होंने लोगों के बीच जन चौपाल लगाकर उनकी समस्या एवं शिकायतों को सुना और विभागीय अधिकारियों को यथाशीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने यहां स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, विद्युत, आवास, राशन, पेंशन सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने लोगों को पीएम जनमन योजना के तहत योजनाओं की जानकारी दी तथा योजनाओं का लाभ लेने प्रेरित किया। उन्होंने लोगों को अपने आस-पास सफाई रखने, पानी उबालकर पीने कहा। पेयजल की समस्या संज्ञान में आने पर उन्होंने पीएचई विभाग के अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र मालतीपुर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा

लिया। केन्द्र में बच्चों की उपस्थिति, कुपोषित बच्चों की संख्या व बच्चों को दिए जा रहे पौष्टिक आहार की जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र में रेडी टू ईट के एक्सपायर्ड पैकेट पाए गए, जिसपर कलेक्टर श्री वसंत ने सेक्टर सुपरवाइजर को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी सीडीपीओ एवं सुपरवाइजर यह सुनिश्चित करें कि किसी भी आंगनबाड़ी केंद्र में एक्सपायरी डेट वाले रेडी टू ईट का स्टॉक ना रहे, 3 दिवस में कार्यवाही कर अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि गम्भीर कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन कर एनआरसी भेजना सुनिश्चित करें।

पहाड़ी कोरवा आश्रम कलजीवा का किया निरीक्षण

कलेक्टर श्री वसंत ने पहाड़ी कोरवा आश्रम कलजीवा का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों से मिलकर सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में जानकारी ली। उन्होंने शयन कक्ष, आश्रम परिसर, किचन, शौचालयों आदि का अवलोकन कर आवश्यक दिशा- निर्देश दिए। उन्होंने यहां बच्चों को सप्ताह में हर बुधवार को खाने में अण्डा दिए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने मण्डल संयोजक को प्रतिमाह कम से कम एक बार अवश्य आश्रम-छात्रावासों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने के निर्देश दिए।

न्यूज गैलरी

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत वसंत ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम स्ट्रांग रूम का त्रैमासिक निरीक्षण किया। इस दौरान ईवीएम वेयर हाउस की सील खोलकर कक्ष का अवलोकन किया गया तथा आवश्यक सुरक्षा उपायों की समीक्षा की गई। निरीक्षण के पश्चात राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में कक्ष को पुन: सील किया गया। इस दौरान उपजिला निर्वाचन अधिकारी रामराज सिंह, निर्वाचन शाखा के कर्मचारी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

शिशु संरक्षण माह, बच्चों को पिलाया विटामिन ए एवं आयरन सीरप

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी पी एस मार्को के मार्गदर्शन में मंगलवार को शिशु संरक्षण माह कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर मंजूषा भगत के द्वारा बच्चों को विटामिन ए एवं आयरन सिरप पिलाकर किया गया। शुभारंभ में एमआईसी सदस्य ममता तिवारी, पार्षद किरण साहू, सिविल सर्जन डॉ जे. के. रेलवानी, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ के पी विश्वकर्मा, जिला चिकित्सालय के स्टाफ नर्स, समस्त अधिकारी- कर्मचारी मितानिन उपस्थित रहे। बता दें शिशु संरक्षण माह कार्यक्रम 17 मार्च से 21 अप्रैल तक चलेगा। इस कार्यक्रम में 09 माह से वर्ष 05 के बच्चों को विटामिन ए की सिरप 06 माह के अंतराल में व 06 माह से 09 वर्ष के बच्चों को आयरन की सिरप सप्ताह में दो बार पिलाया जाएगा।

राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति के लिए परीक्षा आवेदन 20 तक आमंत्रित

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा आयोजित होने वाली राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा सत्र 2025-26 के लिए जिले के पात्र विद्यार्थियों से ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 20 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। इस परीक्षा में राज्य के शासकीय विद्यालयों के कक्षा 8वीं में अध्ययनरत ऐसे विद्यार्थी सम्मिलित हो सकते हैं जिन्होंने कक्षा 7वीं न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों (अनुसूचित जाति/जनजाति हेतु 5 प्रतिशत की छूट) के साथ उत्तीर्ण की हो। साथ ही आवेदक के माता-पिता या पालक की सभी स्त्रोतों से वार्षिक आय 3,50,000 रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, अशासकीय विद्यालय एवं आवासीय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थी इस परीक्षा के लिए पात्र नहीं होंगे। परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु सरगुजा जिले में कुल 07 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।जिसमें शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर,शासकीय बालक उ.मा.वि. बतौली, शासकीय बालक उ.मा.वि., लखनपुर, शासकीय बालक उ.मा.वि. लुण्ड्रा, स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय नर्मदापुर, शासकीय बालक उ.मा.वि. सीतापुर तथा स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय उदयपुर शामिल है।

गर्मी में पेयजल संकट से निपटने टोल-फ्री नंबर 1916 जारी

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। आगामी ग्रीष्म ऋतु में पेयजल आपूर्ति के सुचारू संचालन एवं त्वरित हैण्डपम्प के संधारण के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा टोल फ्री नम्बर जारी किया गया है। विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि आमजन टोल फ्री नम्बर 1916 पर शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। इसके साथ ही जनपद पंचायत के कार्यालय में उपलब्ध पेयजल पंजी में अपना शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इस हेतु नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी बनाए गए हैं। जिसमें लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखण्ड अम्बिकापुर हेतु सहायक अभियंता मुकेश कुमार गुप्ता नोडल अधिकारी तथा सहायक नोडल अधिकारी में विकासखण्ड अम्बिकापुर हेतु उप अभियंता सीमा केहरी, विकासखण्ड लखनपुर हेतु उप अभियंता धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, विकासखण्ड उदयपुर हेतु उप अभियंता श्रीकांत खिलाड़ी एवं विकासखण्ड लुण्ड्रा हेतु उप अभियंता सुभद्रा सिंह होंगी। इसी प्रकार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखण्ड सीतापुर अंतर्गत नोडल अधिकारी सहायक अभियंता अभिषेक कुमार गुप्ता होंगे।

जिले में वृहद स्वैच्छिक रक्तदान अभियान शुरू

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। जिले में स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करने एवं जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वृहद स्वैच्छिक रक्तदान अभियान संचालित किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पी एस मार्को से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस अभियान के अंतर्गत दिनांक 17 मार्च 2026 से 08 मई 2026 तक जिले के विभिन्न शासकीय, अशासकीय, शैक्षणिक एवं सामाजिक संस्थानों के समन्वय से चरणबद्ध रूप से स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में 18 मार्च 2026 को जिले के विभिन्न स्थानों पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। राष्ट्रपति भवन, पंडो नगर में आयोजित शिविर में उत्साहपूर्वक रक्तदान किया गया। इसके अतिरिक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सीतापुर एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लुण्ड्रा में भी स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय नागरिकों एवं युवाओं की सक्रिय सहभागिता रही। सभी रक्तदान शिविरों का आयोजन भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सरगुजा के समन्वय से किया गया तथा राजमाता श्रीमती देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय मेडिकल कॉलेज से संबद्ध ब्लड सेंटर की चिकित्सकीय एवं तकनीकी टीम द्वारा रक्त संग्रहण एवं आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न महाविद्यालयों, शासकीय कार्यालयों एवं सामाजिक संस्थानों में युवाओं एवं आम नागरिकों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिससे आवश्यकता के समय मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पी एस मार्को द्वारा जिले के सभी नागरिकों, सामाजिक संगठनों एवं संस्थानों से अपील की गई है, कि वे इस स्वैच्छिक रक्तदान अभियान में सहभागिता कर मानव सेवा के इस महत्वपूर्ण कार्य में सहयोग प्रदान करें।

पानी टंकी बना शो पीस पानी सप्लाई की मांग

लखनपुर/नवप्रदेश। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी नल जल योजना का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। जल जीवन मिशन योजना के तहत बनाये गये कई गांवो में पानी टंकी का निर्माण कर पाइपलाइन विस्तार तथा घरों में नल कनेक्शन करने के बावजूद अब तक पानी सप्लाई शुरू नहीं की गई है। शुद्ध पेयजल से महरूम हैं पंचायत वासी जंप क्षेत्र में कई ऐसे गांव है जहां जल जीवन मिशन योजना के तहत पानी टंकी का आधा अधूरा निर्माण किया गया है। विभागीय अधिकारियों के अनदेखी और ठेकेदार के लापरवाही के कारण जल जीवन मिशन योजना फ्लाप है तथा इसका लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है। सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड के ग्रामपंचायत गुमगरा कला के देवकुमार साहू 1 8मार्च दिन बुधवार को गांव के देव कुमार साहू ने अपने जानकारी में बताया कि गांव में पानी टंकी का निर्माण कर पाइपलाइन बिछाने तथा घरों में नल कनेक्शन किया

गया है एक वर्ष पूर्ण होने के बाद टंकी से पानी की सप्लाई नहीं चालू की गई है गर्मी के मौसम में पानी की किल्लत और बढ़ने की आशंका है। दूसरे के घरों में लगे बोरबेल पेयजल इस्तेमाल करने पर पंचायत के लोग मजबूर हैं।जिसे लेकर कई बार ठेकेदार संबंधित विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों से शिकायत की गई थी। परंतु शिकायत कि कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया। पानी टंकी से नलों में पानी की सप्लाई शुरू नहीं होने और पानी की किल्लत को देखते हुए गांव के ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से पानी की सप्लाई आरंभ कराने की मांग की है।जिससे गांव के ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल मिल हो सके।

खंड स्तरीय विज्ञान एवं गणित क्विज प्रतियोगिता

लखनपुर/नवप्रदेश। संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत आकांक्षी विकासखंड लखनपुर के खंड शिक्षा कार्यालय के सभाकक्ष खंड स्तरीय विज्ञान एवं गणित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।इस प्रतियोगिता में विकासखंड के 33 संकुलों से विज्ञान एवं गणित विषय के प्रत्येक संकुल के एक-एक विद्यार्थीयो ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

गणित विषय में प्रथम स्थान धनंजय पैकरा पूर्व माध्यमिक शाला अमेरा, द्वितीय स्थान खुशी ठाकुर पूर्व माध्यमिक शाला जूना लखनपुर, तृतीय स्थान दिलीप राजवाड़े पूर्व माध्यमिक शाला पुहपुटरा तथा विज्ञान विषय में चंदा रजवाडे पूर्व माध्यमिक शाला बेलदगी, द्वितीय स्थान कुमारी मोना पूर्व माध्यमिक शाला लहपटरा तृतीय स्थान विकास कुमार पूर्व माध्यमिक शाला पुहपुटरा ने प्राप्त किया। विकासखंड शिक्षा अधिकारी देव कुमार गुप्ता सहायक खंड शिक्षा अधिकारी आलोक कुमार सिंह ने बच्चों को निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए अनुशासित नागरिक बनने कहा तथा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। सभी बच्चों को जलपान कराके पुरस्कार वितरण के बाद बी आर सी दीपेश पांडेय ने कार्यक्रम समापन की घोषणा करते हुये आभार व्यक्त किया।

लखनपुर के जामा मस्जिद में तरावीह मुकम्मल

लखनपुर/नवप्रदेश। लखनपुर के जामा मस्जिद में माह-ए-रमज़ान के मुबारक मौके पर तरावीह की नमाज़ में कुरआन शरीफ मुकम्मल होने पर मिलाद शरीफ का इस्तकबालिया प्रोग्राम आयोजित किया गया। इस अवसर पर तरावीह में कुरआन-ए-पाक मुकम्मल सुनाने वाले हाफ़िज़ महताब आलम साहब का फूलमाला पहनाकर और दस्तारबंदी कर इस्तकबाल किया गया तथा नजराना-ए-अक़ीदत पेश किया गया। मस्जिद कमेटी की ओर से हाफ़िज़ साहब को एक लाख एक हजार सात सौ

छियासी (?1,01,786) रुपये का चेक भेंट किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। प्रोग्राम में मौजूद क़ौम के तमाम हाजरिनो ने हाफ़िज़ साहब की खिदमत और मेहनत की प्रशंसा करते हुये उनके लिए दिल से दुआएं किया। पूरा माहौल रूहानियत और सजदा- ऐ - इबादत के जज़्बे से सराबोर रहा।

मस्जिद कमेटी की ओर से कहा गया कि ऐसे कार्यक्रमों से न केवल दीन की मोहब्बत बढ़ती है, बेशक समाज में भाईचारा, इत्तेहाद और अमन को भी मजबूती मिलती है।

मनरेगा का पैसा डकार गया रोजगार सहायक, कलेक्टर से शिकायत

लखनपुर/नवप्रदेश। प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत बनने वाले हितग्राहियों के मकान वजह से किसी पंचायत में पूरे तथा कुछ में आधे अधूरे अपूर्ण पड़े हुए है।

इसी कड़ी में जनपद पंचायत लखनपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत लटोरी में आवास राशि गबन करने का मामला प्रकाश में आया है दरअसल अंजना पिता उजीत राम निवासी ग्राम लटोरी का प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आवास स्वीकृत हुआ था मौजूदा समय बनने वाले मकान में निर्माण कार्य चल रहा है। आवेदक ने जिला कलेक्टर के सम्मुख पेश शिकायत में उल्लेख किया है कि- उक्त निर्माणाधीन स्वीकृत आवास मनरेगा के तहत मजदूरी का मस्टर रोल रोजगार सहायक द्वारा भरा गया जिसमें से कुछ पैसा हितग्राही जो आवास निर्माण कार्य में काम किए हैं उनको मिला वहीं अधिकांश पैसा गांव के ही एक अन्य व्यक्ति के नाम पर मास्टर रोल भरकर पैसा उसके नाम पर चढ़ा दिया गया है।

ह्यूमन पैपिलोमा वायरस वैक्सीन टीकाकरण अभियान की हुई शुरुआत

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। जिले में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस वैक्सीन टीकाकरण अभियान का शुभारंभ 16 मार्च से हुआ। मातृत्व एवं शिशु अस्पताल में अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में अम्बिकापुर की महापौर मंजूषा भगत की उपस्थित रहीं। प्रथम वैक्सीन 14 वर्ष की अंकिता टोप्पो को लगाया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पी.एस.मार्को ने बताया कि HPV वैक्सीन टीकाकरण हेतु वही किशोरियां पात्र होंगी, जिन्होने अपना 14 वां जन्मदिन मना लिया

हो, परंतु 15 वां जन्मदिन ना मनाया हो। महापौर मंजूषा भगत ने लोगों से अपने 14 वर्ष की बेटियों को HPV वैक्सीन लगाने हेतु आग्रह किया गया। इस दौरान डॉ अविनाशी कुजुर द्वारा सर्विकल कैंसर व इससे बचाव हेतु HPV वैक्सीन की उपयोगिता के सबंध में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान जनप्रतिनिधियों में भारत सिंह सिसोदिया, ममता तिवारी, किरण साहू, अभय साहू, अनिल तिवारी, मनीष बारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.एस मार्को, सिविल सर्जन डॉ. जे.के. रेलवानी, डीन डॉ. अविनाश मेश्राम, संयुक्त संचालक सह अधीक्षक डॉ रमेश चन्द्र आर्या, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी. के. सिन्हा, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. के. पी. विश्वकर्मा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अविनाशी कुजुर, अंकित वर्मा, सुरेश एक्का उपस्थित रहे।

बैठक

नवीन कार्यकारिणी गठन का अधिकार अध्यक्ष को, सदस्यता अभियान तेज करने पर जोर

रायपुर वैवाहिक परिचय सम्मेलन में भागीदारी का निर्णय, बायोडाटा सेंटर भी शुरू होगा

सक्ती/नवप्रदेश। अग्रवाल सभा शक्ति की महत्वपूर्ण बैठक 17 मार्च को हटरी धर्मशाला शक्ति में आयोजित की गई। जिसमें नए सत्र के लिए अध्यक्ष निर्वाचन की प्रक्रिया से उपस्थित समाज बंधुओ को अवगत कराया गया।

जिसमें सर्वसम्मति से नए सत्र के लिए पुन: श्यामसुंदर अग्रवाल को अध्यक्ष चुना गया तथा अध्यक्ष चुने जाने पर श्यामसुंदर अग्रवाल ने कहा कि आज शक्ति में अग्रवाल सभा के संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी के सहयोग से उन्होंने कार्य किया है। तथा आने वाले दिनों में संगठन को मजबूत बनाते हुए अग्रकुल प्रवर्तक भगवान अग्रसेन जी द्वारा बताए गए सेवा एवं रचनात्मक कार्यों को गति प्रदान करेंगे तथा उनका अध्यक्ष चुने जाने पर उपस्थित सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि के माध्यम से उनका स्वागत किया तथा अग्रवाल सभा शक्ति के पूर्व अध्यक्ष रामावतार अग्रवाल। गोविंद राम कथूरिया एवं आनंद अग्रवाल ने उनका रोली तिलक लगाकर तथा अग्रसेन दुपट्टा एवं मोती की माला बनाकर उनका स्वागत किया।

बैठक के दौरान रायपुर में चार एवं 5 अप्रैल को आयोजित वैवाहिक परिचय सम्मेलन को लेकर भी अधिक से अधिक संख्या में रायपुर जाने का निर्णय लिया गया तथा अग्रवाल सभा रायपुर

द्वारा प्रकाशित होने वाली अग्र धरोहर पत्रिका में भी शक्ति शहर में अग्रवाल समाज के सेवा भावीं दानदाताओं द्वारा स्थापित किए गए प्रकल्पों की जानकारी भेजने का निर्णय लिया गया बैठक में शहर में प्रत्येक 15 दिनों में महीने के द्वितीय एवं चतुर्थ रविवार को अग्रवाल समाज के विवाह योग्य युवक यूवतियों के संबंध तय करवाने की दिशा में बायोडाटा सेंटर प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। जिसमें बायोडाटा सेंटर का संचालन शहर के स्टेशन रोड में स्थित होटल गिरिराज रेन बसेरा में होगा। जिसमें सदस्यों की समिति बनाई गई है। जो कि प्रत्येक निर्धारित तिथि एवं दिन में वहां बैठकर इस कार्य को गति देगी जिसमें प्रमुख रूप से रामावतार अग्रवालद्व अमरलाल अग्रवाल ठेकेदार। सुरेश अग्रवाल बाघ बीड़ी। अशोक खेतान। मुकेश अग्रवाल साइ कंप्यूटर एवं हरिओम अग्रवाल शामिल हैं।बैठक के दौरान जहां उपस्थित सदस्यों ने अग्रवाल सभा के संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में अपने-अपने सुझाव दिए तो वहीं अग्रवाल सभा शक्ति के पूर्व अध्यक्ष रामअवतार अग्रवाल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि रायपुर में अग्रवाल सभा द्वारा आयोजित परिचय सम्मेलन एवं अग्र धरोहर पत्रिका का प्रकाशन करना एक अच्छा कार्य है। तथा शक्ति में भी अग्रवाल समाज एक लंबे समय से सेवा एवं रचनात्मक कार्य कर रहा है एवं हम सभी इसी तरह से समाज के सभी कार्यों में सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी करें। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों के सुझावों के आधार पर आने वाले दिनों में इस कार्य को गति देने एवं अग्रवाल सभा शक्ति की नवीन कार्यकारिणी गठन का अधिकार श्यामसुंदर अग्रवाल को दिया गया। बैठक के दौरान सुधीर अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल अधिवक्ता ने भी अपने सुझाव देते हुए कहा कि अग्रवाल सभा के संगठन को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक अग्रवाल परिवारों से सदस्यता अभियान के कार्य को गति दिया जाए जिससे हमारा समाज और अधिक मजबूत हो सके वही आदित्य अग्रवाल राजा ने शहर में कन्या भवन को लेकर भी अपने सुझाव दिए जिस पर अग्रवाल सभा अध्यक्ष श्याम सुंदर ने बताया कि आने वाले दिनों में शीघ्र ही कन्या भवन के निर्माण कार्य को गति मिलेगी तथा शक्ति शहर के प्रतिष्ठित समाजसेवी परिवार सेदुराम अग्रवाल के सुपुत्र पवन अग्रवाल द्वारा इस दिशा में पहल की गई है।

मनोकामना ज्योति कलश प्रज्जवलन से चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ

मुंगेली/नवप्रदेश। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर नगर और ग्रामीण अंचलों के प्रमुख देवी मंदिरों में नवरात्रि पर्व का भव्य शुभारंभ मनोकामना ज्योति कलश प्रज्जवलन के साथ किया।

पर्व की शुरुआत प्रातः काल से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के साथ हुई, जहां लोग मां शक्ति की आराधना में जुटे और परंपरागत विधि अनुसार मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की मंगलकामना की। नवरात्रि के पहले दिन से ही धार्मिक अनुष्ठान और पूजा के साथ श्री दुर्गा सप्तशती का पाठ भी वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शुरू कर दिया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं का उत्साह देखने लायक रहा, जो पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा-अर्चना में सम्मिलित हुए। चैत्र नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा के दौरान विशेष रूप से बेलपत्र, दूर्वा, श्रीफल, सुपारी, पान, पंचमेवा, पंचामृत और चुनरी का महत्व माना जाता है। घरों और मंदिरों में शक्ति उपासना के लिए विशेष मुहूर्त में घटस्थापना की गई। नगर के मध्य स्थित महामाया मंदिर, दाऊपारा स्थित महामाया मंदिर, जय मां दुर्गा मंदिर, खर्रीपारा स्थित काली मंदिर, पंडरिया रोड स्थित शक्तिमाई मंदिर, सेतगंगा स्थित मां महामाया मंदिर और सुरदा स्थित महामाया मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। वहीं, कई स्थानों पर जंवारा बोने की परंपरा भी निभाई गई। नवरात्रि के साथ ही हिन्दू नववर्ष का आरंभ भी हो गया, जिसके लिए समाज के विभिन्न वर्गों ने अपनी-अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। युवा वर्ग भी नववर्ष के स्वागत के लिए उत्साहपूर्वक तैयारी कर रहा है। मंदिरों में आयोजित ज्योति कलश जलवाने की तैयारी में महामाया मंदिर दाऊपारा, सोनारपारा स्थित महामाया मंदिर, दुर्गा मंदिर, मल्हापारा स्थित महामाया मंदिर, खर्रीपारा स्थित काली मंदिर, पानी टंकी स्थित मां अंगार मोती माता मंदिर, पंडरिया रोड स्थित शक्तिमाई मंदिर, करही स्थित दुर्गा मंदिर, हथनी कला अष्टभुजी दुर्गा मंदिर और लोहड़िया स्थित महामाया मंदिर शामिल हैं। मंदिरों के व्यवस्थापक एवं पुजारी नवरात्रि पर्व की व्यवस्थाओं में पूरी तरह से जुटे हुए हैं। उन्होंने साफ-सफाई, सजावट और सुरक्षा के सभी प्रबंध सुनिश्चित किए हैं। इसके साथ ही, श्रद्धालुओं को भी स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का ध्यान रखने की सलाह दी जा रही है।

इस पर्व का उद्देश्य न केवल मां शक्ति की आराधना करना है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक एकता को भी बढ़ावा देना है।

न्यूज गैलरी

गैस आपूर्ति व्यवस्था पर सख्ती, अनियमितता पर होगी कड़ी कार्रवाई

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर ने जिले में उपभोक्ताओं को घरेलू गैस सिलेंडर की सुचारू एवं निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। इसके परिपालन में खाद्य विभाग द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि गैस वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जारी निर्देशों के अनुसार, घरेलू गैस सिलेंडर के स्थान पर वाणिज्यिक सिलेंडर का उपयोग करने वालों पर सख्ती से निगरानी रखी जाएगी। साथ ही जिले के सभी गैस एजेंसियों को निर्देशित किया गया है कि वे स्टॉक की नियमित समीक्षा करें और उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराएं। आवश्यक होने पर पोर्ट लाइन के माध्यम से भी गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य अधिकारी ने बताया कि आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान यदि कोई अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित एजेंसी या व्यक्ति के खिलाफविधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

नवागांव आंगनबाड़ी में कार्यकर्ता भर्ती 6 अप्रैल तक करें ऑनलाइन आवेदन

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले के ग्राम नवागांव (टे) में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र में कार्यकर्ता के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 06 अप्रैल तक वेबसाइट वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। परियोजना अधिकारी ने बताया कि नियम एवं शर्तों सहित अधिक जानकारी के लिए कार्यालय एकीकृत बाल विकास परियोजना मुंगेली 02 के सूचना पटल का अवलोकन किया जा सकता है।

लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी दोपहर में बाहर निकलने से बचें

मुंगेली/नवप्रदेश। गर्मी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने आम नागरिकों के लिए लू (हीट वेव) से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में नागरिकों से अपील की गई है कि वे दोपहर 12 बजे से 03 बजे के बीच अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें तथा विशेष सावधानी बरतें। जारी दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि घर से बाहर निकलते समय सिर को ढककर रखें और हल्के, ढीले एवं सूती कपड़े पहनें। अधिक से अधिक पानी पीते रहें तथा ओआरएस, नींबू पानी, लस्सी, छाछ जैसे तरल पदार्थों का सेवन करें, ताकि शरीर में पानी की कमी न हो। बच्चों और पालतू जानवरों को बंद वाहनों में न छोड़ने की भी विशेष हिदायत दी गई है। चक्कर आना, तेज सिरदर्द, उल्टी, बुखार या बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करें। लू लगने की स्थिति में व्यक्ति को छायादार स्थान पर लिटाकर शरीर को ठंडा करने तथा पानी पिलाने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही श्रमिकों, किसानों और धूप में कार्य करने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। उन्हें समय-समय पर विश्राम करने, छायादार स्थानों का उपयोग करने और पर्याप्त तरल पदार्थ लेने की सलाह दी गई है।

जवाहर नवोदय विद्यालय दाबो में कक्षा 6वीं चयन परीक्षा का परिणाम घोषित

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले के पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय दाबो में सत्र 2026-27 हेतु कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए आयोजित चयन परीक्षा 2026 का परिणाम घोषित कर दिया गया है। विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि इस परीक्षा में कुल 05 हजार 432 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, जिनमें से चयनित 40 छात्र-छात्राओं की अस्थायी (प्रोविजनल) सूची जारी की गई है। चयनित विद्यार्थियों के अभिभावक प्रवेश हेतु विद्यालय में आवश्यक दस्तावेजों के साथ सम्पर्क कर सकते हैं। जारी सूची में जानवी साहू, अर्नव सोनी, खिलेश्वरी, निमिश साहू, निशा कुर्रे, आलिया बर्मन, प्रिंस टोंडे, आदर्श ध्रुव, दवेश देव बर्मन, धनंजय सिंह कुशराम, दलेंद्र, अक्षांश कुर्रे, साक्षी साहू, दीक्षा, चूड़ामणि साहू, गुलशन कुमार साहू, गौरव जोगवंशी, ताम्रध्वज, विनय चतुर्वेदी, मोक्षराज राजपूत सहित अन्य विद्यार्थियों के नाम शामिल हैं।

जिले में 55 गौधाम के लिए आवेदन प्रथम चरण में 13 गौधामों का अनुमोदन

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में गोवंशीय पशुओं के संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभा कक्ष में जिला स्तरीय गौधाम समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष धनेश साहू ने की।

इस दौरान गौधाम संचालन, पशु प्रबंधन, अधोसंरचना विकास एवं विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में गौधाम हेतु स्थानों के चिन्हांकन, संचालन के लिए चयनित संस्थाओं के दायित्व, मानव संसाधन की व्यवस्था, चरवाहा एवं गौ सेवकों की नियुक्ति, पशु नस्ल सुधार कार्यक्रम तथा चारागाह विकास जैसे मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने गौधाम योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह योजना गोवंशीय पशुओं के संरक्षण के साथ-साथ उनके संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि इससे गोबर खाद सहित अन्य पशु उत्पादों की उपलब्धता बढ़ेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। कलेक्टर ने गौधाम संचालन में नियमित निरीक्षण, निर्धारित मापदंडों के अनुरूप मानव संसाधन चयन एवं चारागाह प्रबंधन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों के समीप गौधाम विकसित करने पर भी जोर दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने पशुओं की पहचान सुनिश्चित करने के लिए टैगिंग व्यवस्था को आवश्यक बताया, ताकि पशुओं के प्रति क्रूरता करने वालों पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके। वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडे ने गौधामों में चारे की समुचित व्यवस्था तथा पैरा संग्रहण के लिए बेहतर कार्ययोजना बनाने की बात कही। जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि गौधाम योजना से पशुओं के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ उचित व्यवस्थान सुनिश्चित होगा। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. आर.एम. त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि गौधाम योजना के तहत निराश्रित पशुओं के लिए शेड, पानी, बिजली एवं चारागाह जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 55 गौधाम के लिए आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से प्रथम चरण में 13 गौधामों के संचालन हेतु प्रस्ताव अनुमोदित कर आगे की कार्रवाई के लिए प्रेषित किया गया है। बैठक में विभिन्न ग्रामों में आवश्यकता अनुसार गौधाम हेतु भूमि चिन्हांकन पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर गौधाम समिति के सदस्य एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य केंद्र में माहवारी स्वच्छता पर जागरूकता

मुंगेली/नवप्रदेश। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पदमपुर में किशोर स्वास्थ्य एवं वेलनेस दिवस के अवसर पर माहवारी स्वच्छता विषय पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किशोरियों को मासिक धर्म से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी गई, साथ ही उन्हें स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं आत्मसम्मान के प्रति जागरूक किया गया। डॉ मनीष बंजारा ने बताया कि माहवारी कोई बीमारी नहीं, बल्कि एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसे समझने और अपनाने की आवश्यकता है। कई बार जानकारी के अभाव और सामाजिक संकोच के कारण किशोरियां आवश्यक सावधानियां नहीं रख पातीं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य इसी संकोच को दूर कर एक सकारात्मक सोच विकसित करना रहा। इस अवसर पर उपस्थित किशोरियों को स्वच्छ सैनिटरी नैपकिन के उपयोग, नियमित साफ-सफाई, संतुलित आहार एवं संक्रमण से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। माहवारी स्वच्छता के प्रति जागरूकता न केवल स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है, बल्कि आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को भी मजबूत करती है। इस अवसर पर मिथलेश राठौर, सुनीता मिरि, जलेश्वरी मिरि, मोनिका जांगड़े, सुधा, त्रिवेणी किशोर, संतोष, अंकिता एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं से मरीजों को राहत

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला चिकित्सालय में उपलब्ध विशेषज्ञ सेवाओं और त्वरित उपचार से मरीजों को लगातार बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं, जिससे आमजन को बड़ी राहत मिल रही है। इसी कड़ी में चिकित्सकों की सतर्कता और कुशल उपचार से कबीरधाम जिले के ग्राम प्रतातपुर की 80 वर्षीय श्रीमती आरती भास्कर का सफ्लतापूर्वक कूल्हा प्रत्यारोपण किया गया। आरती ने बताया कि करीब तीन माह पूर्व घर पर स्नान करते समय गिरने से उनके कूल्हे की हड्डी टूट गई थी। इसके बाद से वह लगातार बिस्तर पर थीं और चलने-फिरने में असमर्थ थीं। स्थिति गंभीर होने पर उन्हें जिला चिकित्सालय मुंगेली लाया गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच के बाद ऑपरेशन की सलाह दी गई। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. एम.के.रॉय ने बताया कि 14 मार्च को अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में अनुभवी टीम द्वारा सफ्लतापूर्वक कूल्हा प्रत्यारोपण सर्जरी की गई। इस जटिल ऑपरेशन में एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. राजेश कुमार वेलदार, ओटी स्टाफ तथा अन्य सहयोगी कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पूरी प्रक्रिया वरिष्ठ चिकित्सकों के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है और वह धीरे-धीरे स्वस्थ हो रही हैं। इस सफ्ल उपचार से न केवल मरीज को नया जीवन मिला, बल्कि उनके परिजनों में भी खुशी की लहर है।

बच्चों के स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में बच्चों को निमोनिया जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने और समय पर उपचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'सांस' कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिला मुख्यालय स्थित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित इस दो दिवसीय प्रशिक्षण में प्रशिक्षण सत्र में मास्टर ट्रेनर के रूप में डॉ. शीला साहा, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप जायसवाल तथा चिकित्सा अधिकारी डॉ. मणिलाल भास्कर ने सहभागियों को मार्गदर्शन दिया। जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों से आए सीएचओ को निमोनिया की रोकथाम, पहचान एवं प्रबंधन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य बच्चों में होने वाले निमोनिया के मामलों की शीघ्र पहचान कर समय पर प्रभावी उपचार सुनिश्चित करना रहा। इस दौरान 'सांस' कार्यक्रम के उद्देश्यों, क्रियान्वयन प्रक्रिया, बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारियों की पहचान एवं उपचार के तरीकों पर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने उपस्थित सीएचओ को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दें।

अवकाश के दिनों में भी खुलेंगे पंजीयन कार्यालय, 31 मार्च तक रहेगा काम

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। राज्य में राजस्व संग्रह को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से पंजीयन विभाग द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। कार्यालय महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी निर्देशानुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम दिनों में पंजीयन कार्य बाधित न हो, इसके लिए अवकाश के दिनों में भी पंजीयन कार्यालय खुले रहेंगे। जारी आदेश के अनुसार मार्च माह के निम्नलिखित 22 मार्च 2026 (रविवार) 28 मार्च 2026 (शनिवार) 29 मार्च 2026 (रविवार) 31 मार्च 2026 (महावीर जयंती)शासकीय अवकाश के दिनों में भी पंजीयन कार्यालयों में नियमित रूप से पंजीयन कार्य संपादित किया जाएगा। विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टरों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि उक्त तिथियों में कार्यालय खुला रखना सुनिश्चित करें तथा आवश्यक व्यवस्थाएं बनाए रखें। इसके साथ ही बैंकों को भी 31 मार्च 2026 तक लेन-देन जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

11 सूत्रीय मांगों को लेकर कर्मचारी फेडरेशन ने सौंपा ज्ञापन

मुंगेली/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय आह्वान पर मोदी के गारंटी अनुसार जुलाई 2016 से लंबित डीए एरियर्स की राशि कर्मचारियों के जीपीएफ खाते में समायोजित किया जाएं। पिंगुआ कमेटी रिपोर्ट सार्वजनिक कर लागू किया जावे, प्रदेश के शिक्षकों की प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना करते हुए समस्त सेवा लाभ दिया जाए, सहायक शिक्षको एवं सहायक पशु-चिकित्सक अधिकारीयों को भी त्रिस्तरीय समयमान वेतनमान दिया जाय, प्रदेश में अनुकंपा नियुक्ति निशर्त लागूं करने स्थायी आदेश जारी किया जावे, प्रदेश पंचायत सचिवों के शासकीय करण किया जाए एवं नगरीय निकाय के कर्मचारीयों को नियमित मासिक वेतन एवं समयबद्ध पदोन्नति दिया जाए, प्रदेश के विभिन्न विभागों में सेटअप पुनरीक्षित नहीं होने कारण अधिकारीयों एवं कर्मचारियों कि कमी को देखते हुए सभी विभाग में सेवानिवृत्त आयू 65 वर्ष किया जावे एवं दैनिक वेतन भोगी अनिश्चित, संविदा नियुक्ति तत्काल बंद किया जाए , समस्त विभागों में रिक्त पदों पर अतिशीघ्र भर्ती हेतु अनुमति दी जाय। उक्त ज्ञापन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला फेडरेशन संरक्षक अवधेश शुक्ला, जिला संयोजक जे एस ध्रुव, जिला उपसंयोजक बिन्दु भास्कर, जिला महासचिव एस ए रिजवी जिला प्रवक्ता अत्री प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार वर्मा,सह संयोजक आर के वैष्णव, छत्तीसगढ़ कर्मचारी कांग्रेस अध्यक्ष अश्वनी बंजारे, नगरीय निकाय डिप्लोमा संघ के प्रदेश अध्यक्ष विद्या नंद यादव, नगरीय निकाय प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश तिवारी, जिला अध्यक्ष देवेंद्र देवांगन,पी एल दिवाकर, जेपी साहू विनोद राजपूत, धर्मेन्द्र निर्मलकर, दिनेश निर्मलकर, फूलचंद यादव, भोला देव ध्रुव, आकाश दत्ता, अरविंद पान्डेय, प्रतिक पांडेय, भुवन डिडोरे, राजेन्द्र कश्यप, संजीव द्विवेदी, सिया राम साहू, कोयल भास्कर, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

पेज 1 का शेष...

जमीनी स्तर पर केंद्रीय बलों...

बन जाते हैं। सीएपीएफ कैडर अधिकारियों के साथ यह भेदभाव सही नहीं है। बता दें कि छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ, आईटीबीपी, बीएसएफ, एसएसबी और सीआईएसएफ के जवान और अफसर बड़ी संख्या में तैनात हैं। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (5 सीएपीएफ) के संदर्भ में एक गंभीर सच्चाई यही है कि जो मैदान में लड़ रहा है, वही ठहर गया है और जो नीति बना रहा है, वह मैदान में नहीं है।

क्या है मसला? : सीएपीएफ में मुख्य विवाद कैडर अधिकारियों के देरी से होने वाले प्रमोशन और आईपीएस अधिकारियों के डेपुटेशन से जुड़ा हुआ है। मसला लंबे समय से चल रहा है, लेकिन मार्च 2026 से यह फिर से गर्मा गया है। सीएपीएफ अधिकारियों के इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाने वाले अलायंस ऑफ ऑल एक्स-पैरा-मिलिट्री फोर्सेज असोसिएशन के अध्यक्ष और सीआरपीएफ से रिटायर्ड एडीजी एच. आर. सिंह का कहना है कि करीब 13 सालों की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद 23 मई 2025 को सुप्रीम कोर्ट से हमारे फेवर में फैसला आया। इसके बावजूद सरकार ने रिव्यू पिटीशन दायर कर दी। जिसे चीफ जस्टिस की पीठ ने 28 अक्टूबर, 2025 को निराधार मानते हुए खारिज कर दिया। फिर भी गृह मंत्रालय ने निर्धारित छह महीने की अवधि में निर्णय को लागू करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया।

सीएपीएफ एसोसिएशन ने दायर की अवमानना याचिका : परिणामस्वरूप, सीएपीएफ अधिकारियों को अवमानना याचिका दायर करनी पड़ी। जिसकी सुनवाई 10 फरवरी और 10 मार्च 2026 को हुई। अंतिम सुनवाई के दिन अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने एक हलफनामा प्रस्तुत कर बताया कि सरकार वैधानिक हस्तक्षेप पर विचार कर रही है। यह स्पष्ट संकेत देता है कि सरकार 23 मई, 2025 के सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को लागू करने से बचना चाहती है। अब अगली सुनवाई की तिथि 18 मार्च 2026 से बदलकर 1 अप्रैल 2026 कर दी गई है। साथ ही यह भी कि मंत्रिमंडल ने सीएपीएफ ([illegible]) बिल 2026 को स्वीकृति दे दी है। जिसे वर्तमान संसद के बजट सत्र में प्रस्तुत किया जा सकता है। इससे सरकार सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को निष्प्रभावी करने की योजना बना रही है। जो की सही नहीं है।

छत्तीसगढ़ में जबरन और...

अधिनियम 1968 में धर्मांतरण उपरांत मात्र जिला मजिस्ट्रेट को सूचना देना प्रावधानित है। छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम 1968 में जबरन धर्मांतरण को एक संज्ञेय एवं जमानतीय अपराध बनाया गया है। जबरन धर्मांतरण के लिए साधारण दण्ड का प्रावधान है।

छत्तीसगढ़ की भौगोलिक स्थिति, सामाजिक, आर्थिक परिस्थिति एवं समय बीतने के साथ समाज में प्रौद्योगिकी तथा संचार के साधनों के विकास के कारण एक धर्म से दूसरे धर्म में परिवर्तन के लिए बल प्रयोग, लालच, कपटपूर्ण रीति को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए प्रचलित छत्तीसगढ़ धर्म स्वातन्त्र्य अधिनियम 1968 के प्रावधान वर्तमान परिदृश्य में अपर्याप्त हो जाने से एक व्यापक कानून बनाना आवश्यक हो गया है।

सामूहिक धर्मांतरण पर 10 साल की सजा : सामूहिक धर्मांतरण के मामलों में सजा और कठोर होगी, जिसमें 10 साल से लेकर आजीवन कारावास और कम से कम 25 लाख रुपये जुर्माना का प्रावधान किया गया है. विधेयक के तहत आने वाले अपराध संज्ञेय और अजमानतीय होंगे, मामलों की सुनवाई विशेष न्यायालय में की जाएगी। विधेयक के मुताबिक, महिमामंडन कर, झूठ बोलकर, बल, अनुचित प्रभाव, प्रलोभन, दबाव, मिथ्या जानकारी या कपटपूर्ण तरीके से धर्म परिवर्तन कराना अवैध माना जाएगा और प्रतिबंधित होगा।

धर्मांतरण से पहले देनी होगी सूचना : यदि कोई व्यक्ति स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन करना चाहता है, तो उसे निर्धारित प्रक्रिया के तहत जिला मजिस्ट्रेट या सक्षम प्राधिकारी को पहले सूचना देनी होगी। प्रस्तावित धर्मांतरण की जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाएगी, और 30 दिनों के भीतर आपत्ति दर्ज कराने का प्रावधान होगा। विधेयक में प्रलोभन, प्रपीड़न, सामूहिक धर्मांतरण और डिजिटल माध्यम से धर्मांतरण जैसे शब्दों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि पैतृक धर्म में वापसी को धर्मांतरण नहीं माना जाएगा।

आरोपी एक छात्र, आगे...

कहा कि छात्र को झूठा फंसाया गया। जिस स्थान से शराब बरामद बताई गई वह घर के पीछे खुला क्षेत्र था, जहां से लोगों की आवाजाही होते रहती है। किसी ने शराब रख दी होगी, पुलिस ने उसे उसका बता दिया। अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता के पास से सचेत कब्जा साबित करने वाला कोई ठोस सबूत नहीं है। अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया, याचिकाकर्ता 12वीं का स्टूडेंट है और उसकी परीक्षाएं इसी महीने शुरू होने वाली हैं। राज्य शासन की ओर से पैरवी करते हुए महाधिवक्ता कार्यालय के लॉ अफसरों ने जमानत का विरोध करते हुए कहा, अभी आरोप-पत्र दाखिल नहीं हुआ। पुलिस द्वारा बरामद शराब की मात्रा अधिक है, इसलिए जमानत नहीं दी जानी चाहिए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने कहा, आरोपी याचिकाकर्ता एक छात्र है, कोई आपराधिक पृष्ठभूमि भी नहीं है। याचिकाकर्ता स्टूडेंट 22 फरवरी, 2026 से जेल में है। मुकदमे के जल्द समाप्त होने की संभावना नहीं है। मामले की सुनवाई के बाद चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने अपने फैसले में कहा है, स्टूडेंट की परीक्षा नजदीक है, पूर्व में भी उसके खिलाफ कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है और ना ही आपराधिक पृष्ठभूमि है। ऐसे में उसे नियमित जमानत दिया जाना उचित है। हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता छात्र को सशर्त जमानत दे दी है।

भाजपा की पहली लिस्ट में...

साथ मार्घेरिटा सीट से अपनी उम्मीदवारी वापस ले रहा हूं। यहां के लोगों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उम्मीदवार को लेकर स्पष्टता और भरोसा मिलना चाहिए। मैं पार्टी का सदस्य बना रहूंगा और नेतृत्व जो जिम्मेदारी देगा, उसे निभाऊंगा।

मरीज को अस्पताल पहुंचाने खाट...

बड़ा सवाल यही है कि आखिर कब तक ग्रामीणों को अपनी जान जोखिम में डालकर इलाज के लिए संघर्ष करना पड़ेगा? क्या यह सिस्टम की नाकामी है या जिम्मेदारों की लापरवाही? और आखिर कब बदलेगी इन दूरस्थ गांवों की तस्वीर?

संक्षिप्त खबरें

48 निजी अस्पतालों को नोटिस 5 अस्पतालों का लायसेंस निरस्त

दुर्ग/नवप्रदेश। जिले में संचालित 124 निजी अस्पतालों के निरीक्षण के बाद निरीक्षण टीम द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुरूप 48 अस्पतालों में कमी पाई गई। सभी 48 अस्पतालों को छत्तीसगढ़ राज्य उपचर्यागृह तथा रोगोपचार संबंधी अनुज्ञापन अधिनियम 2010 एवं नियम 2013 के तहत स्पष्टीकरण 30 दिवस के भीतर प्रस्तुत किये जाने हेतु कलेक्टर द्वारा नोटिस जारी किया गया है। इनमें से पांच अस्पतालों का लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अभिजीत के निर्देश पर नर्सिंग होम अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत तथा आयुष्मान योजना के अंतर्गत एम्पेनल्ड दुर्ग जिले के सभी निजी अस्पतालों का भौतिक निरीक्षण करने चार टीमों का गठन किया गया था। निर्धारित चेक लिस्ट अनुसार निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने प्रत्येक टीम में स्थानीय नगरीय निकाय, जिला आयुष कार्यालय, स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि व अन्य सदस्य शामिल थे।

तेज रफ्तार कार ने 4 बाइकों को मारी टक्कर, युवक की मौत, दो गंभीर

दुर्ग/नवप्रदेश। बोरी थाना क्षेत्र के लिटिया-सेमरिया चौकी इलाके में सेवती गांव के पास हर्री स्थित एक राइस मिल के सामने तेज रफ्तार कार ने चार बाइकों को टक्कर मार दी। बाइक पर सवार युवक अपने काम से लौट रहे थे। इसमें से एक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दो की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। हादसे में जगमोहन यादव उर्फ जग्गू (16 साल) समेत कई युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत घायलों को संभाला और अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की। घटना के समय सरकारी एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची, जिसके कारण घायलों को प्राइवेट एंबुलेंस की मदद से अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने सभी घायलों का इलाज शुरू किया, लेकिन जगमोहन यादव की इलाज के दौरान मौत हो गई।

भिलाई में केनाल रोड के विरोध में चक्काजाम

भिलाई/नवप्रदेश। नंदिनी रोड से कोहका तक प्रस्तावित केनाल रोड को लेकर स्थानीय लोगों का विरोध तेज हो गया है। प्रशासन की ओर से सड़क निर्माण के लिए जिस जगह तक रोड बनना है, वहां मार्किंग कर दी गई है। कई घरों का बड़ा हिस्सा इस निर्माण में आने के कारण लोग परेशान हैं। बुधवार को बड़ी संख्या में स्थानीय लोग परदेशी चौक, रामनगर में एकत्रित हुए और विरोध जताया। कुछ देर के लिए चक्काजाम कर यातायात को बाधित किया गया। लोगों ने मांग करते हुए कहा कि सड़क की चौड़ाई 30 फीट से घटाकर 15 फीट कर दी जाए। इलाके में पहले से ही सामने रोड मौजूद है, ऐसे में बगल में इतनी चौड़ी नई सड़क बनाने की जरूरत नहीं है।

अफीम बेचते हुए एक गिरफ्तार

भिलाई/नवप्रदेश। कुम्हारी थाना क्षेत्र में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अफीम बेचने के आरोप में 70 वर्षीय बुजुर्ग को गिरफ्तार किया। आरोपी लंबे समय से अवैध रूप से अफीम की बिक्री कर रहा था। आरोपी के पास से 403 ग्राम अफीम, 14 लाख 46 हजार रुपए नकद और दो मोबाइल बरामद किए गए है। कुल जब्ती की कीमत करीब 16 लाख रुपए आंकी गई। पुलिस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम खारुन ग्रीन कॉलोनी गेट नंबर-02 पहुंची। घेराबंदी कर संदिग्ध को पकड़ा गया।

साइंस कॉलेज में पार्किंग की जगह को लेकर आंदोलन

दुर्ग/नवप्रदेश। साइंस कॉलेज में छात्रों की पार्किंग समस्या को लेकर एनएसयूआई ने सत्याग्रह आंदोलन शुरू कर दिया है। कॉलेज में वाहनों की बढ़ती संख्या और पार्किंग की कमी को देखते हुए आंदोलन किया जा रहा है। छात्रों का कहना है कि कॉलेज में पढ़ने वाले हजारों छात्रों के लिए पार्किंग की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है, जिससे रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ता है।

599 नग सिलेंडर और 2841 किग्रा एलपीजी जब्त

दुर्ग/नवप्रदेश। घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति और वितरण को निर्बाध रूप से बनाये रखने के लिए जिले में निरंतर छापेमारी की कार्यवाही की जा रही है। जांच के क्रम में ग्राम पंचायत रसमड़ा के बोरई इंडस्ट्रियल ग्रोथ सेंटर में स्थित पापुशा गैसेस प्रा लि की आकस्मिक जांच जिला खाद्य कार्यालय के अधिकारियों द्वारा की गई। सेंटर में कॉन्फिडेंस पेट्रोलियम इंडिया लिमिटेड द्वारा 2 विभिन्न ब्रांडों गो गैस और गैस प्वाइंट के नाम से गैस सिलेंडरों की सप्लाई उपभोक्ताओं को डीलर के माध्यम से की जाती है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली से भिन्न समानांतर विपणन प्रणाली के रूप में पापुशा गैसेस प्रा.लि. और कॉन्फिडेंस पेट्रोलियम इंडिया लिमिटेड द्वारा कार्य किया जाना पाया गया।

खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया ने बताया कि फर्म की जांच में कुल 599 गैस सिलेंडर पाए गए। गैस सिलेंडरों में रिफिलिंग के लिए 3 बुलेट भी मिले। इसमें 2841 किग्रा एलपीजी भंडारित पाया गया। जांच के समय फर्म में विभिन्न सिलेंडरों में पेंटिंग का काम किया जा रहा था। सिलेंडरों के नेट वेट, टेयर वेट और सिलेंडरों की एक्सपायरी डेट अंकित की जा रही थी।

इन कार्यों से संबंधित कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नही किया गया। फर्म के द्वारा प्रस्तुत स्टाक पंजी और भौतिक सत्यापन में अंतर पाया गया। फर्म के मैनेजर ने बताया कि अतुल रबर को डीलर के रूप में उनके द्वारा सप्लाई की जाती है, डीलर के वैधता या करार किये जाने आदि के संबंध में कोई भी दस्तावेज नही दिया गया। फर्म का समानांतर विपणनकर्ता के रूप में कार्य करना पाया गया। फर्म द्वारा इस संबंध में कोई जानकारी नही दी गई और न ही रेटिंग प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया।

फर्म द्वारा कलेक्टर दुर्ग को किसी प्रकार की जानकारी नहीं दी जा रही है। इस प्रकार पापुशा गैस प्रा. लि. रसमड़ा और कान्फिडेंस पेट्रोलियम इंडिया लिमिटेड द्वारा द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय और वितरण विनियमन) आदेश 2000 की विभिन्न कंडिकाओं जैसे- एलपीजी के विक्रय का अप्राधिकृत कारोबार करने, द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस उपस्करों के कब्जा, कार्यस्थल पर स्टाक और कीमत को प्रदर्शित नही करने, रजिस्टर का सही लेखा नही रखने, रेटिंग प्रमाण पत्र प्रस्तुत नही करना आदि का उल्लंघन पाये जाने पर 599 नग गैस सिलेंडर तथा 2841 किग्रा एलपीजी जप्त किया गया।

उरला में बनेगा 129 करोड़ का ट्रीटमेंट प्लांट

शिवनाथ नदी को प्रदूषण से बचाने निगम की बड़ी पहल

दुर्ग/नवप्रदेश। शहर की जीवनदायिनी शिवनाथ नदी को प्रदूषण से बचाने नगर निगम द्वारा बड़ी पहल की जा रही है। शंकर नाला और पुलगांव नाला के गंदे पानी का शुद्धिकरण कर नदी में छोडने के लिए उरला क्षेत्र में अत्याधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निर्माण किया जाएगा। आज महापौर अलका बाघमार ने प्रस्तावित निर्माण स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जल्द ही मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा एसटीपी निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान महापौर के साथ जल कार्य विभाग प्रभारी लीना दिनेश देवांगन, लोक कर्म विभाग प्रभारी देवनारायण चंद्राकर, पार्षद रेशमा सोनकर, सरस निर्मलकर, भवन अधिकारी प्रकाशचंद थवानी, उपअभियंता मोहित मरकाम मौजूद रहे। उन्होंने शंकर नाला के अंतिम छोर, उरला अटल आवास के पीछे शिवनाथ नदी और नाला संगम स्थल का जायजा लिया।

लगभग 5 एकड़ क्षेत्र में बनने वाले इस प्रोजेक्ट को लेकर उन्होंने अधिकारियों को भूमि की सुरक्षा, सीमांकन व अन्य प्रारंभिक व्यवस्थाएं जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। एसटीपी प्लांट के लिये राज्य शासन की स्वीकृति मिलने पर चेन्नई की एक कंपनी को लगभग 129 करोड़ रुपए की लागत से कार्य का वर्क ऑर्डर जारी कर दिया गया है।

रूंगटा पब्लिक स्कूल में नन्हे विद्यार्थियों का उत्साहपूर्वक दीक्षांत समारोह आयोजित

भिलाई/नवप्रदेश। संजय रुंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट भिलाई द्वारा संचालित रुंगटा पब्लिक स्कूल में 14 मार्च को प्री-प्राइमरी कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए दीक्षांत समारोह उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि संजय रुंगटा का स्वागत विद्यालय परिवार द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम प्री-प्राइमरी कोऑर्डिनेटर सोनू पाटनी ने स्वागत भाषण दिया। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर सभी का अभिनंदन किया। एकल गीत की सुंदर प्रस्तुति के साथ एलकेजी और यूकेजी के विद्यार्थियों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।

इस अवसर पर यूकेजी के विद्यार्थियों को सैश और प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यूकेजी के विद्यार्थियों के साथ ग्रुप फोटो लिया गया। समारोह के दौरान अंतरशालेय विभिन्न प्रतियोगिताओं में द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया। प्राचार्या दीप्ति सिंग ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन, परिश्रम और अच्छे संस्कारों का महत्व बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सेवानिवृत्ति के 6 माह बाद भी जीपीएफ का भुगतान नहीं, शिक्षिका ने लगाई गुहार

भिलाई की सुंदर विहार कॉलोनी में सीवरेज समस्या से लोग परेशान, सड़क पर बह रहा गंदा पानी

दुर्ग/नवप्रदेश। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान व निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही करने कहा। जनदर्शन में डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव भी उपस्थित थे।

जनदर्शन के दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह ने अनेक आवेदनों पर त्वरित संज्ञान लिया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को फोन कर प्रकरणों की जानकारी ली और तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। चंदखुरी ग्राम के वार्ड क्रमांक 6 और 7 के निवासियों ने हर घर नल-जल योजना के तहत पाइपलाइन कार्य न होने पर नाराजगी जताई। अमृत मिशन योजना के तहत गांव के कई वार्डों में पाइप-लाइन बिछाकर घर-घर कनेक्शन दिए जा रहे हैं, लेकिन उनके वार्ड को अब तक इस योजना से वंचित रखा गया है। गर्मी के मौसम में पानी की समस्या और भी गंभीर हो जाती है, जिससे उन्हें आस-पास के वार्डों से पानी लाना पड़ता है। कलेक्टर ने पीएचई विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। सेवानिवृत्ति शिक्षिका ने छह माह बाद भी जीपीएफ का भुगतान न होने की शिकायत की। धमधा विकासखंड से 30 सितंबर 2025 को सेवानिवृत्त होने के बाद भी उच्च श्रेणी शिक्षिका को उनकी सामान्य भविष्य निधि की राशि का भुगतान नहीं किया गया है। कई बार संबंधित विभागों को लिखित व मौखिक आवेदन देने के बावजूद कार्यवाही नहीं हुई है। शिक्षिका का कहना है कि महालेखाकार रायपुर से स्वीकृति मिलने के बावजूद भुगतान लंबित है। उन्हें अपने पति के इलाज के लिए ब्याज पर पैसा उधार लेना पड़ रहा है। उनके पति की बायपास सर्जरी हो चुकी है और वर्तमान में रायपुर के अस्पताल में इलाज जारी है। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को परीक्षण कर तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने कहा।

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर
(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है -

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक / दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	186824 द्वितीय आमंत्रण 06.03.2026	दर्री धूमा सिलपहरी मार्ग के कि.मी. 1/2 से 6/8 (100) लंबाई 5.80 कि.मी. का निर्माण कार्य।	731.78
2	186850 प्रथम आमंत्रण 09.03.2026	जिला सुकमा के ग्राम पतिनाईकरास से धोवनपाल पुजारीपारा मार्ग लंबाई 2.09 कि.मी. पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य।	231.68
3	186847 द्वितीय आमंत्रण 09.03.2026	राजनांदगांव-बैलाडिला मार्ग के कि.मी. 176/6 से 193/10 कुल 16.60 कि.मी. (गढ़बेंगाल से धौड़ाई-छोटेडोंगर मार्ग भाग-01) में सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण कार्य पुल पुलिया सहित।	5179.40
4	186853 द्वितीय आमंत्रण 09.03.2026	राजनांदगांव - बैलाडिला मार्ग के कि.मी. 194/2 से 209/10 कुल 16.00 कि.मी. (गढ़बेंगाल से धौड़ाई-छोटेडोंगर मार्ग भाग-02) में सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण कार्य पुल पुलिया सहित।	5193.29
5	186884 द्वितीय आमंत्रण 09.03.2026	मेनरोड से डूमरसिंघा तक पहुंच मार्ग लंबाई 2.20 कि.मी. का निर्माण कार्य।	224.41
6	186985 द्वितीय आमंत्रण 09.03.2026	डी-3 माईनर केनाल से गाडापुल मेनरोड नथेलापारा से दाऊपारा मेनरोड तक मार्ग लंबाई 3.025 कि.मी. का निर्माण कार्य।	351.78
7	187012 द्वितीय आमंत्रण 11.03.2026	जिला बलौदाबाजार भाटापारा के गुर्रा में जोगीदीप मार्ग लंबाई 2.00 कि. मी. का निर्माण कार्य।	214.37
8	186987 प्रथम आमंत्रण 11.03.2026	जगदलपुर केन्द्रीय जेल में 06 नग बैरक (फैक्ट्री बैरक (जी.एफ./एफ. एफ. एण्ड II एफ. हाईसेल बैरक) (शेष कार्य) विद्युतीकरण सहित।	241.19
9	186977 प्रथम आमंत्रण 11.03.2026	जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान कांकेर के लिए DIETs of Excellence हेतु उन्नयन कार्य का जमा मद के अन्तर्गत निर्माण कार्य।	314.21
10	187035 प्रथम आमंत्रण 11.03.2026	जिला कोण्डागांव के ग्राम पंचायत तोरण्डी केरापदर से सोड़ामा मार्ग लंबाई 4.20 कि.मी. पुल-पुलिया सहित डामरीकरण निर्माण कार्य ।	442.44
11	187037 तृतीय आमंत्रण 11.03.2026	जिला निर्माण समिति मद अंतर्गत छिन्दनार से कौरगांव मार्ग में हान्दावाड़ा नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य, जमा मद ।	573.01
12	187041 छटवां आमंत्रण 11.03.2026	जिला बिलासपुर के तखतपुर बरेला के मध्य मनियारी नदी पर उच्चस्तरीय जलमग्नीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	317.76
13	187039 प्रथम आमंत्रण 11.03.2026	जिला बस्तर के हाटगुडा हल्बाकचोरा आड़ावाल मार्ग कि.मी. 1 से 4 = 3.90 कि.मी. का मजबूतीकरण का निर्माण कार्य।	294.21
14	187045 चतुर्थ आमंत्रण 12.03.2026	जिला मुंगेली के सुरजपूरा बुधवारा मार्ग में आगर नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	271.99
15	187046 चतुर्थ आमंत्रण 12.03.2026	जिला दन्तेवाड़ा के बुरगम समेली मार्ग के कि.मी. 3/6 मलगेर नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	367.10
16	187079 द्वितीय आमंत्रण 12.03.2026	जिला गरियाबंद के जटियातोरा-सेंदबहरा मार्ग के बेन्द्रा नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	434.61
17	187096 प्रथम आमंत्रण 12.03.2026	जिला कबीरधाम के एन.एच.-30 के कि.मी. 50 से 57.80 कुल लंबाई 7.80 कि.मी. फोरलेन में डिवाईडर निर्माण सहित उन्नयन एवं चौड़ीकरण का कार्य।	4737.93
18	187101 प्रथम आमंत्रण 12.03.2026	जिला दुर्ग के पाटन-मोतीपुर अमलेश्वर रायपुर मार्ग में खारून नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	1785.45

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क्र. 11 से सं.क्र. 12, सं.क्र. 14 से सं.क्र. 15 दिनांक 23.03.2026, सं.क्र. 01 दिनांक 25.03.2026 सं.क्र. 16 दिनांक 30.03.2026, सं.क्र. 02, सं.क्र. 08 से स.क्र. 09, सं.क्र. 13 दिनांक 01.04.2026, सं.क्र. 17 से सं.क्र. 18 दिनांक 06.04.2026 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 27.03.2026 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

जी-252607250/5

हिन्दू नववर्ष पर सेक्टर 9 चौक पर होगा विशाल ध्वजारोहण

■ **भव्य महाआरती के साथ सामूहिक हनुमान चालीसा का भी आयोजन**

भिलाई नगर/नवप्रदेश। विक्रम संवत हिंदू नववर्ष 2083 के पावन अवसर पर श्रीराम जन्मोत्सव समिति भिलाई द्वारा 19 मार्च को शाम 4 बजे सेक्टर-9 चौक में विशाल ध्वजारोहण, सामूहिक हनुमान चालीसा, भव्य महाआरती और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर समिति ने तैयारियाँ पूरी कर ली हैं और नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

समिति के युवा विंग अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने बताया कि हिंदू नववर्ष का यह पर्व सनातन संस्कृति और परंपराओं को जीवंत करने का अवसर है। ध्वजारोहण, सामूहिक हनुमान चालीसा और महाआरती के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं और धर्मप्रेमी बंधुओं को एकजुट कर उत्साह, ऊर्जा और आस्था के साथ नववर्ष का स्वागत किया जाएगा। समिति का उद्देश्य है कि आयोजन के माध्यम से समाज में एकता और धार्मिक आस्था का संदेश दिया जाए।

पाण्डेय ने कहा कि हिंदू नववर्ष केवल कैलेंडर का बदलाव नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिकता का उत्सव है। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से अपील की कि वे इस आयोजन में शामिल होकर अपनी ऊर्जा और उत्साह से वातावरण को और अधिक भव्य बनाएँ।

नवरात्रि आज से, सतरूपा शीतला मंदिर में जलेंगे आस्था और श्रद्धा के ज्योत

दुर्ग। सिविल लाइन कसारीडीह स्थित प्रसिद्ध मां सतरूपा शीतला मंदिर में चैत्र नवरात्रि का पर्व आस्था व श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। नवरात्र के पहले दिन 19 मार्च को शुभ मुहूर्त पर सुबह 11.36 बजे कलश स्थापना व ज्योत प्रज्जवलित किए जाएंगे। नवरात्रि पर इस वर्ष मंदिर में 1601 की संख्या में ज्योत प्रज्जवलित किए जाएंगे। यह मनोकामना ज्योत देश व विदेश के श्रद्धालुओं के नाम प्रज्जवलित होंगे।

नवरात्रि पर्व पर सतरुपा शीतला सेवा समिति द्वारा 9 दिनों तक (19 मार्च से 27 मार्च तक) धार्मिक कार्यक्रम के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। मां सतरुपा शीतला और ज्योत के दर्शन के लिए श्रद्धालु बड़ी संख्या में मंदिर में जुटते है। सतरुपा शीतला सेवासमिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू ने बताया कि मंदिर में चैत्र नवरात्रि पर्व के पहले दिन 19 मार्च को शुभ मुहुर्त पर सुबह 11.36 बजे कलश स्थापना व ज्योत प्रज्जवलित किए जाएंगे।

इंदिरा मार्केट के कुएं में कचरा फेंकने पर जुर्माना

दुर्ग/नवप्रदेश। नगर निगम द्वारा शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखने के लिए लगातार सख्ती बरती जा रही है। इंदिरा मार्केट स्थित कुएं का सौंदर्यीकरण करने के बाद यहां कचरा फेंकने के मामले को गंभीरता से लिया गया है। कुआं चौक के आसपास के दुकानदारों ने शिकायत की थी कि बंद कुएं में लगातार कचरा डाला जा रहा है। इससे गंदगी फैलने के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बढ़ रहे हैं। शिकायत मिलते ही नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग दुर्गेश गुप्ता ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके पर टीम भेजकर कुएं की सफाई कराई।

दुनिया को युद्ध की नही बुद्ध की जरूरत - अनिल मेश्राम

भिलाई। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय संगठक व छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल मेश्राम ने ईरान के साथ अमेरिका व इजराइल के जारी युद्ध पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस युद्ध से किसी का भला नहीं होगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर नुकसान ही होगा। युद्ध की शुरुआत से ही नुकसान हो रहा है। इस युद्ध से पूरी दुनिया में कच्चे तेल, एलपीजी गैस, पेट्रोल व डीजल जैसी रोजमर्रा की जरूरी चीजों के दाम बढ़ रहे हैं। भारत सहित अन्य देशों के नागरिक मंहगाई सहित भविष्य में उत्पन्न होने वाले अन्य प्रतिकूल प्रभावों को लेकर सशंकित व चिंताग्रस्त हो गए हैं।

विकास आयुक्त कार्यालय
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
विकास भवन, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)
(email Id: ce-res.raipur@gov.in)

// संक्षिप्त निविदा सूचना //

क्रमांक 686 / 1667-I/ग्रा.यां.सेवा/2014
नवा रायपुर, दिनांक 18/03/2026

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत ग्रामीण यांत्रिकी सेवा में राशि रू. 20.00 लाख से अधिक लागत के भवनों में वास्तुविदीय कार्य हेतु वास्तुविदों की सेवा देने के इच्छुक वास्तुविद / फर्मो से इम्पेनलमेंट हेतु दिनांक 02/04/2026 तक पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट द्वारा संक्षिप्त निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण विभाग की साईट http://res.cg.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है ।

प्रमुख अभियंता
जी- 252607273/5 पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग

कार्यालय नगर पंचायत दोरनापाल जिला - सुकमा (छ.ग.)
क्र./2241/लो.नि.वि./2025-26 दोरनापाल, दिनांक 18/03/2026
// मैनुअल पद्धति से निविदा आमंत्रण सूचना//

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु मैनुअल पद्धति से द्वितीय निविदा आमंत्रित की जाती है -

क्र.	कार्य का नाम	लागत राशि (लाख में)	धरोहर राशि	निविदा हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि
01	वार्ड क्र. 14 में ईन्टर लॉक कांक्रीट ब्लॉक कार्य सेवालाल मंदिर के पास	9.82	7365	06/04/2026
02	वार्ड क्र. 04 में ईन्टर लॉक कांक्रीट ब्लॉक कार्य कृष्ण मंदिर के पास	9.88	7410	
03	नाली में कव्हर प्लेट निर्माण वार्ड क्र . 02	5.48	4110	
04	वार्ड क्र . 12 में स्थित नगर पंचायत कार्यालय भवन का रेनोवेशन कार्य	7.00	5250	
05	आर.सी.सी. पुलिया निर्माण कार्य कामा पेद्दागुड़ा में वार्ड क्र. 15	8.00	6000	
06	वार्ड क्र. 13 में स्थित सांस्कृतिक भवन रेनोवेशन कार्य	9.92	7440	

टीप - उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु प्रत्येक कार्य के लिए पृथक-पृथक 100.00 रू. आवेदन शुल्क आवेदन पत्र के साथ जमा करनी होगी। आवेदन के साथ सम्पूर्ण दस्तावेज लगाना अनिवार्य है। दस्तावेज के अभाव में निविदा प्रपत्र प्रदाय नही किया जावेगा। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट www.uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है। शासकीय अवकाश होनें पर दूसरे दिन कार्य की जावेगी। (निकाय में पूर्व भाग लिए गए निर्माण कार्य (सी.सी. सड़क/आर.सी.सी. नाली या अन्य अप्रारंभ या अपूर्ण की स्थिति में ठेकेदार को भाग लेने का अधिकार नही होगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत दोरनापाल, जिला - सुकमा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर
जिला सरगुजा छ.ग.
ईश्तहार
लखनपुर दिनांक 11.03.2026

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम लहपटरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक महेन्द्र कुमार राजवाड़े आ.स्व. नाथूराम निवासी ग्राम लहपटरा द्वारा अपने माता बुधकुंवर की दिनांक 09.09.2013 को को मृत्यु होना बताते हुए जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ.ग. जन्म मृत्यु रजि. नियम 2001 के नियम 9 नियत (3) के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र हेतू आवेदक इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनांक 25.03.2026 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र में किसी को कोई आपत्ति हो तो वो न्यायालय की पेशी 25.03.2026 तक अपना दावा / आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

मुहर
तहसीलदार
लखनपुर

अपोलो ईएसआईसी पैनल में, कैंसर और हृदय रोग जैसी बीमारियों का मिलेगा कैशलेस इलाज

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए राहत की एक बड़ी खबर सामने आई है। क्षेत्रीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करते हुए अपोलो हॉस्पिटल्स, बिलासपुर ने अब कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के साथ आधिकारिक रूप से इम्पैनलमेंट (अनुबंध) कर लिया है।

इस महत्वपूर्ण गठबंधन के बाद, अब ईएसआईसी कार्ड धारक और उनके आश्रित परिजन अपोलो जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। लंबे समय से कर्मचारी संगठन मांग कर रहे थे कि गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए क्षेत्र में ही विश्वस्तरीय सुविधाएं सुलभ कराई जाएं, जिसे अब अमलीजामा पहना दिया गया है। अस्पताल प्रबंधन द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, ईएसआईसी लाभार्थियों को निम्नलिखित विशिष्टताओं में उच्च स्तरीय उपचार मिलेगा। पाठक इस नंबर को अपने मोबाइल में 'अपोलो रायगढ़ हेल्पलाइन' के नाम से तत्काल सेव कर लें। किसी भी प्रकार की मेडिकल इमरजेंसी, भर्ती प्रक्रिया की जानकारी या सहायता के लिए इस नंबर पर कॉल या मैसेज किया जा सकता है। यह सुविधा विशेष रूप से इसलिए शुरू की गई है ताकि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के मरीजों को अस्पताल पहुंचने से पहले ही पूरी जानकारी मिल सके और उन्हें अनावश्यक भाग-दौड़ न करनी पड़े।

प्रमुख स्वास्थ्य सेवाओं का मिलेगा लाभ

हृदय रोग संस्थान: कार्डियोलॉजी एवं कार्डियोथोरेसिक व वैस्कुलर सर्जरी ।

कैंसर उपचार: मेडिकल ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी।

सर्जरी विभाग: पीडियाट्रिक सर्जरी (बच्चों की सर्जरी), गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी, बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी (कॉस्मेटिक को छोड़कर)।

अन्य विशेषज्ञ सेवाएं: यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी, एमआरआई सेवाएं और सीजीएचएस के तहत सूचीबद्ध डेंटल प्रक्रियाएं।

रायगढ़, सक्ती और जशपुर के मरीजों के लिए विशेष सहायता केंद्र

रायगढ़, सक्ती और जशपुर जिले के मरीजों को बिलासपुर अपोलो अस्पताल जाने या वहां इलाज कराने में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए विशेष हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। अक्सर मरीजों को डॉक्टरों की उपलब्धता, ओपीडी समय या रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को लेकर संशय रहता है, जिसे दूर करने के लिए रायगढ़ के प्रतिनिधि का नंबर 7777879369 उपलब्ध कराया गया है।

कैशलेस इलाज और बेहतर सुलभता

ईएसआईसी के साथ इस अनुबंध का सीधा लाभ उन श्रमिकों और कर्मचारियों को मिलेगा जो बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा और चाम्पा जैसे औद्योगिक बेल्ट में कार्यरत हैं। अब तक गंभीर हृदय रोगों या कैंसर जैसी बीमारियों के लिए इन कर्मचारियों को रायपुर या अन्य बड़े महानगरों का रुख करना पड़ता था। अपोलो बिलासपुर में यह सुविधा शुरू होने से न केवल समय की बचत होगी, बल्कि इलाज में होने वाले आर्थिक बोझ से भी राहत मिलेगी।

न्यूज गैलरी

बिलासपुर- रायपुर और गोंदिया रूट की 14 ट्रेनें रद्द

बिलासपुर/नवप्रदेश। रेल यात्रियों की परेशानी एक बार फिर बढ़ने वाली है। जहां रेलवे ने एक बार फिर छत्तीसगढ़ से होकर गुजरने वाली 14 ट्रेन रद्द कर दी गई हैं। ये ट्रेनें 5 अप्रैल से 24 अप्रैल के बीच अलग-अलग तारीखों में नहीं चलेंगी। इनमें 10 एक्सप्रेस और 4 पैसेंजर ट्रेनें शामिल हैं, जिनमें बिलासपुर और रायपुर से गुजरने वाली कई ट्रेनें हैं। रेलवे के अनुसार, गोंदिया स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर मरम्मत और ट्रैक अपग्रेडेशन का कार्य किया जाना है। इस दौरान अप मेन लाइन नंबर 5 पर करीब 20 दिनों का ब्लॉक लिया जाएगा। सुरक्षा और कार्य की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए इस अवधि में ट्रेनों का संचालन संभव नहीं होगा। इसलिए इन्हें अस्थायी रूप से रद्द किया गया है। रद्द की गई एक्सप्रेस ट्रेन में 18030 - शालीमार-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस (4 अप्रैल से 24 अप्रैल), 18029 - लोकमान्य तिलक टर्मिनल-शालीमार एक्सप्रेस (6 अप्रैल से 26 अप्रैल), 18237 - कोरबा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस (5 अप्रैल से 25 अप्रैल), 18238 - अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस (7 अप्रैल से 27 अप्रैल), 12410 - हज़रत निजामुद्दीन-रायगढ़ गोंडवाना एक्सप्रेस (निर्धारित तारीखों में), 12409 - रायगढ़-हज़रत निजामुद्दीन गोंडवाना एक्सप्रेस (निर्धारित तारीखों में), 12101 - लोकमान्य तिलक टर्मिनल-शालीमार एक्सप्रेस (अलग-अलग तारीखों में),12102 - शालीमार-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस (अलग-अलग तारीखों में),12807 - विशाखापत्तनम-हज़रत निजामुद्दीन एक्सप्रेस (निर्धारित तारीखों में), 12808 - हज़रत निजामुद्दीन-विशाखापत्तनम एक्सप्रेस (निर्धारित तारीखों में) है।

बिनौरी सरपंच धीवर मछुआरा समाज के विधानसभा अध्यक्ष बने

बिलासपुर/नवप्रदेश। मस्तूरी राष्ट्रीय मछुवारा संघ के प्रदेश अध्यक्ष गायत्री गायग्वाल के निर्देशानुसार मछुवारा समाज में कार्य कुशल एवं समाज के प्रति कर्तव्य निष्ठा को देखते हुए मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत बिनौरी के सरपंच कमोद धीवर को राष्ट्रीय मछुवारा संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश में मस्तूरी विधानसभा अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया। संघ के पदाधिकारी ने कमोद धीवर से कहा कि आप अपने दायित्व का निर्वाह संघ के नियमों का पालन करते हुए करेंगे। आपसे अपेक्षा कि जाती है कि आपको सौंपे गए दायित्व का पूरा निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निर्वाह करते हुए। संगठन को और सशक्त बनाने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान देंगे। आप पद की गरिमा बनाए रखे। यह नियुक्ति पत्र 14 मार्च से आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। कमोद धीवर को मछुआरा समाज के विधानसभा अध्यक्ष बनाए जाने पर क्षेत्र के लोगों ने उन्हें पुष्प गुच्छ एवं बुके देकर उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

महामाया देवी मंदिर को 2 क्विंटल फूलों से सजाया, सुबह से ही श्रद्धालुओं का लगा तांता

नवरात्रि पर महामाया देवी मंदिर में घटस्थापना के साथ मनोकामना ज्योति कलश प्रज्जवलित

बिलासपुर/नवप्रदेश। चैत्र नवरात्रि की शुरुआत गुरुवार से हो गई है। बिलासपुर में भी देवी मंदिरों में उत्साह और भक्ति का माहौल है। श्रद्धालु सुबह से ही देवी दर्शन करने पहुंच रहे हैं। नवरात्र के पहले दिन देवी मंदिरों में विशेष-पूजा आराधना के बाद घटस्थापना की गई। इसके साथ ही मनोकामना ज्योति प्रज्जवलित किए गए।

नवरात्रि गुरुवार से शुरू होने के कारण माता दुर्गा का आगमन पालकी पर हुआ। इसे शुभ संकेत माना जाता है। इसके साथ ही अब पूरे नौ दिनों तक श्रद्धालु देवी माता की भक्ति में लीन रहेंगे। इस बार चैत्र नवरात्रि 19 मार्च से विशेष संयोगों के साथ शुरू हो रही है। 9 साल बाद ऐसा योग बना है, जब नवरात्रि के पहले दिन तिथि क्षय की स्थिति रहेगी और उदियात की अमावस्या तिथि रहेगी। गुरुवार सुबह 6:53 बजे तक अमावस्या और इसके बाद शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा शुरू हो गई है, जो अगले दिन शुक्रवार तड़के 4:52 बजे समाप्त हो जाएगी। ज्योतिषाचार्य के पं. जागेवर अवस्थी ने बताया कि इस बार राजा बृहस्पति होने से धार्मिक, शैक्षणिक क्षेत्र में कई सकारात्मक बदलाव दिखाई देंगे। साल की शुरुआत में सूर्य कुम, यूहस्पिति मिथुन और शनि मीन में रहेंगे। गुरु और मंगल के प्रभाव से से राजनीतिक क्षेत्र में कई परिवर्तन दिखाई देगे, सीमा पर तनाव दिखेगा। भारत में जनआंदोलन के संकेत भी ग्रह दे रहे हैं।

भैरव मंदिर में जले ज्योति कलश

नवरात्र के पहले दिन रतनपुर स्थित काल भैरव मंदिर में भी विशेष पूजा आराधना के साथ रुद्धाभिषेक किया गया। आचार्यों ने विधि-विधान से पूजा-पाठ के साथ मंत्रोच्चार किया और ज्योति कलश प्रज्जवलित किए। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल रहा। वहीं, सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के मंदिर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया।

विशेष पूजा-आराधना के साथ घटस्थापना

गुरुवार को अमावस्या के साथ प्रतिपदा में नवरात्रि का घटस्थापना होगा। धर्म शास्त्र और दैवी पुराण के अनुसार देवी पूजा का प्रारंभ प्रात:काल में ही श्रेष्ठ माना गया है। यही वजह है कि सुबह 6:53 से 10:36 तक घटस्थापना हुआ। इस दौरान देवी मंदिरों में विशेष अनुष्ठान्न के साथ देवी आराधना की गई। नवरात्र पर्व के पहले दिन सुबह से मंदिरों में भक्तों की भीड़ जुटी रही। शहर के सरकंडा स्थित पीतांबरा पीठ, तिफरा स्थित काली मंदिर, हरदेव लाल मंदिर, जरहाभाठा स्थित दुर्गा मंदिर, गायत्री मंदिर सहित देवी मंदिरों में श्रद्धालु सुबह से ही पहुंचने लगे। इस दौरान देवी माता की पूजा आराधना कर मनोकामना पूरी करने के लिए भजन-कीर्तन और जस-गीत के साथ ही दुर्गा सप्तसती पाठी, रामायण पाठ शुरू किया। वहीं, मंदिर परिसर जय माता दी के जयकारों से गूंजता रहा।

2 क्विंटल फूलों से सजा महामाया देवी का दरबार

रतनपुर स्थित महामाया देवी मंदिर को 2 क्विंटल फूलों से सजाया गया है। सुबह 5 बजे मां का दरबार खुला। इस दौरान पुरोहितों ने महामाया देवी का विशेष स्नान कराया, जिसके बाद 101 पंडितों ने विधि-विधान से पूजा आराधना कर शुभ मुहूर्त में घटस्थापना की गई। मंदिर में 25 हजार ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए। चैत्र नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री की उपासना की जा रही है। महामाया मंदिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। यहां जिले भर से श्रद्धालु मां का दर्शन करने पहुंच रहे हैं।

कलेक्टर-एसएसपी ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

नवरात्रि के पहले दिन से ही दूर-दूर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां महामाया के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं। इस वर्ष मंदिर में 25 हजार मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए हैं, जो श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का प्रतीक हैं। मंदिर परिसर में सुबह से ही जयकारों और भक्ति गीतों की गूंज सुनाई देती रही। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मंदिर ट्रस्ट और जिला प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था और सुविधाओं को लेकर विशेष इंतजाम किए गए हैं, ताकि भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। नवरात्रि के प्रथम दिन बिलासपुर कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं एसएसपी रजनेश सिंह ने मंदिर पहुंचकर मां महामाया के दर्शन किए और प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इसके बाद उन्होंने मंदिर परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ट्रैफिक व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के आवागमन और दर्शन में किसी प्रकार की बाधा न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। एसएसपी रजनेश सिंह ने बताया कि नवरात्रि के दौरान विशेषकर कालरात्रि के दिन भारी भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। साथ ही ट्रैफिक को सुचारू बनाए रखने के लिए रूट डायवर्जन की योजना भी लागू की जाएगी। इस अवसर पर ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह, कोटा एसडीओपी एवं रतनपुर प्रभारी आईपीएस अंकित जैन, कोटा एसडीएम सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे।

मधुबन-दयालबंद में एलपीजी की जमकर कालाबाजारी, 3सौ से अधिक सिलेंडर जब्त

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले में एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी और अवैध भंडारण के विरुद्ध खाद्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई की गई। शहर के मधुबन, दयालबंद क्षेत्र में मुक्तिधाम के पास की गई इस छापामार कार्रवाई में भारी मात्रा में घरेलू गैस सिलेंडर एवं संबंधित उपकरण जप्त किए गए। खाद्य नियंत्रक ने कहा कि अवैध भंडारण के खिलाफ कार्यवाही जारी रहेगी, उन्होंने लोगों से अपील की है कि जिले में एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है और बुकिंग नियमानुसार करें। खाद्य विभाग की टीम द्वारा की गई कार्यवाही में मौके पर पहुंचकर जांच के दौरान 14.2 किलोग्राम के 100 घरेलू गैस सिलेंडर , 5 किलोग्राम के 263 गैस सिलेंडर,चूल्हा बर्नर,8 बोरियों में रेगुलेटर,6 कार्टून एवं 25 नग खुले में, प्रेशर वॉल 25 नग (5-5 के बंडल में) जप्त किए गए। यह पूरी सामग्री अवैध रूप से भंडारित कर कालाबाजारी के उद्देश्य से रखी गई थी। विभाग द्वारा मौके पर ही सभी वस्तुओं को जप्त कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई। विशेष अभियान के तहत लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। खाद्य विभाग द्वारा जिले में एलपीजी वितरण व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत अब तक 8 प्रकरणों में 310 से अधिक सिलेंडर जप्त किए जा चुके हैं। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से अवैध कारोबारियों में हड़कंप है।

निर्धारित दरों पर ही गैस सिलेंडर खरीदें: कुजूर

खाद्य नियंत्रक अमृत कुजूर ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के सभी 35 गैस एजेंसी में एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे घबराएं नहीं और नियमानुसार बुकिंग कर निर्धारित दरों पर ही गैस सिलेंडर प्राप्त करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कालाबाजारी या अवैध भंडारण करने वालों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विभाग की टीमें लगातार निगरानी एवं जांच कर रही हैं। शिकायत मिलने पर तत्काल छापामार कार्रवाई की जाएगी। खाद्य विभाग के नियंत्रक द्वारा आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं एलपीजी सिलेंडर की कालाबाजारी, अधिक मूल्य पर बिक्री या अवैध भंडारण की जानकारी मिलने पर प्रशासन को इसकी सूचना दें।

अन्न के साथ नकारात्मक संकल्पों व क्रोध का भी करें उपवास: स्वाति दीदी

बिलासपुर/नवप्रदेश। नवरात्रि केवल नौ दिनों का पर्व नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धता, संयम और शक्ति के जागरण का पावन अवसर है। इन दिनों माँ दुर्गा की आराधना के साथ-साथ यदि हम अपने संकल्प, बोल और कर्म को भी पवित्र बना लें, तो यही सच्ची नवरात्रि की साधना कहलाएगी। उक्त विचार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की संचालिका बीके स्वाति दीदी ने कहा कि नवरात्रि का वास्तविक संदेश यही है कि हम अपने भीतर छिपी नकारात्मक प्रवृत्तियों–जैसे क्रोध, ईर्ष्या, अहंकार, द्वेष और कटु वाणी–का त्याग करें। यदि हम अपने संकल्पों में किसी के प्रति बुरा न सोचें, अपने बोल से किसी को दुख न दें।

क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 12 मरीजों को प्रोटीन युक्त किट वितरित

बिलासपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी मरीजों के समुचित उपचार एवं पोषण स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र राजकिशोर नगर में पोषण किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर 12 टीबी मरीजों को एसईसीएल कंपनी द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रोटीन युक्त पोषण किट प्रदान किए गए। सीएमएचओ डॉ शुभा गरेवाल ने बताया कि टीबी जैसी गंभीर बीमारी में दवाइयों के साथ पौष्टिक आहार अत्यंत आवश्यक होता है। पोषण किट मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करती है, जिससे उपचार की प्रभावशीलता बढ़ती है और मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की संभावना भी मजबूत होती है। उन्होंने बताया कि टीबी मरीजों में कुपोषण एक बड़ी चुनौती है, जिसे दूर करने में इस प्रकार की पहल अहम भूमिका निभा रही है। एसीसीएल द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत किया गया यह सहयोग मरीजों के लिए संजीवनी साबित हो रहा है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने मरीजों को नियमित दवा सेवन, संतुलित आहार और स्वच्छता बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता और संस्थाओं के सहयोग से ही टीबी मुक्त समाज के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

कार्रवाई: जप्त वाहनो को न्यायालय उपस्थित होकर सुपुर्दगी नहीं लेने वाले वाहनों की होगी नीलामी

नशे में वाहन चलाने वाले 913 शराबी चालकों पर की गई सख्त कार्रवाई

बिलासपुर/नवप्रदेश। उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात रामगोपाल करियारे एवं समस्त पर्यवेक्षण अधिकारियों के पर्यवेक्षण में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में सड़क दुर्घटनाओ में प्रभावी नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु बिलासपुर पुलिस के द्वारा निरंतर चेकिंग अभियान चलाते हुए विशेष करके शराब सेवन कर वाहन चालन, बिना हेलमेट और सीट बेल्ट के वाहन चालन, तेजी एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चालन, ट्रिपल सवारी, गलत नंबर प्लेट लगा कर वाहन चालन, गलत दिशा में वाहन चालन, मोबाइल का उपयोग करते हुए वाहन चालन एवं खतरनाक तरीके से वाहन चालन आदि के सुसंगत धाराओं के तहत लापरवाह वाहन चालकों पर यातयात नियमों के प्रति सम्वेदनशील बनाने सतत कार्यवाही की जा रही है। यातायात व थाने के द्वारा उक्त कार्यवाही में माह जनवरी से अब तक बिलासपुर पुलिस द्वारा शराब सेवन कर नशे की हालत में वाहन चलाने वाले 913 आरोपी वाहन चालकों पर मोटर व्हीकल एक्ट 185 एमवी के तहत कार्यवाही की गई जिसमें सभी प्रकरण माननीय न्यायालय भेजी गई है। उन पर अधिक राशि से दंडित की गई है यातायात नियमों के उल्लंघन कर्ता जो वाहन चालक अपने वाहनों को न्यायालय उपस्थित होकर सुपुर्दगी में नहीं ले रहे हैं ऐसे वाहनों की शीघ्र की जाएगी। नियमानुसार नीलामी की प्रक्रिया प्रारंभ ताकि सड़कों पर यातायात नियमों का उल्लंघन कर सुरक्षा मानकों एवं मापदंडों की उपेक्षा एवं अवहेलना पूर्ण आचरण के कारण सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति को टाला जा सके। किसी भी प्रकार के शराब या मादक द्रव्यों का सेवन कर नशे में उन्मत होकर वाहन चलाकर दुर्घटना कारित करने पर अन्य आपराधिक प्रकरणों में भी अपराध पंजीकृत करते हुए ऐसे वाहन चालकों पर कठोर एवं सख्त कार्रवाई की जा रही है।

सुरक्षा मापदंडों व मानकों का विशेष ख्याल रखें

समस्त नागरिकों से विशेष अपील है कि वर्तमान में शादी विवाह एवं अन्य विभिन्न प्रकार के आयोजन के कारण लोग सड़कों पर ज्यादा से ज्यादा आवागमन कर रहे हैं ऐसे में वाहनों की तादाद सड़कों पर लगातार बढ़ते जा रही है यातायात नियमों के उल्लंघन के कारण कई बार वाहन चालक सड़क दुर्घटना में न सिर्फ स्वयं आहत होते हैं अपितु वाहनों में सवार एवं सामने से आ रहे अन्य राहगीर एवं आम व्यक्ति भी दुर्घटना के चपेट में आ जाते हैं अतः दुर्घटना के गंभीर परिणाम एवं मानवीय क्षति को दृष्टिगत रखते हुए सड़कों पर चलते हुए सदैव सुरक्षा मापदंडों एवं मानकों का विशेष ख्याल रखें। शराब एवं नशे में उन्मत होकर वाहन चालन करने वाले पर अभियान चलाकर नियमित कार्यवाही की जा रही है वही बिना हेलमेट और सीट बेल्ट के वाहन चलाने वाले वाहन चालकों पर नियमित रूप से कार्यवाही की जा रही है और प्रशमन की कार्यवाही कर सभी प्रकरण में समन शुल्क वसूल की जा रही है। वही ढ्ढञ्जरूस् के माध्यम से अधिक यातायात नियमों के उल्लंघन कर्ता वाहन चालकों पर ऑनलाइन चालानी कार्रवाई करते हुए सभी में समन शुल्क अधिरोपित की गई है। शायं और रात्रि के दौरान की सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए इस दौरान विशेष रूप से प्रत्येक दिन अभियान चलाकर ज्यादा से ज्यादा प्रभावी एवं संघन कार्यवाही की जा रही है ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण पाई जा सके।

इंसानों के वजूद से भी पुराना है 'होर्मुज'

तेहरान। अमेरिका-इजरायल और ईरान की जंग के बीच आज किसी चीज की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, तो वह है होर्मुज जलडमरूमध्य है। इसे स्ट्रेट ऑफहोर्मुज भी जाता है। दुनिया के सबसे प्रमुख ऊर्जा मार्गों में से एक माने जाने वाले इस संकरे समुद्री गलियारे से दुनिया का 20 फीसदी ऊर्जा व्यापार गुजरता है। फिलहाल यह जगह ईरान की ताकत और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए परेशानी की वजह बन गई है। लेकिन पानी की यह संकरी पट्टी आज आधुनिक दुनिया पर कैसे राज करती है, इसे जानने के लिए इतिहास की गहराई में झांकना होगा। वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि इस जलडमरूमध्य की भूमिका लाखों साल पहले पृथ्वी की पपड़ी पर लिख दी गई थी। उस समय धरती पर पहला इंसान पैदा भी नहीं हुआ था। धरती की स्टडी से पता चलता है कि 6000 साल पहले फारस की खाड़ी का अस्तित्व ही नहीं था। उस समय न अरब था, न ईरान और उनके बीच से गुजरने वाला होर्मुज जलडमरूमध्य। आज का अरब प्रायद्वीप लाखों वार्ष पहले गोंडवाना नामक विशाल दक्षिणी महाद्वीप में था। आज यह इलाका बदलाव के साथ अफ्रीका में बदल चुका है। इसके उत्तर में टेथीस महासागर था, जो इसे यूरेशिया के तटों से अलग करता था। लगभग 180 मिलियन वर्ष पहले गोंडवाना में टूट शुरू हुई, जिससे भारतीय और अरब प्लेटें उत्तर की ओर बढ़ीं। लाखों सालों तक ये प्लेटें यूरेशियाई प्लेट की तरफ गति करती रहीं। इस दौरान उनके बीच टेथीस सागर संकरा होता गया। आगे बढ़ते-बढ़ते अरब प्रायद्वीप यूरेशिया से टकराया तो पृथ्वी की पपड़ी में मौजूद चट्टानें टक्कर के चलते मुड़ गईं और बड़ी-बड़ी चोटियों में बदल गई है। यह जाग्रोस पर्वत थे। एक विशाल पर्वतमाला, जो तुर्की से ईरान और फिर फारस की खाड़ी तक फैली हुई है।

न्यूज गैलरी

यूडीएफको मिलेंगी 85 से 100 सीटें : शशि थरूर

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल गरमा गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की जीत का भरोसा जताया है। थरूर के मुताबिक, यूडीएफ को 140 सीटों वाली विधानसभा में 85 से 100 सीटें मिल सकती हैं। उन्होंने भाजपा को केरल की राजनीति में एक मामूली खिलाड़ी बताया है। थरूर ने कहा कि मौजूदा आंकड़ों के हिसाब से मुकाबला काफी कड़ा दिख रहा है। इसका मतलब है कि हर सीट और हर वोट महत्वपूर्ण है। इसलिए हम भाजपा को नजरअंदाज नहीं कर रहे हैं और न ही इसे लेकर लापरवाह हैं। उन्होंने साफ किया कि कांग्रेस केरल में भाजपा को सरकार के लिए खतरा नहीं मानती। उन्होंने कहा, वे ज्यादा से ज्यादा बस अपना खाता खोल सकते हैं। थरूर ने यूडीएफकी जीत का भरोसा जताते हुए कहा कि 140 सीटों वाली विधानसभा में 85 से 100 सीटों का आंकड़ा अच्छा रहेगा। उन्होंने क्रिकेट का उदाहरण देते हुए कहा, ÷यूडीएफ खासकर एलडीएफको गूगली फेंक रहा है, क्योंकि वे एक मुश्किल पिच पर हैं और हम उन्हें वहां फंसा सकते हैं।

पोंडा उपचुनाव के लिए आप ने चला 'बहुजन कार्ड'

पणजी। गोवा में उपचुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को एक बड़ा दांव खेलते हुए स्थानीय व्यवसायी गितेश नाइक को पोंडा विधानसभा सीट से उम्मीदवार घोषित कर दिया है। खास बात यह है कि गितेश ने महज एक दिन पहले ही पार्टी का दामन थामा था। इस दौरान दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की भी मौजूदगी रही। गितेश नाइक के पार्टी में शामिल होने के बाद अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ङ्ग' पर एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा, ÷हम बहुजन समाज के गतिशील समाजसेवी गितेश नाइक का आम आदमी पार्टी में स्वागत करते हैं। उनके आने से न केवल पोंडा, बल्कि पूरे गोवा में पार्टी को मजबूती मिलेगी।

दुलारचंद यादव हत्याकांड में अनंत सिंह को मिली बेल

पटना। मोकामा के विधायक अनंत सिंह को पटना हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। उन्हें चर्चित दुलारचंद यादव हत्या मामले में जमानत दे दी गई है। अदालत ने सुनवाई के दौरान प्रस्तुत तथ्यों और साक्ष्यों पर विचार करते हुए यह निर्णय सुनाया। समर्थकों ने जश्न मनाते हुए कहा कि उन्हें शुरू से ही अनंत सिंह पर भरोसा था और अदालत के फैसले ने उनके विश्वास को और मजबूत किया है। गौरतलब है कि दुलारचंद यादव हत्या मामला लंबे समय से चर्चा में रहा है और इस केस में अनंत सिंह की गिरफ्तारी के बाद राजनीतिक हलकों में भी हलचल तेज हो गई थी। अब जमानत मिलने के बाद यह मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है।

भविष्य के युद्धों में ड्रोन अहम, भारत को इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना होगा: राजनाथ सिंह

राष्ट्रीय रक्षा उद्योग सम्मेलन: डिफेंस इनोवेशन में बढ़ती प्रगति

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित 'राष्ट्रीय रक्षा उद्योग सम्मेलन' में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने भारत को ड्रोन निर्माण के क्षेत्र में एक मजबूत और आत्मनिर्भर देश बनाने पर जोर दिया। उन्होंने रूस-यूक्रेन और ईरान-इस्रायल के बीच चल रहे मौजूदा संघर्षों का जिक्र किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि इन दोनों युद्धों ने यह साफ कर दिया है कि भविष्य की लड़ाइयों में ड्रोन और एंटी-ड्रोन तकनीक की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण होने वाली है।

उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया इन युद्धों को देख रही है। इनसे हमें यह सबक मिलता है कि भारत को ड्रोन बनाने के लिए एक ऐसा ईकोसिस्टम तैयार करना होगा, जिसमें हम पूरी तरह आत्मनिर्भर हों। रक्षा मंत्री के अनुसार, भारत की रक्षा तैयारियों और अपनी रणनीतिक स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए यह बेहद जरूरी है। उन्होंने घरेलू रक्षा कंपनियों के प्रमुखों और सरकारी अधिकारियों से कहा कि हमें ड्रोन तकनीक में किसी भी दूसरे देश के भरोसे नहीं रहना चाहिए। राजनाथ सिंह ने गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता का मतलब केवल पूरा ड्रोन बनाना नहीं है, बल्कि उसके हर छोटे-बड़े पुर्जे का निर्माण भारत में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ड्रोन के सांचे, सॉफ्टवेयर, इंजन और बैटरी जैसी सभी चीजें 'मेड इन इंडिया' होनी चाहिए। उन्होंने यह भी माना कि यह काम चुनौतीपूर्ण है। इसका कारण यह है कि दुनिया के कई देश ड्रोन तो बनाते हैं, लेकिन उनके जरूरी पुर्जे किसी न किसी देश से ही आयात करते हैं। भारत को इस चुनौती को पार करना होगा। इसके अलावा, रक्षा मंत्री ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स और ऑटोमेशन जैसी नई तकनीकों के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ये तकनीकें आज पूरी दुनिया में निर्माण के तरीके को बदल रही हैं। सिमुलेशन टेक्नोलॉजी भी भविष्य के लिए नए रास्ते खोल रही है। इस सम्मेलन में देश की प्रमुख रक्षा कंपनियों के बड़े अधिकारी और रक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञ मौजूद रहे।

एमएसएमई सेक्टर में तेज़ वृद्धि

राजनाथ सिंह ने बताया कि 2012-13 के आसपास देश में एमएसएमई की संख्या करीब 4.67 करोड़ थी, जो अब बढ़कर लगभग 8 करोड़ हो गई है। यह वृद्धि इस क्षेत्र में मौजूद अपार संभावनाओं को दर्शाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। 'उद्यम पोर्टल' और 'उद्यम असिस्ट पोर्टल' जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए छोटे उद्योगों को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ने का प्रयास किया गया है।

नवाचार से मजबूत होगा रक्षा क्षेत्र

उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से ही बड़े बदलाव की शुरुआत होती है। यदि उद्योग जगत, स्टार्टअप्स और सरकार मिलकर काम करें, तो भारत एक मजबूत इनोवेशन इकोसिस्टम विकसित कर सकता है और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल कर सकता है। रक्षा मंत्री ने बताया कि 58 प्रोटोटाइप को खरीद के लिए मंजूरी दी जा चुकी है, जिनकी कुल वैल्यू लगभग 3,853 करोड़ रुपए है। इसके अलावा 45 प्रोक्योरमेंट कॉन्ट्रैक्ट साइन किए गए हैं, जिनकी कीमत करीब 2,326 करोड़ रुपए है।

ईरान के हमलों से धुआं-धुआं खाड़ी देश

■ बदले की आग में धधक रहीं सऊदी-कुवैत-कतर की रिफाइनरियां

दुबई-तेहरान (ए.)

ईरान युद्ध का आज 20वां दिन है। इजरायली और अमेरिकी हमलों से बौखलाए ईरान ने अब खाड़ी देशों पर कहर बरपाना शुरू कर दिया है। इस जंग में अब खाड़ी देशों के तेल भंडार, रिफाइनरीज और अन्य एनर्जी ठिकाने सीधे ईरान के निशाने पर आ गए हैं। ईरान ने कतर, कुवैत, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के प्रमुख गैस और तेल प्रतिष्ठानों पर प्रचंड हमले किए हैं, जिससे न सिर्फ क्षेत्रीय तनाव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है बल्कि इन देशों की रिफाइनरियां धधक रही हैं।

बड़ी बात ये है कि ईरान ने खाड़ी देशों पर ये हमले तब किए हैं, जब कुछ घंटे पहले ही उसे अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि 'तुम्हें नरक दिखा देंगे।' दरअसल, ईरान साउथ पार्स स्थित दुनिया के सबसे बड़े अपने गैस क्षेत्र पर इजरायली हमले और पिछले 18 दिनों में चार दर्जन से ज्यादा बड़े नेताओं की हत्या किए जाने से बौखलाया हुआ है। साउथ पार्स ईरान की लगभग 70 प्रतिशत घरेलू गैस की आपूर्ति करता है। इसक एक हिस्सा, कतर के साथ साझा करता था लेकिन इजरायली हमले में इसे धुआं-धुआं कर दिया गया।

सांप के जहर मामले में एल्विश को राहत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर एल्विश यादव को बड़ी राहत देते हुए 2023 के चर्चित स्नेक वेनम मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया है। दरअसल, नवंबर 2023 में उत्तर प्रदेश के नोएडा में कथित रेव पार्टी में सांप के जहर के इस्तेमाल के आरोपों के बाद एल्विश यादव के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। बाद में 17 मार्च 2024 को उन्हें गिरफ्तार भी किया गया। आरोप था कि पार्टियों में सांपों और उनके जहर का इस्तेमाल मनोरंजन और नशे के लिए किया जा रहा था, जो वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत गंभीर अपराध है।

न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि NDPS एक्ट, 1985 की धारा 2(23) के तहत जिस कथित साइकोट्रॉपिक पदार्थ की बात कही गई, वह कानून की निर्धारित सूची (Schedule) में शामिल ही नहीं है। साथ ही, कोर्ट ने यह भी नोट किया कि एल्विश यादव के पास से कोई बरामदगी नहीं हुई थी और चार्जशीट में केवल यह आरोप था कि उन्होंने एक सहयोगी के जरिए ऑर्डर दिया था। इन तथ्यों को देखते हुए अदालत ने माना कि ह्ष्ठक्कस् एक्ट का इस्तेमाल इस मामले में कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है। दूसरे अहम पहलू पर, कोर्ट ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 55 का हवाला देते हुए कहा कि इस कानून के तहत अभियोजन केवल अधिकृत अधिकारी की शिकायत के आधार पर ही शुरू किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि मौजूदा स्रढ्ढक्रइस प्रक्रिया का पालन नहीं करती, इसलिए यह विधिसम्मत नहीं मानी जा सकती।

साथ ही, अदालत ने यह भी दर्ज किया कि भारतीय दंड संहिता के तहत लगाए गए आरोप स्वतंत्र रूप से स्थापित नहीं होते, क्योंकि वे एक पहले की शिकायत का हिस्सा थे जिसे पहले ही बंद किया जा चुका है। इन सभी कानूनी आधारों पर सुप्रीम कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि स्रढ्ढक्रन्यायिक जांच की कसौटी पर खरी नहीं उतरती और इसे रद्द किया जाना चाहिए।

'ट्रंप दुनिया के सबसे ताकतवर नेता, वे किसी के दबाव में नहीं'

वॉशिंगटन। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने साफकर दिया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप किसी दूसरे देश के इशारे पर काम नहीं करते। उन्होंने कहा कि ट्रंप दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के नेता हैं और वे केवल अमेरिका के हित को ध्यान में रखकर ही फैसले लेते हैं। लेविट का यह बयान नेशनल काउंटर टेररिज्म सेंटर के डायरेक्टर जो केंट के इस्तीफे के बाद आया है। जो केंट ने अपने पद से हटने के बाद गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि अमेरिका ने इस्राइल और वहां की ताकतवर लॉबी के दबाव में आकर ईरान के साथ युद्ध शुरू किया है। केंट ने यह भी दावा किया था कि ट्रंप को कोई दूसरा देश नियंत्रित कर रहा है। इन आरोपों पर पलटवार करते हुए लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ने जो केंट को देश की सेवा करने का मौका दिया था। लेकिन उन्होंने झूठ से भरे एक लेटर के साथ इस्तीफा दे दिया। लेविट के अनुसार, ट्रंप दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के सेना के प्रमुख हैं और उन्हें कोई नहीं बताता कि क्या करना है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति ईरान को आतंकवाद का समर्थक नहीं मानता, वह आतंकवाद विरोधी विभाग का प्रमुख नहीं हो सकता। लेविट ने बताया कि ईरान बहुत तेजी से बैलिस्टिक मिसाइलें बना रहा था ताकि वह परमाणु बम तैयार कर सके। अमेरिकी खुफिया जानकारी के अनुसार, ईरान अमेरिकी सैनिकों और ठिकानों पर हमला करने की योजना बना रहा था। इसलिए ट्रंप ने अपनी सेना और संपत्ति की सुरक्षा के लिए ईरान पर हमले का फैसला लिया।

एचडीएफसी बैंक के अध्यक्ष अतनु के इस्तीफे से शेयर 9 फीसदी लुढ़के

नई दिल्ली। एचडीएफसी बैंक के अध्यक्ष अतनु चक्रवर्ती के नैतिक चिंताओं का हवाला देते हुए पद छोड़ने के बाद गुरुवार सुबह बैंक के शेयर करीब नौ फीसदी गिर गए। इस इस्तीफे के कारण देश के दूसरे सबसे बड़े ऋणदाता बैंक के बाजार पूंजीकरण में 65,176.48 करोड़ रुपये की भारी कमी आई। बैंक के शेयर अपने 52-सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंच गए, जिससे निवेशकों में चिंता बढ़ गई। मुंबई स्टॉक एक्सचेंज पर ब्लू-चिप स्टॉक 8.41 फीसदी गिरकर 772 रुपये पर आ गया, जो इसका 52-सप्ताह का निचला स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर भी शेयर 8.66 फीसदी लुढ़ककर 770 रुपये के 52-सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंच गया। इस गिरावट के साथ कंपनी का बाजार पूंजीकरण 12,31,666.45 करोड़ रुपये रह गया। यह शेयर बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला रहा।

सुबह के कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1740.34 अंक गिरकर 74,949.92 पर कारोबार कर रहा था, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 514.85 अंक गिरकर 23,262.95 पर आ गया। यह पहली बार है कि एचडीएफसी बैंक के अंशकालिक अध्यक्ष ने कार्यकाल के बीच में पद छोड़ा है, जिससे बैंक के कामकाज को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। बैंक ने देर शाम एक फाइलिंग में बताया कि चक्रवर्ती ने 18 मार्च, 2026 को बैंक के अंशकालिक अध्यक्ष और स्वतंत्र निदेशक के पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। बैंक ने यह भी कहा कि चक्रवर्ती का इस्तीफा पत्र 17 मार्च, 2026 का था, लेकिन बैंक को यह 18 मार्च, 2026 को दोपहर 3:17 बजे प्राप्त हुआ। अतनु चक्रवर्ती ने अपने 17 मार्च के इस्तीफे पत्र में नैतिक चिंताओं का उल्लेख किया है।

हम फीफा विश्व कप 2026 का नहीं अमेरिका का बहिष्कार करेंगे : ईरान

नई दिल्ली। ईरान ने फीफा विश्व कप 2026 के बहिष्कार की धमकी वापस ले ली है। लेकिन अमेरिका में मैच न खेलने के अपनी मांग पर कायम है। ईरान के फुटबॉल चीफ मेहदी ताज ने कहा कि टीम टूर्नामेंट की तैयारियों को जारी रखेगी, भले ही पुरुष टीम अमेरिका में अपने मैच न खेले। फुटबॉल विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में खेला जाना है। फरवरी के आखिर में अमेरिका के साथ चल रहे विवाद के बाद ईरान की टीम की सुरक्षा और मैचों की जगह को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। इसलिए ईरान ने अमेरिका में विश्व कप के दौरान अपने प्रस्तावित मैच खेलने से इनकार कर दिया है। बता दें कि ईरान विश्व कप क्वालीफाई करने वाली पहली टीमों में शामिल है। फार्स न्यूज एजेंसी के हवाले से मेहदी ताज ने कहा, ÷नेशनल टीम तुर्की में ट्रेनिंग कैंप लगाएगी और वहां दो मैत्रीपूर्ण मैच खेलेगी। हम अमेरिका का बॉयकॉट करेंगे, लेकिन विश्व कप का नहीं।÷

ताज का यह बयान ईरान के खेल मंत्री अहमद डोनयामाली के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान विश्व कप में हिस्सा नहीं लेगा। ईरान की पुरुष टीम को जून में अमेरिका में बेल्जियम, मिस्र और न्यूजीलैंड के साथ मैच खेलने हैं। मेक्सिको की प्रेसिडेंट क्लाउडिया शीनबाम ने ईरान के अमेरिका में विश्व कप मैचों के बहिष्कार पर कहा कि आखिरी फैसला फीफा के हाथ में है।

'धुरंधर-2' का धमाका, तोड़ डाला शाहरुख खान का सबसे बड़ा रिकॉर्ड

मुंबई। रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' ने 18 मार्च को पेड प्रीव्यू में गदर मचा दिया. वहीं 19 मार्च को ये ऑफिशियली सिनेमाघरों में रिलीज हो गई. फिल्म के बड़े पर्दे पर दस्तक देते ही ऐसा लग रहा है कि यह एक ऐतिहासिक सुनामी साबित होने वाली है. जहां ज़्यादातर फ़िल्मों को सुबह के शो के लिए दर्शकों को जगाने में काफ़ी मशक्कत करनी पड़ती है, वहीं रणवीर सिंह की इस रिवेंज सागा की दीवानगी ने दर्शकों को ऐसा क्रेजी कर दिया है कि थिएटर्स में अर्ली मॉर्निंग शोज भी दर्शकों से खचाखच भरे नजर आए. जो महामारी के बाद के दौर में शायद ही ऐसा कभी देखने को मिला हो. इसी के साथ इसने आते ही कई बड़ी फिल्मों के रिकॉर्ड को धूल चटा दी है.

'धुरंधर 2' ने पेड प्रीमियर शो में रिकॉर्ड तोड़ 43 करोड की कमाई कर इतिहास रच दिया है. वहीं अब रिलीज के पहले दिन भी ये बॉक्स ऑफिस पर सफलता की नई इबारत लिखने की तैयारी कर रही है. इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि दोपहर 1 बजे तक इस फिल्म ने 20 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. यह एक चौंकाने वाला आंकड़ा है, खासकर यह देखते हुए कि आज गुरुवार है, यानी वर्किंग डे है साथ ही नवरात्रि और गुड़ी पड़वा के जश्न और पूजा-पाठ भी चल रहे हैं. ऐसे में ! फिल्म की कमाई के अब तक जो नंबर सामने आए हैं, वे सचमुच हैरान कर देने वाले हैं। बता दें कि सैकनिल्क के आकंड़ों के मुताबिक 'धुरंधर 2' ने दोपहर 1 बजे तक 23.79 फीसदी का कलेक्शन कर डाला है।

घने जंगलों के बीच विराजमान घुचापाली चंडी मंदिर, जंगल से मंदिर तक प्रसाद खाने आते हैं भालू, नवरात्र में उमड़ती है भीड़

पहाड़ की चोटी पर आस्था का धाम

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले के बागबाहरा क्षेत्र के घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच स्थित घुचापाली चंडी मंदिर आस्था, प्रकृति और रोमांच का अद्भुत संगम है। ऊंची पहाड़ी की चोटी पर विराजमान मां चंडी का यह मंदिर वर्षों से श्रद्धालुओं की गहरी आस्था का केंद्र बना हुआ है। चैत्र नवरात्र के दौरान यहां भक्ति और श्रद्धा का विशेष वातावरण देखने को मिलता है। नौ दिनों तक हजारों श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं और पूरा क्षेत्र ÷जय माता दी÷ के जयकारों से गूंज उठता है।

पहाड़ी चट्टान से चढ़कर पहुंचना पड़ता है मंदिर तक

घुचापाली गांव के समीप स्थित यह मंदिर ऊंची पहाड़ी पर बना हुआ है। श्रद्धालुओं को माता के दर्शन के लिए पहाड़ी चट्टान से चढ़कर मंदिर तक पहुंचना पड़ता है। रास्ते में चारों ओर फैले घने जंगल, पहाड़ियों की ठंडी हवा और प्राकृतिक सौंदर्य श्रद्धालुओं को एक अलग ही आध्यात्मिक अनुभव कराते हैं। मंदिर की चोटी से आसपास के गांव, पहाड़ और जंगलों का विहंगम दृश्य दिखाई देता है।

नवरात्र में लगता है भक्ति का मेला

चैत्र नवरात्र के नौ दिनों तक यहां विशेष पूजा-अर्चना, दुर्गा पाठ, आरती और भंडारे का आयोजन किया जाता है। ओडिशा, महाराष्ट्र के अलावा दूर-दराज के गांवों और शहरों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। कई भक्त मनोकामना पूरी होने पर नारियल, चुनरी और प्रसाद चढ़ाकर माता का आशीर्वाद लेते हैं। इन दिनों मंदिर परिसर और पहाड़ी का रास्ता भक्तों से भरा रहता है और यहां मेले जैसा माहौल बन जाता है।

जंगल से अक्सर पहुंच जाते हैं भालू

घुचापाली चंडी मंदिर का इलाका घने जंगलों से घिरा हुआ है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार कई बार जंगल से भालुओं का दल मंदिर परिसर पहुंच जाता है। हालांकि की किसी भी समय या कम भीड़ वाले समय में देखने को मिलती हैं। ग्रामीण बताते हैं कि भालू जंगल में मिलने वाले फल-फूल के अलावा मंदिर में प्रसाद तलाश में यहां तक आ जाते हैं।

जागृत देवी के रूप में पूजी जाती हैं मां चंडी

स्थानीय लोगों की मान्यता है कि यहां विराजमान मां चंडी जागृत देवी हैं। सच्चे मन से मांगी गई मन्नत यहां जरूर पूरी होती है। इसी वजह से आसपास के गांवों के लोग किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत से पहले यहां आकर माता के दर्शन करते हैं और आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

प्रशासन और मंदिर समिति की तैयारी

नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर समिति और स्थानीय प्रशासन द्वारा साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। स्वयंसेवकों की टीम भी श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देने और व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय है, ताकि भक्तों को दिक्कत न हो।

नवरात्रि विशेष: मिर्रीटोला की मावली माता, जहां आस्था के साथ जुड़ी है अनोखी परंपरा

बालोद/नवप्रदेश। चैत्र नवरात्रि का पर्व आते ही देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगती है, लेकिन बालोद जिले के गुरूर विकासखंड अंतर्गत ग्राम मिर्रीटोला स्थित मावली माता मंदिर अपनी अनोखी परंपरा, गहरी आस्था और सांस्कृतिक महत्व के कारण विशेष पहचान रखता है। जिला मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित यह धाम नवरात्रि के दौरान भक्तों के लिए प्रमुख आस्था केंद्र बन जाता है, जहां दूर-दराज से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

स्वयंभू मानी जाती है माता की प्रतिमा, आस्था का प्रमुख केंद्र

ग्राम मिर्रीटोला के शांत एवं प्राकृतिक वातावरण के बीच स्थित यह मंदिर वर्षों पुराना है। स्थानीय मान्यता के अनुसार मावली माता की प्रतिमा स्वयं जमीन से प्रकट हुई थी, जिसके कारण इसे स्वयंभू माना जाता है। समय के साथ यह स्थान पूरे क्षेत्र की आस्था का केंद्र बन गया और ग्रामीणों का विश्वास है कि माता की कृपा से गांव और आसपास के क्षेत्रों में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है।

अनोखी परंपरा: महिलाओं का मंदिर प्रवेश वर्जित: मावली माता मंदिर की सबसे विशेष पहचान इसकी अनूठी परंपरा है। महिलाओं का मंदिर परिसर में प्रवेश नहीं होता, वे केवल मुख्य द्वार तक पहुंचकर पूजा-अर्चना करती हैं, जबकि 12 वर्ष तक की बालिकाओं को प्रवेश की अनुमति दी जाती है। ग्रामीणों के अनुसार माता को कुंवारी देवी के रूप में पूजा जाता है, जिसके चलते यह परंपरा सदियों से चली आ रही है और आज भी पूरी श्रद्धा के साथ निभाई जा रही है।

नवरात्रि में भक्ति का अद्भुत माहौल

चैत्र और शारदीय नवरात्रि के दौरान यहां भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ता है। मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन, देवी जागरण और सामूहिक पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाता है। श्रद्धालु नारियल, चुनरी और प्रसाद अर्पित कर अपनी मनोकामनाएं मांगते हैं, वहीं गांव के लोग मिलकर मंदिर की सजावट और प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी करते हैं, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहता है।

अष्टमी-नवमी के विशेष आयोजन और आमंत्रण

26 मार्च (अष्टमी) को हवन एवं महाप्रसादी वितरण तथा 27 मार्च (नवमी) को ज्योति कलश विसर्जन किया जाएगा। इस भव्य आयोजन में शामिल होने के लिए आयोजक समिति के अध्यक्ष आनंदराम साहू एवं ग्राम पटेल कीर्तन राम माला ने समस्त क्षेत्रवासियों को सादर आमंत्रित किया है।

आस्था, परंपरा और संस्कृति का जीवंत संगम

मिर्रीटोला स्थित मावली माता मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का अद्भुत संगम है। आज के आधुनिक दौर में भी यहां सदियों पुरानी मान्यताएं जीवित हैं। नवरात्रि के दौरान जब पूरा वातावरण 'जय माता दी' के जयकारों से गूंज उठता है।

ज्योति कलश स्थापना और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला

समितियों के अनुसार 19 मार्च 2026 (गुरुवार) को सुबह 10 बजे ज्योति कलश स्थापना के साथ नवरात्रि महोत्सव की शुरुआत होगी। इसके बाद विभिन्न तिथियों में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें 23 मार्च को दिया के अंजोर लोक कला जस झांकी परिवार (पेंड्री, गुण्डरदेही, बालोद), 24 मार्च को सुर सुरभि पंडवानी मंडली (मड़ेली, छुरा, गरियाबंद) तथा 25 मार्च को जय मारदेव मारिया पुरन जस झांकी परिवार (पचपेड़ी, भखारा, धमतरी) अपनी प्रस्तुति देंगे।

छुईखदान की स्वयंभू काली माता, 400 साल पुरानी आस्था, नवरात्रि में श्रद्धालुओं की भीड़

छुईखदान नवप्रदेश। जिले के छुईखदान नगर में स्थित प्राचीन काली मंदिर आज भी श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। लगभग 350 से 400 वर्ष पुराना यह मंदिर अपने अद्भुत इतिहास और चमत्कारी मान्यताओं के कारण दूर-दूर तक प्रसिद्ध है। नवरात्रि के अवसर पर यहां भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ता है और पूरे नगर में भक्ति का विशेष माहौल बन जाता है।

तालाब की खुदाई में प्रकट हुई काली माता: स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, इस मंदिर की स्थापना किसी मानव द्वारा नहीं बल्कि स्वयं हुई मानी जाती है। बताया जाता है कि कई वर्ष पूर्व जब यहां तालाब की खुदाई की जा रही थी, तब काली माता की प्रतिमा भूमि के भीतर से प्रकट हुई। इस घटना को चमत्कार मानते हुए नगरवासियों ने उसी स्थान के पास एक पेड़ के नीचे माता की स्थापना कर दी। धीरे-धीरे यह स्थान मंदिर के रूप में विकसित हो गया और आज यह नगर का प्रमुख धार्मिक स्थल बन चुका है। मंदिर से जुड़ी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां स्थापित काली माता को 'स्वयंभू' माना जाता है, अर्थात उनकी उत्पत्ति किसी कारीगर द्वारा नहीं की गई बल्कि वे स्वयं प्रकट हुई हैं। इस कारण भक्तों की आस्था और भी अधिक गहरी हो जाती है और लोग अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए यहां दूर-दूर से आते हैं।

नवरात्रि में विशेष पूजा-अर्चना: नवरात्रि के दौरान मंदिर में विशेष धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। श्रद्धालु माता को प्रसन्न करने के लिए विभिन्न प्रकार की ज्योतियां स्थापित करते हैं। जानकारी के अनुसार, इस नवरात्रि में 509 तेल ज्योति कलश स्थापित हुए हैं, जबकि 47 घी के दीपक भी प्रज्वलित किए गए हैं। इसके अलावा 83 शीतला तेल की ज्योतियां भी विशेष रूप से अर्पित की गई हैं। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और भक्त इसे अत्यंत श्रद्धा के साथ निभाते हैं। नवरात्रि के नौ दिनों में मंदिर परिसर में भक्ति संगीत, जागरण और पूजा-पाठ का आयोजन होता है। नगरवासियों का मानना है कि सच्चे मन से मां काली की आराधना करने पर हर मनोकामना पूर्ण होती है। यहां आने वाले श्रद्धालु अपने जीवन की कठिनाइयों से मुक्ति और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। नवरात्रि के दौरान बढ़ती भीड़ को देखते हुए स्थानीय प्रशासन भी सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर सतर्क रहता है। मंदिर परिसर में साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए जाते हैं, ताकि सभी भक्त शांतिपूर्वक दर्शन कर सकें।

मां दुर्गा की भक्ति में लीन रहेंगे श्रद्धालु महामाया मंदिर में जलेंगे आस्था के ज्योत

मुंगेली/नवप्रदेश। अंचल में चैत्र नवरात्रि की तैयारियां पूर्णता की ओर है। सभी देवी मंदिरों को साफ-सफाई पुताई कर सजाया जा रहा है। साथ ही मनोकामना ज्योति कलश रखने के लिए तैयारी की गयी है। नवरात्रि के दिन से हिन्दू नववर्ष, गुड़ीपड़वा व झूलेलाल का जन्म दिन भी मनाया जाता है। जिसके लिए समाज के लोग अपने-अपने स्तर से तैयारी प्रारंभ कर देते हैं।

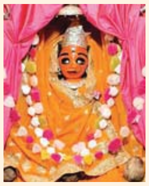

चैत्र नवरात्रि 19 मार्च गुरूवार से प्रारंभ हो रहा है। नवरात्रि की तैयारी मंदिरों मे पूर्णता की ओर है। युवा वर्ग भी हिन्दू नव वर्ष मनाने के लिए तैयारी कर रहे हैं। माता के दरबारों को आकर्षक रूप से सजाया जा रहा है। अपनी मनोरथ पूर्ति के लिए लोग मंदिरों के ज्योति कलश की स्थापना करते हैं। जिसके लिए मंदिरों में अपने नाम दर्ज कराया जा रहा है। हिन्दू नववर्ष वर्ष प्रतिपदा से नवरात्र 19 मार्च गुंरूवार से प्रारंभ होगा। नवरात्रि में भक्तजन मां दुर्गा की आराधना में लीन रहेगें। नगर के ह्दयस्थल में विराजित माँ महामाया का दर्शन अद्भूत एवं निराली है। नाथयोगी संप्रदाय के योगियों द्वारा 355 वर्ष पूर्व राजस्थान के आबूपर्वत स्थित बोहरखेड़ी नाथ अखाड़ा से लाया गया। तत्पश्चात इसे वर्तमान स्थल पर मड़िया के रूप में स्थापित किया गया। जिसे 55 वर्ष पूर्व भवानी साव अंबिका साव द्वारा मंदिर के रूप में जीर्णोद्धार कराया गया। मंदिर के हवन कुंड एवं प्रांगण को दानदाता स्व तेजमल गोयल द्वारा निर्मित कराया गया।

सिद्धपीठ के रूप में प्रसिद्ध यह मंदिर भक्तो के अगाध-श्रद्धा का केन्द्र है। नवरात्रि के दौरान मंदिर में दुर्गा सत्तशती का निरंतर पाठ भी किया जाता है तथा ज्योति कलश प्रज्जवलित की जाती है। मंदिर में पूरे विधि विधान से देवी के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाती हैं। मान्यता है इन नौ दिनों तक देवी के विभिन्न रूपों की आराधना स्मरण का नियम और समयपूर्वक पालन किया जाए तो इससे न सिर्फ इच्छित फल की प्राप्ति होती है अपितु जीवन में आने वाले संकट से भी मुक्ति मिलती है। नगर के मध्य में विराजित मां महामाया मंदिर में नवरात्रि पर्व पर दर्शनार्थियों की विशेष भीड़ रहती हैं। प्राचीन मूर्ति एवं मान्यता के चलते पूरे वर्ष भर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती हैं।

ज्योति कलश जलवाने वाले स्थानीय के अलावा अन्य जिलों सहीत विदेश के लोग भी ज्योति कलश जलवाते है नगर के मुख्य महामाया के अलावा महामाया मंदिर दाऊपारा, सोनारपारा स्थित महामाया मंदिर, दुर्गा मंदिर, मल्हापारा स्थित महामाया मंदिर, खरीपारा स्थित काली मंदिर, पानी टंकी स्थित मां अंगार मोती माता मंदिर एवं पंडरिया रोड स्थित शक्तिमाई मंदिर, करही स्थित दुर्गा मंदिर, हथनी कला अष्टभुजी दुर्गा मंदिर, लोहड़िया में महामाया मंदिर में तैयारियां चल रही है। मंदिरों के व्यवस्थापक एवं पुजारी नवरात्रि की व्यवस्था में जुटे हुए है।

ढाई सौ साल से दुर्ग में धार्मिक आस्था का सबसे बड़ा केंद्र चंडी मंदिर

दुर्ग (नवप्रदेश)। शहर में शिवपारा स्थित चंडी मंदिर धार्मिक आस्था का सबसे बड़ा केंद्र है। करीब ढाई सौ साल पहले मंदिर की स्थापना की गई थी। लोगों की मान्यता है कि माता के दरबार से कोई खाली हाथ नहीं लौटता। लोग अपनी मनोकामना को लेकर हर साल दोनों नवरात्र पर्व में मनोकामना जोत प्रज्वलित कराते हैं। चंडी मंदिर की अलग ही महिमा है।

चंडी मंदिर में मां चंडिका (दुर्गा) की पूजा कुंड स्वरूप में की जाती है। मान्यता है कि मां चंडी यहां मौजूद कुंड में विश्राम कर रहीं हैं। मंदिर में शहर के लोगों की आस्था किसी शक्तिपीठ से कम नहीं है। लोगों की आस्था है कि यहां मांगी गई हर मनोकामना पूरी होती है। मंदिर में नवरात्र के दौरान दर्शन के लिए लोगों की भारी भीड़ जुटती है।

आदि शक्ति मां चंडी की पूजा व दर्शन के लिए दुर्ग शहर के अलावा दूर-दूर से लोग आते हैं। मंदिर में कभी न सूखने वाला चंडिका कुंड है। यहां बारहमास जल भरा रहता है। यहां भैरव जी की प्राचीन प्रतिमा, मां दुर्गा, मां चंडी, मां अन्नपूर्णा, मां काली, लक्ष्मी और सरस्वती की प्रतिमा है। भगवान श्री गणेश की नवीनतम प्रतिमाएं भी विराजित हैं। जन आस्था का केंद्र बन चुके मंदिर को कुछ साल पहले राजस्थान से लाल पत्थर से आकर्षक स्वरूप दिया गया है।

मुख्य द्वार पर नक्काशीदार द्वार बनाया गया है। प्राचीन पत्थरों से मंदिर का निर्माण किया गया था, जिसे अब नए स्वरूप में परिवर्तित कर दिया गया है। कुंड के समीप मां चंडिका के साथ दूसरी प्रतिमाएं भी स्थापित की गई है। गर्भगृह की दीवारों पर देवों की आकृति आकर्षक ढंग से उकेरी गई है।

कुछ साल पहले मंदिर परिसर की खुदाई में रिंग वेल (कुआं) व हाथी दांत के बने गहने मिले। पुरातत्व विभाग ने इसके करीब 2600 साल पुराना होने का अनुमान लगाया है। इसकी जानकारी राजपत्र में भी प्रकाशित है। पूर्व में मंदिर में बेहद प्राचीन प्रतिमाएं थी। मंदिर में सालभर श्रद्धालु माता का दर्शन करने आते हैं लेकिन चैत और क्वांर नवरात्र में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर में करीब 50 साल से जोत कलश जलाए जा रहे है। इसकी शुरुआत 11 जोत कलश से हुई थी। बीते कुछ सालों से क्वांर नवरात्र में मंदिर में 2500 जोत कलश जल रहे थे। इस बार जोत कलश की संख्या बढ़ाई गई है।

चैत्र नवरात्रि: मां सर्वमंगला मंदिर में 9 दिनों तक भक्तों का उमड़ेगा सैलाब

कोरबा/नवप्रदेश। चैत्र नवरात्रि के साथ हिंदू नव वर्ष 19 मार्च को शुरू होगा। त्योहार में अब 1 दिन ही शेष है। ऐसे में जिले भर के देवी मंदिरों में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मां सर्वमंगला मंदिर में इसे लेकर तैयारियां हो चुकी है। साफसफाई, रंगरोगन, जोत कलश सजा लिए गए हैं। अलग-अलग कमरों में 9 दिनों तक मां आदिशक्ति के ज्योत जलाए जाएंगे। तैल्स ज्योति के लिए 901 रुपए और घी ज्योति 2100 सौ रुपये के रसीद काटे जा रहे है।

सर्वमंगला मंदिर के पुजारी मयंक पांडे ने बताया कि, तेल और घी के ज्योत जलने है तेल 6 हजार और घी 1500 तक ज्योत जल सकते है। ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका से भी लोग ऑनलाइन फोन कर जोत जलता रहे हैं। आज भी जो इस देश से छोड़कर बाहर निवास करते हैं उनका भी आस्था बना हुआ है ज्योत जलाने के लिए ऑनलाइन सुविधा भी प्रदान की गई है।

भक्तों की सूरक्षा पर दिया जाएगा विशेष ध्यान: मयंक मजराज ने बताया कि, नवरात्रि में भक्तों के लिए सुचारू रूप से सर्वमंगला मां के दर्शन हो सके उसके लिए सुविधा प्रदान किया जा सके उसको ध्यान में रखा जा रहा है। भंडारे, पेयजल समेत जसगीत का आयोजन किया जाएगा। वहीं नवरात्रि में सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल भी तैनात किए जाएंगे। उसके अलावा सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं अतिरिक्त और लगाए जाएंगे। किसी तरह कोई हादसा ना हो इसके लिए फायर सेफ्टी की भी व्यवस्था की गई है।

हजारों की संख्या दर्शन करने पहुंचते हैं श्रद्धालु: अगर बाहर से कोई दर्शन करने मंदिर आता है तो इसके लिए ट्रेन, बस और चार पहिया वाहन की भी सुविधा है जो बड़े ही आसानी से इस मंदिर में पहुंचकर दर्शन कर सकते है। शहर में मां सर्वमंगला मंदिर, मां भवानी मंदिर में जहां विविध अनुष्ठान रोजाना सुबह 4 बजे से होंगे, वहीं देवी भागवत व मानस गायन भी होगा। प्रकृति के बीच पहाड़ों पर चौतुरगढ़ पहाड़ी पर स्थित मां महिषासुर मर्दिनी का दरबार हैं जहां उमड़ेंगे श्रद्धालु।

19 मार्च को निकाली जाएगी शोभायात्रा: हिंदू नव वर्ष में शहर के दो हिंदू संगठनों द्वारा भव्य शोभायात्रा निकालने की तैयारी चल रही है। 19 मार्च को शाम 4 बजे से यह शोभायात्रा शुरू होगी। पहली शोभायात्रा कोसाबाड़ी स्थित सिद्ध विराजित मां आदि शक्ति का दरबार मड़वारानी, चौतुरगढ़, कोसगाई व मातिन में है। इन देवी दरबारों तक पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए आसान नहीं होता है।

विभिन्न देवी-देवताओं की झांकी होगी प्रदर्शित: मां मड़वारानी के दरबार में तो वाहन से पहुंचा जा सकता है, लेकिन मातिन दाई, चौतुरगढ़ की हनुमान मंदिर से शुरू होगी तो दूसरी शोभायात्रा श्रीराम जानकी मंदिर सीतामढ़ी से। दोनों ही शोभायात्रा में भगवान राम सहित विभिन्न देवी देवताओं की झांकी प्रदर्शित की जाएगी। साथ ही आकर्षक लाइटों के महिषासुर मर्दिनी व कोसगाई दाई मंदिर तक पहुंचने सीधी पहाड़ी की चढ़ाई चढ़नी होती है। इसमें भी मातिन दाई व कोसगाई देवी दरबार तक पहुंचना काफी कठिन होता है। देवपहरी स्थित सिद्धिदात्री का दरबार भी भक्तों के लिए आस्था के साथ ही विशेष रहेगा।

नवप्रदेश संवाददाताओं की रिपोर्ट
- महासमुंद से जयदेव सिंह
- बालोद से सुप्रीत शर्मा
- मुंगेली से सुशील शुक्ला
- दुर्ग से सुमित गुप्ता
- कोरबा से ईश्वर चंद्रा
- छुईखदान से अंकित महोबिया

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, समाचार संपादक-संदीप दीवान, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com